हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 22 फरवरी 2026

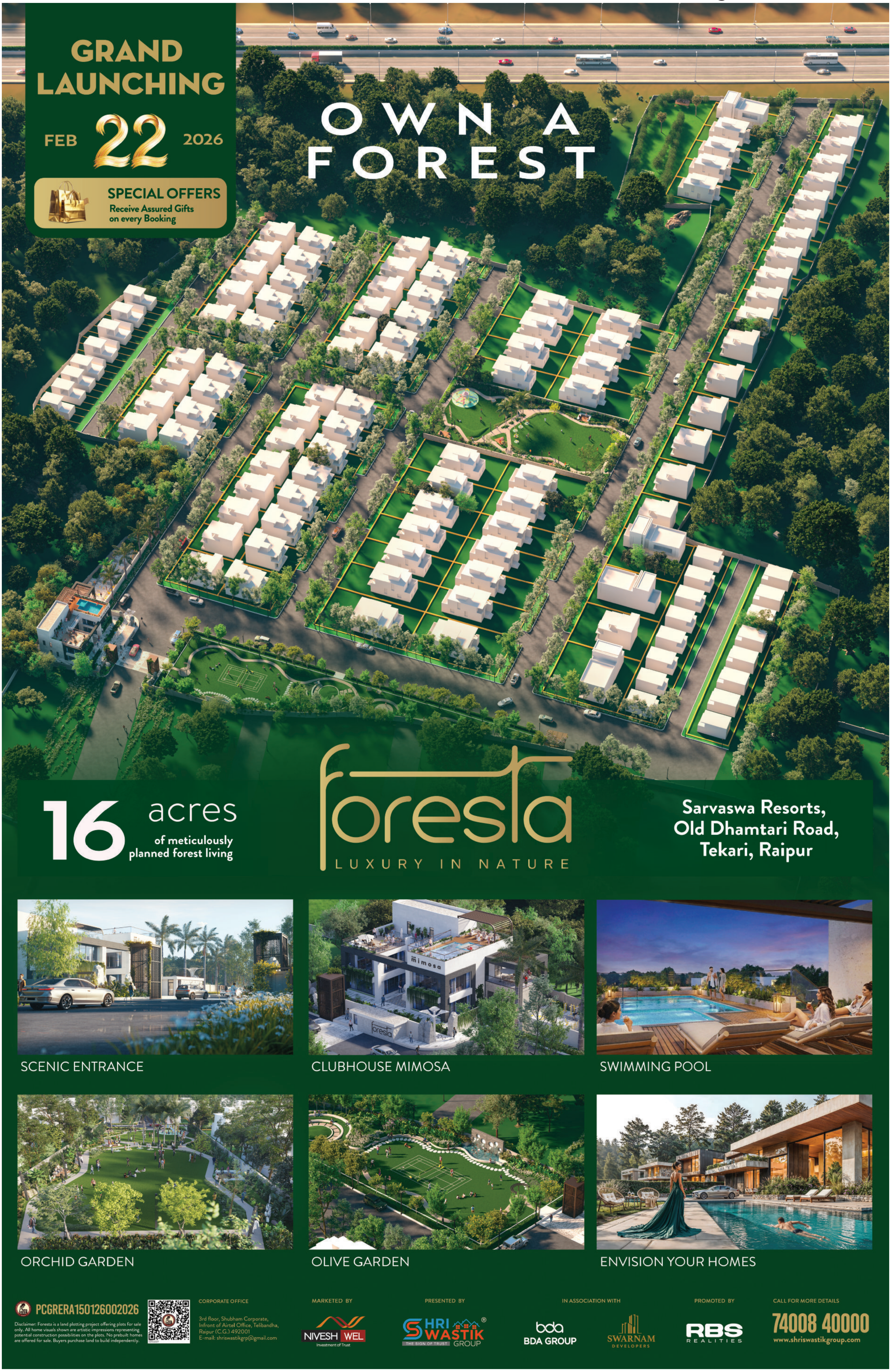
GRAND LAUNCHING
FEB 22 2026
SPECIAL OFFERS
Receive Assured Gifts on every Booking
OWN A FOREST
16 acres
of meticulously planned forest living
foresta
LUXURY IN NATURE
Sarvaswa Resorts, Old Dhamtari Road, Tekari, Raipur
SCENIC ENTRANCE
CLUBHOUSE MIMOSA
SWIMMING POOL
ORCHID GARDEN
OLIVE GARDEN
ENVISION YOUR HOMES
PCGRERA150126002026
Disclaimer: Foresta is a land plotting project offering plots for sale only. All home visuals shown are artistic impressions representing potential construction possibilities on the plots. No prebuilt homes are offered for sale. Buyers purchase land to build independently.
CORPORATE OFFICE
3rd floor, Shubham Corporate, Infront of Airtel Office, Telibandha, Raipur (C.G.) 492001
E-mail: shriswastikgrp@gmail.com
MARKETED BY
NIVESH WEL
Investment of Trust
PRESENTED BY
SHRI WASTIK GROUP
THE SIGN OF TRUST
IN ASSOCIATION WITH
bda BDA GROUP
SWARNAM DEVELOPERS
PROMOTED BY
RBS REALITIES
CALL FOR MORE DETAILS
74008 40000
www.shriswastikgroup.com

आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹117077/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹142990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹156087/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
aNaND Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
बिलासपुर, रविवार 22 फरवरी 2026

वित्त मंत्री कह चुके है, मंत्री बजट राशि के खर्च की गति करें तेज

पीडब्ल्यूडी ने अब तक खर्च किया 28 फीसदी बजट कई मदों में धेला खर्च नहीं, कागजों में अरबों जमा

जिया कुरैशी ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में लोक निर्माण विभाग ने बीते दो साल जमकर खर्च किया। सरकार बनने के बाद करीब दस हजार करोड़ रुपयों के खर्च से सड़क, पुल पुलिया, फ्लाईओवर, भवन के निर्माण किया। लेकिन इस बार चाल धीमी हो गई है। पीडब्ल्यूडी अब तक केवल 28 फीसदी ही खर्च कर पाया है। बजट प्रावधान 8 हजार 5 सौ 37 करोड़ रुपयों का था। इसमें से फरवरी माह तक केवल 2 हजार 354 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। इतना ही नहीं, दर्जनों मद ऐसे हैं जिन पर अब तक धेला भी खर्च नहीं किया गया है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

इस तरह समझें

लोक निर्माण विभाग की व्यय एवं अनुदान संबंधी जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में विभाग के लिए बजट प्रावधान 8 हजार 537 करोड़ 4 हजार 13 रुपयों का था। इसमें से 2 हजार 354 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। फरवरी 2026 में 276 करोड़ 54 लाख रुपए खर्च हुए हैं। यह आंकड़ा 27.81 प्रतिशत व्यय हुआ है।

8 हजार 537 करोड़ का बजट, अब तक खर्च केवल 2 हजार 354 करोड़

कागजों में अरबों का बजट, काम में सन्नाटा

राज्य की व्यय एवं अनुदान रिपोर्ट की पड़ताल में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। लोक निर्माण विभाग के जिन मदों के लिए करोड़ों का प्रावधान किया गया, उनमें से कई में अब तक एक रुपया भी खर्च नहीं हुआ। हवाई पट्टियों के निर्माण और विस्तार तथा नगर विमानन जैसे मदों में शून्य व्यय दर्ज है। इसी तरह राज्य मार्गों के विशेष अनुरक्षण व मरम्मत (ओपी आरएमएसी), ग्रामीण मार्गों की ▶▶| शेष पेज 5 पर

जिन मदों में खर्च नहीं उनकी सूची बहुत लंबी है

लाइवीहुड कॉलेज, बायपास और रिंग रोड निर्माण, भूमि अधिग्रहण मुआवजा, सड़क सुरक्षा परामर्श सेवाएं, महाविद्यालय और उप स्वास्थ्य केंद्र भवन, नाबार्ड सहायता से ग्रामीण मार्ग, यहां तक कि जेल क्वार्टर, प्रशासनिक भवन, जिला सैनिक बोर्ड, खेल प्रशिक्षण भवन और अस्पताल-औषधालय भवनों के निर्माण जैसे मदों में भी व्यय का आंकड़ा शून्य है। लोक शिक्षण संचालनालय, सरकारी शिक्षा महाविद्यालय, सीजी आईटी की स्थापना,खेल मैदानों के रखरखाव हेतु (लघु निर्माण कार्य, खेल प्रशिक्षण भवन का निर्माण, यूथ हास्टल,, कला और संस्कृति भवनों का ▶▶| शेष पेज 5 पर

खर्च की गति बढ़ाने वित्त मंत्री ने पिछले साल लिखा था मंत्रियों को पत्र

बजट की राशि खर्च करने के संबंध में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पिछले साल सरकार के सभी मंत्रियों को पत्र लिखा था, उसमें ये बात कही गई थी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने वर्ष 2024-25 के बजट के अंतर्गत विभिन्न विभागों के मंत्रियों को पत्र लिखा है। वित्त मंत्री ने पांच मंत्रियों के विभागों में बजट की राशि के कम खर्च होने पर यह चिट्ठी लिखी थी। वित्त मंत्री चौधरी ने मंत्रियों से आग्रह किया था कि खर्च की गति बढ़ाई जाए। उन्होंने पत्र में लिखा कि बजट जिस अनुपात में खर्च किया जाना चाहिए था, उस अनुपात में खर्च नहीं हो रहा है। वित्त मंत्री चौधरी ने मंत्रियों को लिखे पत्र में स्पष्ट किया था कि बजट के निर्धारित मापदंड के अनुसार पूंजीगत व्यय के लिए प्रत्येक तिमाही के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं और इसके अनुसार पूंजीगत व्यय होने से ही कार्यों में निरंतरता के साथ अर्थव्यवस्था को गति मिलती है।

खबर संक्षेप

नवी मुंबई हवाई अड्डे ने शुरू की डिजियात्रा सुविधा

मुंबई। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने के लगभग दो महीने बाद 'डिजियात्रा' सेवा शुरू करने की घोषणा की है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा देश के पांच अन्य हवाईअड्डों के साथ नागर विमानन मंत्रालय के राष्ट्रव्यापी डिजी यात्रा कार्यक्रम में डिजिटल रूप से शामिल हो गया है। उद्घाटन समारोह ऑनलाइन किया गया और इस मौके पर तीन यात्रियों ने प्रतीकात्मक रूप से डिजियात्रा ई-गेट का इस्तेमाल किया। और बायोमेट्रिक प्रवेश बिंदुओं पर रिबन काटा।

मादक पदार्थ गिरोह के 5 सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 'स्मैक' की आपूर्ति करने वाले एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ गिरोह से जुड़े पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से लगभग 60 लाख रुपए मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। मुख्य आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी अमीन खान (24) के रूप में हुई है। उसे 12 फरवरी को पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर में नोएडा लिंक रोड के पास से गिरफ्तार किया गया था।

डिवाइडर से टकराई मिनीवैन, पांच की मौत

मेहसाणा। गुजरात के उंझा-मेहसाणा राजमार्ग पर एक मिनीवैन के डिवाइडर से टकराने के बाद एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। हादसे में छह अन्य घायल हो गए। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनकी पहचान रामलाल कुमावत, कोमल कुमावत, कैलाशभाई कुमावत और आयुष कुमावत (04) के रूप में हुई है।

डिजिटल दावा, सिस्टम हांफा, ऑनलाइन एफआईआर कराने पर हर जिले में 'एरर'

डिजिटल पारदर्शिता और ऑनलाइन सुगमता के दावों के बीच राज्य की ऑनलाइन एफआईआर व्यवस्था तकनीकी अड़चनों में उलझी रही। क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम यानी सीसीटीएनएस के तहत शुरू की गई सुविधा के तहत टीम हरिभूमि ने एकाउंट बनाकर कई बार एफआईआर दर्ज करने की कोशिश की लेकिन हर बार एरर ही बताया जाता रहा।

गिरीश केशरवानी के साथ विकास चौबे

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

रायपुर-बिलासपुर समेत सभी जिलों में ऐसी दिक्कत बताई जाती रही। रायपुर कमिश्नर संजीव शुक्ला ने कहा कि तकनीकी दिक्कत है, उसे जल्द ठीक कर लिया जाएगा। वहीं बिलासपुर एसपी ने कहा कि सर्वर ने काम करना आज ही शुरू किया है। कुछ दिक्कतें हैं जिन्हें जल्द दूर कर दिया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि सर्वर में पखवाड़े भर से परेशानी आ रही है। फरियादियों को थाने जाकर एफआईआर करानी पड़ रही है। हरिभूमि ने ▶▶| शेष पेज 5 पर

टीम हरिभूमि ने कई एकाउंट से एफआईआर की कोशिश की, हर बार एरर बताया

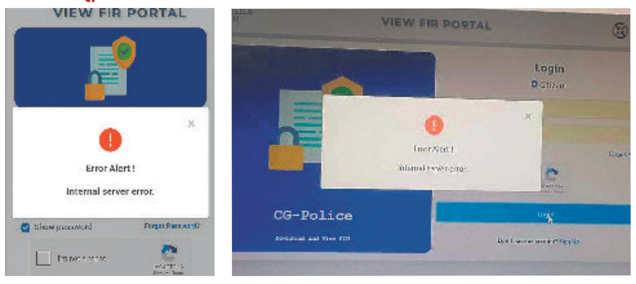

चुनौती बन गया सॉफ्टवेयर

नए और पुराने कानूनों को अपेडट करने में चुनौतियां

पुलिस अधिकारी भी मानते हैं कि स्थानीय ऑफलाइन सर्वर और केंद्रीय सर्वर के बीच डेटा सिंक न होने से जानकारी अपडेट होने में देरी होती है। इसके साथ ही सॉफ्टवेयर के धीमा होने और पोर्टल पर तकनीकी बाधाओं के कारण एफआईआर और अन्य रिकॉर्ड दर्ज करने में समय लगता है। इसके साथ ही पुलिस कर्मचारियों में सॉफ्टवेयर के संचालन को लेकर ▶▶| शेष पेज 5 पर

तकनीकी खामी के कारण

सीसीटीएनएस का वर्जन-2 लागू किया जा रहा है, इसलिए तकनीकी खामी के कारण सर्वर डाउन है। खामी दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। समाधान एप में जल्द ही ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने के साथ लोग एफआईआर की स्थिति के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं।

- डॉ. संजीव शुक्ला, पुलिस कमिश्नर रायपुर

सर्वर डाउन, कुछ परेशानी

सीसीटीएनएस पोर्टल और सॉफ्टवेयर में सर्वर डाउन होने और कुछ तकनीकी समस्या के कारण इसे शुरू करने में देरी हुई। अब इसे सुधार लिया गया है।

- पंकज कुमार पटेल, एडिशनल एसपी, बिलासपुर

यौन शोषण के मामले में कोर्ट ने दिया आदेश

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ दर्ज होगा केस

एजेंसी ▶▶| प्रयागराज

प्रयागराज की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ बटुकों के साथ यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए झूंसी पुलिस थाने के प्रभारी को प्राथमिकी दर्ज करने का शनिवार को आदेश दिया। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज और अन्य द्वारा बीएनएसएस की धारा 173(4) के तहत दाखिल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) विनोद कुमार चौरसिया की अदालत ने पिछले सप्ताह साक्ष्यों को देखने और पीड़ित बटुकों का बयान दर्ज करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ता ▶▶| शेष पेज 5 पर

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- आरोप फर्जी

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि ये आरोप फर्जी है। सच्चाई सामने आ जाएगी। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि मेरे खिलाफ फर्जी मुकदमा दायर किया गया था। उन्होंने कहा कि न्यायालय लंबा समय न लगाए, जल्द से जल्द इस पर कार्यवाही शुरू करे। उन्होंने कहा कि आरोप लगाने वाला खुद हिस्ट्रीशीटर है, उसका नाम कई जगह दर्ज है। वो राम भद्राचार्य जी का शिष्य है, ये आरोप कोई विधर्मी नहीं लगा रहा है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

मां का आशीर्वाद और अपार जनस्नेह

- बगिया में आत्मीयता के साथ मना मुख्यमंत्री का जन्मदिन
- राम सदन में सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण कार्यक्रम का किया गया आयोजन
- शुभकामनाएं देने वालों का लगा रहा तांता, मुख्यमंत्री ने जताया आभार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का 62वां जन्मदिवस उनके गृहग्राम बगिया में अत्यंत उत्साह, आत्मीयता और पारिवारिक स्नेह के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गृहग्राम बगिया स्थित अपने घर पहुंचते ही सबसे पहले अपनी माता श्रीमती जसमनी देवी के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों का दिनभर तांता लगा रहा। जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी के स्नेह, शुभकामनाओं और आत्मीय स्वागत के लिए ▶▶| शेष पेज 5 पर

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
SAAT-2026
Empowering students for a brighter future
B.TECH PROGRAMMES IN CORE COMPUTING
- Computer Science and Engineering
- Computer Science and Information Technology
APPROVAL & RECOGNITIONS
- Approved by UGC and AICTE
- Re-accredited by NAAC with A++ Grade
- Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC
- NBA Accredited Programmes
NIRF INDIA RANKINGS 2025
- 15th Best in University Category
- 22nd Best in Engineering Category
INTERNATIONAL RANKINGS 2026
- Ranked in QS World Rankings 2026
- Ranked in Times World Rankings 2026
To apply for admission through SAAT,
Please visit: www.soa.ac.in

कार पोल से टकराई, दो सगे भाई सहित तीन की मौत, एक गंभीर

रायपुर/आरंग। राजधानी रायपुर से सटे रायपुर–महासमुंद मार्ग पर शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो सगे भाई सहित तीन युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा आरंग थाना क्षेत्र में आरंग नदी के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार टाटा विस्टा कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर और लोहे की रेलिंग तोड़ते हुए पोल से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सड़क हादसा में हर्ष कुमार देवांगन (21), उसका छोटा भाई राहुल देवांगन (20) तथा थानू सतनामी (22) की मौत हुई है। घायल की पहचान मिथिलेश धीवर (23) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार कार टाटा विस्टा सीजी- 4 एचडी 2156 में चार लोग सवार थे। ▶▶| शेष पेज 5 पर

- परिजन को महासमुंद छोड़ कर लौट रहे थे, तेज रफ्तार कार पोल से टकराई

सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ
सौ वर्षीय प्लान!
एलआईसी का जीवन उमंग
UIN No.: 512N312V03 PLAN NO: 745
एक पार, नॉन-लिंक्ड, व्यक्तिगत, बचत, आजीवन बीमा प्लान
अंतिम प्रीमियम के बाद से लेकर 99 वर्ष की आयु तक हर वर्ष पाइए मूल बीमाधन राशि का 8% के बराबर गारंटीड उत्तरजीविता लाभ और 100 वर्ष की आयु तक जीवित रहने पर एकमुश्त परिपक्वता लाभ.

विशेषताएँ :
- आयु योग्यता : 30 दिन से लेकर 55 वर्ष तक
- न्यूनतम मूल बीमाकृत राशि : ₹ 2,00,000/-
- अधिकतम मूल बीमाकृत राशि : कोई सीमा नहीं
- प्रीमियम भुगतान अवधि : 15, 20, 25 एवं 30 वर्ष
- पॉलिसी अवधि : (100 में से प्रवेश पर आयु घटाकर) वर्ष
प्रमुख विशेषताएँ :
- 100 वर्ष की आयु तक आजीवन जोखिम बीमा-सुरक्षा
- पूरी प्रीमियम भुगतान अवधि में बोनस
- अंतिम अतिरिक्त बोनस (यदि कोई हो)
- ऋण सुविधा
हमारा वॉट्सएप नं. 8976862090 कहिए 'Hi'
अधिक जानकारी के लिए आप अपने बीमा एजेन्ट/नज़दीकी एलआईसी शाखा से संपर्क करें
डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल ऐप LIC digital
कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827
हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever
IRDAI Regn No.: 512
LIC/P1/2025-26/32/Hin
धोखेधड़ी वाले फ़ोन कॉल्स तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम्स के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फ़ोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं- नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। दूसरी एक बड़ी चिंता विदेशी एआई सिस्टम पर निर्भरता और उसके चलते मार्केट कंसंट्रेशन है। फिर भी, एआई अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान का हिस्सा बन चुका है। एआई लोगों को रोजगार देगा। 2025 में भारत में लगभग 2.9 लाख एआई से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हुए और 2026 में इसमें 32% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो करीब 3.8 लाख नई नौकरियों का लक्ष्य दिखाता है। हालांकि एआई के लाभ तभी व्यापक होंगे, जब उसका उपयोग केवल बड़े शहरों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों, छोटे उद्यमों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी निरंतर नजर रखनी होगी कि एआई का दुरुपयोग, जैसे फेक न्यूज, डीपफेक, साइबर अपराध और डेटा के अनैतिक इस्तेमाल समाज में अस्थिरता न पैदा करें। भरोसा और सुरक्षा, एआई के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

एआई लोगों की मदद करेगा, रहना होगा अलर्ट

विश्लेषण

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

> **भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं। जैसे नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। इसलिए हमें एआई को लेकर अलर्ट भी रहना होगा।**

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में जो कुछ हुआ, उसने साफ कर दिया कि यह केवल एक ग्लोबल इवेंट नहीं, बल्कि भारत की टेक्नोलॉजी सॉवरेनिटी का वैश्विक शंखनाद था, जिसकी गूंज पेरिस से लेकर न्यूयॉर्क तक सुनाई दी। इसमें शामिल दुनिया के दिग्गज नेताओं से लेकर टेक्नोलॉजी पर राज करने वाली कंपनियों के सीईओ तक ने जो बातें कहीं, वह भारत की चमक बयां करती हैं। इतना ही नहीं, भारत इस समिट के जरिए दुनिया को यह संदेश दिया है कि एआई का विकास सिर्फ ताकतवर देशों का खेल नहीं होना चाहिए, बल्कि यह ऐसा क्षेत्र बने जहां ग्लोबल साउथ की आवाज, जरूरतें और चुनौतियां भी केंद्र में हों। अब तक एआई पर वैश्विक बहस ज्यादातर अमेरिका, यूरोप और चीन के इर्द-गिर्द घूमती रही है, लेकिन भारत जैसे देश के सामने विशाल आबादी, विकासशील अर्थव्यवस्था, डिजिटल डिवाइड, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, विभिन्न भाषाएं और सामाजिक संरचना को लेकर अलग-अलग चुनौतियां हैं। भारत चाहता है कि एआई का इस्तेमाल केवल कॉर्पोरेट मुनाफे या सैन्य ताकत बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि यह गरीबी घटाने, सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने और शासन को अधिक पारदर्शी बनाने का औजार बने। एआई समिट के जरिए भारत यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि वह एआई फॉर गुड का मॉडल पेश कर सकता है। वह डेमोक्रेटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गवर्नेंस का उदाहरण बन सकता है और ग्लोबल साउथ की चिंताओं को वैश्विक एजेंडे में ला सकता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और इस्तेमाल का ग्लोबल हब बनाने का बड़ा विजन 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' पेश किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से भारत में डिज़ाइन करने और दुनिया को डिलीवर करने का आह्वान किया। इस महत्वाकांक्षा को एआई समिट में भी प्रमुखता से दिखाया गया, जिसने भारत को ग्लोबल साउथ में एक लीडर और दुनिया के मंच पर एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर पेश किया। भारत दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी आबादी के साथ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और इसकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्रांति में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। वर्तमान में भले ही अमेरिका और चीन एआई के दो विपरीत ध्रुव बने हुए हैं, लेकिन भारत में एआई लीडर बनने की तीव्र आकांक्षा और क्षमता है। भारत में भी वर्तमान में एआई पर व्यापक शोध कार्य चल रहा है, जो वैश्विक समस्याओं के समाधान में सहायक हो सकता है। एआई का उद्देश्य लोगों की मदद करना है, न कि उनकी जगह लेना। भविष्य में मनुष्य स्मार्ट सिस्टम के साथ मिलकर काम करेंगे।

सरकार की प्रतिबद्धता इंडिया एआई मिशन जैसी बड़ी पहलों से और मजबूत होती है, जिसके लिए अगले पांच सालों में 10,300 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसका मकसद कंप्यूटिंग पावर बढ़ाना और सस्ती दरों पर रिसर्च के मौके उपलब्ध कराना है। दुनिया भर में एआई के क्षेत्र में भारत की तेज़ी से हुई तरक्की साफ दिखती है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने इसे अमेरिका और चीन के बाद एआई वाइब्रेंस में तीसरे स्थान पर रखा है। यह तरक्की भले ही गति दिखाती है, लेकिन स्थापित एआई दिग्गजों से मुकाबले के लिए अभी काफी लंबा सफर तय करना बाकी है। अमेरिका प्राइवेट इन्वेस्टमेंट, कंप्यूटिंग क्षमता और फाउंडेशन मॉडल डेवलपमेंट जैसे अहम क्षेत्रों में आगे है, जबकि चीन रिसर्च आउटपुट और पेटेंट जेनरेशन में बाज़ी मारता है। भारत का एआई इकोसिस्टम अभी मैच्योर होने के बजाय तेज़ी से बढ़ रहा है। इस कंपीटिशन के माहौल में न सिर्फ एआई की बुनियादी क्षमताओं में बड़ा निवेश जरूरी है, बल्कि स्वदेशी विकास पर भी खास ध्यान देना होगा, खासकर सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में, जहां भारत एक उपभोक्ता से निर्माता बनने की ओर बढ़ रहा है।

आज जब दुनिया एआई क्रांति के मुहाने पर है और भारत इस क्षेत्र की तीसरी सबसे सक्षम शक्ति बनने की तैयारी कर रहा है इसी कारण दुनिया भर की नामी एआई कंपनियां देश में दिलचस्पी लेने के साथ भारी निवेश भी कर रही हैं, तब फिर सरकार को एआई क्रांति की चुनौतियों से सावधान रहने के साथ उससे उत्पन्न हो रहे अवसरों को भुनाने के लिए कोई ठोस रूपरेखा बनानी चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पूरी तरह डेटा पर आधारित है। इसका मतलब ये है कि किसी भी एआई टूल के पास जितना अधिक डेटा होगा वो मॉडल उतना ही शक्तिशाली होगा। हालांकि, आधार और यूपीआई जैसी डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के जरिए भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि हम तकनीक को कितने बड़े पैमाने पर लागू कर सकते हैं। अब यही काम हम एआई के साथ करने जा रहे हैं। भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है। लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं- नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। दूसरी एक बड़ी चिंता विदेशी एआई सिस्टम पर निर्भरता और उसके चलते मार्केट कंसंट्रेशन है। फिर भी, एआई अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान का हिस्सा बन चुका है।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत एआई को केवल तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि विकास, समावेशन और सुशासन के उपकरण के रूप में देख रहा है। तेजी से बढ़ती एआई प्रतिस्पर्धा के बीच यह शिखर सम्मेलन भारत के लिए अपनी उपलब्धियों को दुनिया के सामने रखने का शानदार अवसर रहा है। एआई के लाभ तभी व्यापक होंगे, जब उसका उपयोग केवल बड़े शहरों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों, छोटे उद्यमों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे। डिजिटल विभाजन को कम किए बिना एआई क्रांति अधूरी रहेगी। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी निरंतर नजर रखनी होगी कि एआई का दुरुपयोग, जैसे फेक न्यूज, डीपफेक, साइबर अपराध और डेटा के अनैतिक इस्तेमाल समाज में अस्थिरता न पैदा करें। भरोसा और सुरक्षा, एआई के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं।

एआई छीनेगा नहीं, लाखों नौकरियां देगा युवाओं को

उम्मीद

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

आजकल हर तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चर्चा है। राजधानी में एआई इंपैक्ट सम्मेलन में हाल ही में संपन्न हुआ है। इसमें करीब डेढ़ दर्जन देशों के राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री शामिल हुए। इसके अलावा, सारे संसार से प्रतिनिधि भी भाग ले रहे थे। दरअसल, एआई तकनीक मशीनों को इंसानों जैसा सोचने-समझने की ताकत दे रही है। एआई आ रहा है। चैट जीपीटी, मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन। बैंक में एआई चैटबॉट्स, फैक्टरियों में रोबोट्स, गवर्नमेंट में ई-गवर्नेंस। कुछ रूटीन काम ऑटोमेट होंगे, लेकिन इतिहास बताता है कि नई तकनीक अंततः ज्यादा रोजगार पैदा करती है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, एआई से नई स्किल्स वाली नौकरियां बढ़ेंगी। एआई स्पेशलिस्ट, डेटा साइंटिस्ट, मशीन लर्निंग इंजीनियर आदि। एनएएसएससीओएम और अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में एआई से 2025-2030 तक लाखों नई नौकरियां आएंगी। एआई टैलेंट की डिमांड 1 मिलियन से ज्यादा होगी, और एआई अपनाने से जीडीपी में 450-500 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। कई अध्ययनों में पाया गया कि एआई से कुछ रूटीन जॉब्स बदलेगी या कम होंगी, लेकिन नई जॉब्स (जैसे एआई कॉन्फिगरेटर, एक्सपीरियंस डिजाइनर) ज्यादा तेजी से बढ़ रही हैं। भारत में एआई से प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी, व नए सेक्टर जैसे हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर, एजुकेशन में अवसर खुलेंगे। एक बात साफ है कि आज के डिजिटल युग में एआई एक क्रांतिकारी तकनीक बन चुकी है। जहां कुछ लोग एआई को नौकरियों के लिए खतरा मानते हैं, वहीं वास्तविकता यह है कि भारत जैसे युवा-प्रधान देश में एआई नए और बेहतर रोजगार के द्वार खोल रहा है। हाल के वर्षों में भारत ने एआई अपनाने में वैश्विक नेतृत्व हासिल किया है। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत दुनिया में एआई प्रतिभा की भर्ती में सबसे आगे है, जहां सालाना भर्ती दर लगभग 33% है। 2025 में भारत में लगभग 2.9 लाख एआई से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हुए और 2026 में इसमें 32% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो करीब 3.8 लाख नई नौकरियों का मतलब है। ये अवसर मुख्य रूप से मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, एआई इंजीनियरिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई एथिक्स जैसे क्षेत्रों में उभर रहे हैं। बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर एआई जॉब्स के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने भी 2025 में करीब 4.5 लाख नई नौकरियां जोड़ीं, जिनमें एआई-संचालित भूमिकाएं प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे नेताओं ने स्पष्ट किया है कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा, बल्कि उन्हें बदलकर नई संभावनाएं देगा। भारतएआई मिशन, स्किल इंडिया और विभिन्न एडटेक प्लेटफॉर्म्स के जरिए युवाओं को रीस्किलिंग और अपस्किलिंग का अवसर मिल रहा है। एआई स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा रहा है, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से लाखों सहायक रोजगार सृजित हो रहे हैं। एआई का नेट प्रभाव रोजगार पर सकारात्मक है। यह उत्पादकता बढ़ाता है, नए उद्योग जन्म देता है और उच्च वेतन वाली नौकरियां पैदा करता है। भारत की 65% से अधिक युवा आबादी इस बदलाव का सबसे बड़ा लाभार्थी बनेगी, बशर्ते हम कौशल विकास पर फोकस करें। कंप्यूटर की तरह, एआई भी जॉब किलर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर साबित होगा। स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रही सेलेस्टियल एयरोस्पेस के साइंटिस्ट श्रेयांस जैन मानते हैं कि जो लोग एआई सीखेंगे, वे आगे बढ़ेंगे। नई स्किल्स से बेहतर सैलरी, प्रमोशन और अवसर मिलेंगे। पर भारत में प्राइवेट और गवर्नमेंट सेक्टर के लाखों लोग चिंतित हैं कि कहीं, एआई उनकी नौकरी तो नहीं छीन लेगा, लेकिन यह डर पुराना है। याद कीजिए 1980-1990 के दशक को, जब कंप्यूटर भारत में आ रहे थे। तब भी यही डर था कंप्यूटर नौकरियां खा जाएगा। मजदूर यूनियनें सड़कों पर उतरीं, हड़तालें हुईं, विरोध प्रदर्शन हुए। सरकारी दफ्तरों, बैंकों, रेलवे में हर जगह कंप्यूटर का विरोध। लेकिन कंप्यूटर ने भी रोजगार पैदा किए। संदेश साफ है एआई से नौकरियां नहीं छिनेंगी, बल्कि बढ़ेंगी बशर्ते हम इसे अपनाएं, स्किल्स अपग्रेड करें और आगे बढ़ें। सब मिलकर इस नई क्रांति का हिस्सा बनें।

> **भारत में एआई से 2025-2030 तक लाखों नई नौकरियां आएंगी। एआई टैलेंट की डिमांड 1 मिलियन से ज्यादा होगी और एआई अपनाने से जीडीपी में 450-500 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। इसलिए स्किल्स अपग्रेड करें और आगे बढ़ें।**

गलगोटिया जैसी यूनिवर्सिटी पर निगरानी की जरुरत

चिंतन

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली के प्रगति मैदान में स्थित भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आयोजन किया गया। पूरी दुनिया से एआई के जानकार और उनसे जुड़े अविष्कारों को दिखाया जा रहा है। इन्हीं सब के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से दिखाए गए एक रोबोट पर विवाद मच गया है जो एक इंटरनेशनल मुद्दा बन गया। मामला यह है कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जिस रोबोट को खुद के द्वारा तैयार किया गया बताया था, लेकिन वह वो चीन का रोबोट निकला। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया में बहुत तेजी से वायरल हो रही हैं। यही नहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी के ऊपर मीम्स भी बन गए हैं। गलगोटिया यूनिवर्सिटी को लेकर देश ही नहीं दुनिया में भी चर्चा होने लगी है। स्थिति यह है कि एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से खुद का रोबोट बताकर चीनी प्रोडक्ट दिखाने के बाद बड़े स्तर पर किरकिरी हो गई। इसके बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी को बुधवार को भारत मंडपम में चल रहे एआई समिट एक्सपो से अपना स्टॉल खाली तक करा दिया। बता दें कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने 'ओरियन' रोबोट एआई समिट में दिखाया गया जो एक रोबोटिक कुत्ता है। इसकी तस्वीर और वीडियो सामने आने के बाद इसकी सच्चाई सबके सामने आ गई। लोगों ने रिसर्च किया और सबकुछ पता चल गया। चीन पल्स एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया गया जिसमें कहा गया कि भारतीय यूनिवर्सिटी ने चीन के रोबोट को खुद का रोबोट बताया। लेकिन सवाल यही है कि देशभर अपनी पहचान रखने वाली ने इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी ने आखिर ऐसा क्यों किया। क्या इसके पीछे कोई राजनितिक साजिश थी, क्योंकि इसको लेकर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह सरकार को बदनाम करने का भी काम हो सकता है। और यदि ऐसा नहीं तो गलगोटिया यूनिवर्सिटी को अपनी बड़े स्तर पर उपस्थिति दर्ज करवानी थी और अपनी यूनिवर्सिटी को सबसे सर्वश्रेष्ठ बताना था। मामला चाहे कुछ भी हो लेकिन इस घटनाक्रम से देश की साख पर बट्टा लगा गया। वहीं समिट में पहुंचे तमाम लोगों ने कहा कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो काम किया है यह बेहद निंदनीय है इससे न सिर्फ देश की बदनामी हुई है बल्कि यूनिवर्सिटी के प्रति लोगों में विश्वास खत्म हुआ है। स्थिति यह है कि अब देश के एआई भविष्य व गुणवत्ता पर कई तरह के सवालिया निशान खड़े हो गए। इसके अलावा गलगोटिया यूनिवर्सिटी से सालाना हजारों विद्यार्थी पास आउट होते हैं और हाल ही में पढ रहे बच्चों को क्या कोई भी नौकरी देगा? इस घटना के बाद कई कंपनियों का दृष्टिकोण इस यूनिवर्सिटी के लिए बदल गया।विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में रोबोटिक्स अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है और इसे अभी एक विकसित हो रहे इकोसिस्टम के रूप में देखा जा रहा है लेकिन कुछ कंपनियां सरकार को खुश करने व अपने व्यापार को बढ़ोतरी करने में केवल अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। बीते दो दशकों से रोबोटिक्स के क्षेत्र में काम कर रहे और आईआईटी मंडी में रोबोटिक्स के एक प्रोफ़ेसर ने कहा कि भारत के पास तकनीकी क्षमता और प्रतिभा होने के बावजूद इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चुनौतियां इस क्षेत्र की रफ़्तार को सीमित कर रही हैं।उन्होंने यह भी कहा कि 'एआई की आत्मा का एक रोबोटिक शरीर खोजने' जैसा है और यह एक कठिन क्षेत्र है क्योंकि इसमें इंजीनियरिंग की लगभग हर शाखा के समन्वय की आवश्यकता होती है। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत जब वैश्विक एआई दौड़ में खुद को प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहा है ऐसे में यह घटना 'मेड इन इंडिया' की छवि के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। ऐसे में केन्द्र व राज्य सरकारों को मिलकर इस पर निगरानी रखने की सख्त आवश्यकता है और इनकी देखरेख के लिए अलग से एक विभाग बनाना चाहिए जिससे की कोई गड़बड़ी की गुंजाइश न हो। सच्चाई यह है कि जो छोटे संस्थान होते हैं वहां बच्चों को अच्छे से सिखाया जाता है। केवल बड़ी-बड़ी इमारतों को दिखाकर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता है। लेकिन अब गलगोटिया प्रकरण के बाद अब बड़े एक्शन ऑफ प्लान की जरुरत है।

> ***गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो काम किया है यह बेहद निंदनीय है इससे न सिर्फ देश की बदनामी हुई है बल्कि यूनिवर्सिटी के प्रति लोगों में विश्वास खत्म हुआ***

रोजगार के साथ चुनौतियां भी बढ़ाएगी कृत्रिम बुद्धिमत्ता

चुनौती

चरणजीत चरण

वरिष्ठ साहित्यकार

जैसे ही हम एआई की बात करते हैं, इसे रोजगार के प्रति एक डर के रूप में देखा जाता है और युवाओं के लिए एक चुनौती माना जाता है। आज जैसा कि हम जानते हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन में इतना अधिक घुल-मिल गई है कि हम इसके बिना भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते। जब हम इससे मिलने वाले लाभों की बात करते हैं, तो उससे होने वाले संभावित नुकसान स्वाभाविक रूप से हमारी चर्चा के केंद्र में आ जाते हैं। इसे लेकर जो सबसे बड़ा डर और भ्रम किसी भी देश या समाज में हो सकता है, वह है रोजगार में कटौती होना। इसमें कोई शक नहीं है कि एआई के माध्यम से बहुत से काम आसान हुए हैं, कार्यों में लगने वाले समय को न्यूनतम किया गया है तथा कार्य की सटीकता भी बढ़ी है; लेकिन यह चिंता भी चिंतन का विषय है कि यह तकनीक रोजगार के लिए एक चुनौती बनकर उभरी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि पश्चिम की भौतिकवादी दुनिया एआई का इस्तेमाल किसी भी कार्य में सटीकता बढ़ाने और लागत कम करने में करना चाहती है। वहीं भारत की सोच इस विषय में बिल्कुल अलग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार, भारत इसका इस्तेमाल खर्च में कटौती के रूप में नहीं, बल्कि गुणवत्ता में सुधार और मानवीय क्षमता के विस्तार के रूप में करना चाहता है। पश्चिम की दुनिया जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानव क्षमताओं के प्रतिस्थापन के रूप में उपयोग करना चाहती है, वहीं भारत इसे मानव सहयोग के रूप में उपयोग करना चाहता है। हाल ही में हुए दिल्ली एआई समिट का मकसद भी यही है कि इसे न सिर्फ मानव सहयोगी के रूप में देखा जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल कार्यकुशलता और सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए।

भारत और पश्चिम की दुनिया में शुरू से अब तक एक बुनियादी अंतर यही रहा है कि पश्चिम ने इस क्षेत्र में जितने भी नवाचार किए हैं, उन्हें बहुत गोपनीय रखा है। साथ ही, ऐसी किसी भी तकनीक को मानव श्रम की कटौती के रूप में इस्तेमाल किया है और उनके तमाम प्रयोग भी इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए नज़र आते हैं। इसके विपरीत, भारत का उद्देश्य

> **एआई समिट का मकसद यही है कि इसे न सिर्फ मानव सहयोगी के रूप में देखा जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल कार्यकुशलता व सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए।**

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से मानव जीवन में आने वाली जटिलताओं का निवारण करना और इसके माध्यम से नए रोजगार का सृजन करना है। उदाहरण के रूप में, भारत ने अपने ग्रामीण क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल कर स्वास्थ्य प्रणाली को सुधारने में अभूतपूर्व कार्य किया है। मरीजों का डेटा एकत्र करने से लेकर जटिल बीमारियों के निदान तक पहुंचना और छोटे-छोटे गाँवों तक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, इन सभी क्षेत्रों में भारत का कार्य सराहनीय है। यदि हम इसकी बुनियाद में जाएँ, तो देखते हैं कि इस प्रणाली के रखरखाव के लिए जिस बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होगी, उसी से भविष्य में लाखों नए रोजगार सृजित होंगे। भारत में एआई को न सिर्फ सरकारी बल्कि अब निजी क्षेत्र के लिए भी खोल दिया गया है। सरकार पूरी निष्ठा से इस दिशा में कार्य कर रही है कि इसका इस्तेमाल युवाओं में कौशल विकास के लिए हो, न कि छंटनी के लिए। भारत का 'इंडिया एआई मिशन' केवल शोध के लिए नहीं है, बल्कि सरकार की कोशिश है कि देश का युवा बुनियादी रूप से इस क्षेत्र में अपनी कार्यकुशलता और क्षमताओं का विकास करे। दिल्ली समिट के अनुसार, भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा डेटा समूह है। इसी डेटा का उपयोग करने के लिए जिस मानव संसाधन की आवश्यकता है, उसी के कारण भारत दुनिया का एआई कार्यालय बन रहा है। भारत चूंकि एक कृषि प्रधान देश है, इसलिए कृषि क्षेत्र के नवाचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अग्रणी भूमिका निभा सकती है। दिल्ली समिट में विशेषज्ञों के माध्यम से एक विशेष बात उभरकर आई कि भारत का 'सॉवरेन मॉडल' दुनिया के उन तमाम देशों के लिए एक मिसाल है, जो अपनी जनसंख्या को केंद्र में रखकर प्रगति करना चाहते हैं।

भारत ने इस समिट के माध्यम से दुनिया को बताया है कि एआई का विकास रोजगार छीनने के लिए नहीं, बल्कि क्षमता विकास के लिए होगा। भारत चाहता है कि इसका इस्तेमाल 'सहायक बुद्धिमत्ता' के रूप में हो, जो चिकित्सकों, शिक्षकों, अभियंताओं और सृजनशील लोगों जैसे शिल्पकार, संगीतकार, लेखक के सहायक के रूप में कार्य करे, न कि उनका स्थान ले। समग्र रूप से देखें तो इस संदर्भ में सरकार का मकसद है कि तकनीक का उपयोग केवल मशीनों की क्षमता बढ़ाना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उस तकनीक से नए रोजगार कैसे सृजित हों और वह लोगों के दैनिक जीवन को कैसे सुगम बनाए।

कई तरह की समस्याएं भी पैदा कर सकता है एआई

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

नई दिल्ली के भारत मंडपम में जब 'इंडिया-एआई इंपैक्ट समिट 2026' का वैश्विक सम्मेलन आयोजित किया गया, तब से एक स्वाभाविक प्रश्न द्वारा मन-मस्तिष्क आंदोलित हुए बिना नहीं रह पा रहे हैं, कि क्या भारत व विश्व में प्राकृतिक कृषिकर्म एवं प्रकृति के समुचित संरक्षण हेतु भी कोई अधि मंथनपरक सम्मेलन कभी होगा? क्या इस दिशा में भारतीय शासन, विदेशी शासनों तथा देशी-विदेशी कंपनियों के अथाह धन-संसाधन धारी स्वामियों को इस बारे में कोई आत्मरुचि कभी होगी अथवा नहीं? जीवन की मुख्य आवश्यकताओं से पृथक एआई अर्थात कृत्रिम मेधा का विषय सहसा इतना व्यापक व विशाल क्यों हो गया है कि यह चाहे-अनचाहे सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में आ गया है? ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सॉफ्टवेयर कंपनियों, पूंजीपतियों तथा कम जनसंख्या के साथ अधिक तकनीक व प्रौद्योगिकी से समृद्ध विश्व के लघु आकार वाले देश एआई तकनीक बेचकर लाभार्जन करना चाहते हैं। इनमें अमेरिका प्रमुख है। डेयरी उत्पादों पर किंकर्तव्यविमूढ़ता के कारण भारत-अमेरिका के मध्य अपेक्षित व्यापार समझौता नहीं हुआ, तो भारतीय व अमेरिकी शासन तथा दोनों देशों के सॉफ्टवेयर कारोबारियों ने नवीनतम कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी एआई के बलबूते पारस्परिक व्यापार में वृद्धि करने की नीति बनाई है। ये नीति अमेरिका में एआई के प्रसारण के बाद बृहद स्तर पर फैली आजीविका की समस्या तथा भारत में आगामी वर्षों में एआई के कारण संभवतः फैलने वाली आजीविका की समस्या की अनदेखी करके बनाई गई है।

एआई न केवल आजीविका की समस्या अपितु सामाजिक, व्यक्तिगत, सार्वजनिक व अमानवीय समस्याएं भी उत्पन्न करेगा। एक समय उदारीकरण के बाद वाहन उद्योगों को फलीभूत करने देशवासियों को द्विपहिया, तिपहिया और चौपहिया वाहन खरीदने, रखने व चलाने के लिए उकसाया गया था। आज उसके दुष्परिणाम सड़कों पर प्रतिदिन कई घंटों के जाम, समय की बर्बादी, सड़क चौड़ीकरण हेतु वन क्षेत्रों व प्राचीन वृक्षों के कटान, ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण, प्राकृतिक विकृतियों के स्वरूप में स्पष्ट दृष्टिगोचर हैं। इन दुष्परिणामों का देश-दुनिया के शासन के पास कोई समाधान नहीं है। लोगों ने इनके साथ घुट-घुट कर जीने को नियति मान लिया है। इसी प्रकार की कई वस्तुओं, सुविधाओं व सेवाओं को रखने एवं खरीदने के लिए लोगों

> **चोरी-डकैती, साइबर ठगी, डीफ फेक, धोखाधड़ी रोकने के लिए एआई के संबंध में त्वरित और कठोर दंड की नीतियां भी लागू करनी होंगी।**

को विवश किया जाता रहा है। लोगों से कभी पूछा नहीं गया कि उन्हें ये सब कुछ चाहिए भी कि नहीं। लोगों के बीच यही स्थिति एआई अर्थात कृत्रिम मेधा की है। कंपनियों ने एक प्रौद्योगिकी विकसित कर दी है। अब उसे आभासी उत्पाद के रूप में बेचने के लिए दुनिया के शासनों पर दबाव बनाओ कि अपनी शासकीय नीतियों के माध्यम से अपने देश की जनसंख्या को इस उत्पाद के ग्राहक के रूप में परिवर्तित करने की योजनाएं बनाइए। एआई सम्मेलन का यही मूल उद्देश्य है। अमेरिका आधारित सॉफ्टवेयर की सर्वाधिक विशाल कंपनी गूगल, अपने आरंभिक सॉफ्टवेयर कर्म से लेकर नवीनतम एआई अनुप्रयोग को एक सूचनापरक आभासी उत्पाद बना, विश्व में प्रसारित कर अधिक से अधिक लाभार्जन करने हेतु व्यग्र है। विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या धारी देश है भारत। गूगल जैसी कंपनियों के लिए अपने सॉफ्टवेयर कारोबार को चमकाने के लिए, भारत न केवल ग्राहक संख्या के स्तर पर, अपितु भारतीय मूल के गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के माध्यम से भी, एआई बाजार का केंद्र बिंदु बना हुआ है। एक अरब पचास करोड़ की जनसंख्या बहुत विशाल है। उसे एआई बेचा जाएगा तो न केवल गूगल, बल्कि अमेरिका भी आर्थिक रूप से संपन्न बनेंगे। आजकल देखा जा रहा है कि भारतीय किशोरों व युवाओं में व्यापक रुचि बने क्रिकेट को विश्वस्तर पर प्रसारित किया जा रहा है और इस प्रसारण अभियान में जो आर्थिक आधार हैं उनमें गूगल की जेमिनी भी प्रमुख प्रायोजक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पूर्व जितने भी वास्तविक एवं अवास्तविक उत्पाद व सेवायें लोगों पर थोपी गई हैं, उनका प्रमुख उद्देश्य जनकल्याण नहीं अपितु व्यक्तिगत व कंपनीगत लाभार्जन ही रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अपवाद नहीं है। ये भी जनकल्याण नहीं, विशुद्ध लाभ की योजना है। कृत्रिम रूप में मेधा प्रस्तुत करनेवालों से सीधा प्रश्न है कि क्या यह मेधा बिना व्यक्ति के संचालित हो सकती है? अंततः इसे भी किसी व्यक्ति के मन-मस्तिष्क, विचारों-भावनाओं तथा हाथों द्वारा ही तो चलाया जाना है।

जब ऐसा है तो इस पर इतना अतिशयोक्तिपूर्ण मंथन क्यों किया जा रहा है? क्या देश-दुनिया में अभी तक प्रसारित डिजिटल व कम्प्यूटर आधारित लेन-देन, गतिविधियां तथा अन्य प्रसारण अनुप्रयोग प्रतिकूलताओं अर्थात चोरी-डकैती, साइबर ठगी, डीफ फेक, धोखाधड़ी, दुष्प्रचार, मिथ्या सूचना तथा अन्य विसंगतियों से पूर्णतः मुक्त हैं, जो कृत्रिम मेधा के सम्मुख ये चुनौतियां नहीं उभरेंगी? जब तक देश-दुनिया में बेईमान, मक्कार, अशांत, उपद्रवी, प्रकृति विरोधी, पंगे लेने की दुष्प्रवृत्तियों से घिरे हुए तथा अन्य मानवीय बुराइयों से युक्त लोग रहेंगे, तब तब कृत्रिम मेधा हो अथवा कोई अन्य प्रौद्योगिकी, सभी का पूर्ण दुरुपयोग होता रहेगा। एआई के संबंध में भी कितने ही सूचना प्रौद्योगिकी आधारित नियम-कानून बन जायं, किंतु जब तक त्वरित व कठोर दंड की नीतियां लागू नहीं होंगी, तब तक कृत्रिम मेधा के माध्यम से भी कुछ भी यथोचित नहीं होगा।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नक्सल प्रभावित जिलों की कहानी 2

सुकमा में इस वर्ष 51 दिन में 12 नक्सलियों को किया गया ढेर

फोर्स का प्रयास नक्सली समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो जाएं

सुकमा में उखड़ रहे पैर, डीवीसी राजे समेत 13 नक्सली बचे, फोर्स ने कहा-सरेंडर करो या मरो

राजेश दास ⏭ जगदलपुर

केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में छह जिलों को नक्सल प्रभावित माना है। इनमें बस्तर संभाग के सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर शामिल हैं। इनमें से सुकमा में फोर्स ने नक्सलियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है और कई नक्सलियों को एनकाउंटर में मार गिराया। बीते दो साल में 65 दुर्दांत नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। इस वर्ष बीते 51 दिन में ही 12 नक्सलियों को सुकमा जिले के अलग अलग इलाकों में हुए मुठभेड़ों में मार गिराने में फोर्स सफल रही है। अब सुकमा में केवल 13 हथियार बंद नक्सली बचे हैं। इनमें डीवीसी मेंबर राजे समेत निचले कैडर ⏭ शेष पेज 5 पर

आत्मसमर्पण कर रहे हैं नक्सली

सरकार के नक्सलवाद के खात्मे के डेड-लाइन जारी होने के बाद आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या में इजाफा हुआ है। वर्ष 2024 में 326, 2025 में 273 तथा वर्ष 2026 में 102 नक्सली समर्पण कर चुके है। वर्ष 2024 से आज पर्यन्त तक नक्सलियों से मुठभेड़ों व गिरफ्तारी के दौरान 186 अत्याधुनिक हथियार भी बरामद किए जा चुके हैं। इन वर्षों में नक्सलियों के सबसे घातक हथियार माने जाने वाले कमांड व प्रेशर आईईडी की संख्या 141 है, जो नक्सल अभियान के दौरान बरामद किया जा चुका है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान नक्सलियों को बहादुरी से मुकाबला करते हुए वर्ष 2024 से अब तक सात जवानों की शहादत हुई है।

मार्च तक खत्म करने का संकल्प

मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त बस्तर के संकल्प की प्राप्ति करने सातों जिलों में समन्वित और बहुस्तरीय कार्ययोजना लागू की गई है, जिसके अंतर्गत विशेष रूप से सुकमा, बीजापुर एवं नारायणपुर जिलों में लक्षित रणनीतिक अभियान संचालित किए जा रहे हैं। जनता के सहयोग, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और प्रशासन की दृढ़ प्रतिबद्धता के बल पर बस्तर शीघ्र ही पूर्ण शांति, सुरक्षा और सतत विकास का सशक्त उदाहरण बनकर उभरेगा और बस्तर व छग से जल्द ही नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा।

-सुंदरराज पट्टलिंगम, आईजी बस्तर

मोस्ट वांटेड राजे समेत 13 की तलाश जारी

सुकमा जिले की बात करें तो हथियारबंद नक्सलियों की संख्या केवल 13 है। इनमें डीवीसी राजे के अलावा निचले कैडर के अन्य 12 नक्सली शामिल हैं। एसपी किरण चौहान का कहना है कि निर्धारित डेड-लाइन से पूर्व आत्मसमर्पण नहीं करने पर इन्हें ढूंढकर समाप्त कर दिया जाएगा। राजे केरलापाल डिविजन कमेटी की मेंबर है, जो वर्तमान में इलाके में सक्रिय है। एसपी का कहना है कि नक्सली सरेंडर कर दें, इसके लिए भरसक कोशिश की जा रही है, लेकिन यदि नक्सली सरेंडर नहीं करते है तो जवान उनसे निपटने लगातार ऑपरेशन चला ही रहे है।

शाह बोले-31 मार्च तक खत्म कर दिया जाएगा नक्सलवाद

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित 31 मार्च की समयसीमा तक देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा।

पूर्वोत्तर में पहली बार आयोजित 87वीं सीआरपीएफ दिवस परेड को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां पत्थरबाजी की घटनाओं की संख्या घटकर शून्य हो गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मणिपुर में जातीय हिंसा से निपटने और केवल तीन वर्षों में माओवादियों की कमर तोड़ने के लिए भी सीआरपीएफ को तैनात किया गया। उन्होंने कहा, मैं सीआरपीएफ पर भरोसा कर सकता हूं और विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सल समस्या का सफाया कर देंगे।

छत्तीसगढ़ की प्रशंसा की

गृह मंत्री ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर कर्रेगुटा पहाड़ियों में 21 दिनों के 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के लिए सीआरपीएफ की प्रशंसा की, जिसमें ⏭ शेष पेज 5 पर

ऑस्ट्रेलिया को 17 रनों से हराया

भारतीय बेटियों का ऐतिहासिक प्रदर्शन, टी-20जीती सीरीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे और निर्णायक मुकाबले में 17 रन से हराकर 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। भारतीय महिला टीम ने इस जीत के साथ इतिहास रच दिया। ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टीम इंडिया ने पहली बार टी20 सीरीज जीती है। शनिवार को एडिलेड में खेले गए तीसरे मुकाबले में भारत ने स्मृति मंधाना (82) और जेमिमा रोड्रिग्स (59) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 176 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर सिर्फ 159 रन ही बना सकी। इस ⏭ शेष पेज 5 पर

मंधाना ने ताबड़तोड़ 82 रन की पारी खेली

टीम इंडिया की तरफ से स्मृति मंधाना ने 82 रन की धुआंधार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 55 गेंदों का सामना करते हुए 8 चौके और 3 छक्के की मदद से 82 रन बनाए। हालांकि, वो शतक से चूक गई।

रोड्रिग्स ने खेली अर्धशतकीय पारी

स्मृति मंधाना के अलावा, इस मैच में जेमिमा रोड्रिग्स ने भी 59 रन की अहम पारी खेली, जिसके दम पर टीम इंडिया ने 177 का लक्ष्य दिया। स्मृति और जेमिमा के बीच 121 रन की तगड़ी साझेदारी भी हुई। जेमिमा ने 46 गेंदों का सामना करते हुए चार चौके की मदद से 59 रन बनाए।

छत्तीसगढ़ में 25 लाख वोटर घटे, रायपुर में सबसे ज्यादा, खैरागढ़ में सबसे कम नाम कटे

छत्तीसगढ़ में अब कुल वोटर...1 करोड़ 87 लाख 30 हजार 914, पहले थे 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार 737

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले छत्तीसगढ़ में मतदाताओं की कुल संख्या 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 थी। ड्राफ्ट सूची के प्रकाशन के बाद यह संख्या घटकर 1 करोड़ 84 लाख 95 हजार 920 हो गई। दावा-आपत्तियों की सुनवाई के उपरांत अंतिम निर्वाचक नामावली जारी की गई, जिसमें मतदाताओं की संख्या बढ़कर 1 करोड़ 87 लाख 30 हजार 914 हो गई। अंतिम चरण में सुनवाई के बाद 2 लाख 34 हजार 994 मतदाताओं के नाम जोड़े गए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने बताया कि करीब 24 लाख 99 हजार से अधिक नाम सूची से विलोपित किए गए हैं। पूरी प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में फर्जी या दोहराव वाले नाम हटाकर सूची को शुद्ध किया गया। अब प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 1,87,30,914 रह गई है। उन्होंने इस प्रक्रिया में सहयोग के लिए नागरिकों का आभार जताया।

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी हो गई है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया है, जिसमें प्रदेश में करीब 24 लाख 99 हजार 823 वोटरों के नाम कटे हैं। सबसे ज्यादा रायपुर जिले में 4 लाख 98 हजार 556 वोटरों के नाम काटे गए हैं। वहीं सबसे कम खैरागढ़ में 9,843 मतदाताओं के नाम कटे हैं। प्रदेश में अब कुल वोटरों की संख्या 1 करोड़ 87 लाख 30 हजार 914 हो गई है।

मतदाता सूची में नाम नहीं है तो करें ये काम

यदि आपका नाम अंतिम प्रकाशित निर्वाचक नामावली में शामिल नहीं है तो नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म 6 भरकर उसके साथ घोषणा पत्र और आवश्यक सहायक दस्तावेज संलग्न कर ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। यदि अंतिम मतदाता सूची में दी गई जानकारी में कोई त्रुटि है तो फॉर्म 8 भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन या ऑफलाइन सुधार के लिए आवेदन किया जा सकता है।

रायपुर टॉप पर सुकमा में सबसे कम वोटर

वर्ष 2026 की अंतिम मतदाता सूची के अनुसार छत्तीसगढ़ में मतदाताओं की संख्या के मामले में रायपुर जिला शीर्ष पर है, जबकि सुकमा सबसे नीचे है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी और अर्ध-शहरी जिलों में मतदाताओं की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है, वहीं बस्तर अंचल और नवगठित जिलों में मतदाता संख्या कम बनी हुई है। यह वितरण प्रदेश की जनसंख्या संरचना और क्षेत्रीय संतुलन की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है।

पारदर्शिता और निष्पक्षता पर जोर

निर्वाचन विभाग के अनुसार, इस अभियान से मतदाता सूची अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनी है, जिससे आगामी चुनावों में निष्पक्षता सुनिश्चित होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी, ताकि हर पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार मिल सके और फर्जी नामों पर रोक लगे।

आप के जिले में मतदाता

रायपुर	1393967
बिलासपुर	1341254
दुर्ग	1135061
रायगढ़	842695
बलौदाबाजार-भाटापारा	840661
कोरबा	818010
महासमुंद	796873
राजनांदगांव	792482
बेमेतरा	725023
सूरजपुर	675186
सक्ति	670283
बालोद	656301
जांजगीर-चांपा	645105
जशपुर	622084
कबीरधाम	607917
धमतरी	606042
सरगुजा	602310
सारंगढ़-बिलाईगढ़	536343
उत्तर बस्तर कांकेर	540273
बस्तर (जगदलपुर)	520392
मुंगेली	446306
गरियाबंद	437624
बलरामपुर	418340
कोंडागांव	379213
मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर	292599
खैरागढ़-छुईखदान-गंडई	216900
गौरेला-पेंड्रा-मरवाही	188855
नारायणपुर	181736
दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा	172864
कोरिया	159816
मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी	158680
बीजापुर	155180
सुकमा	154539

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

आरोपी डिप्टी कलेक्टर उइके निलंबित

बालोद। डौंडी क्षेत्र की एक युवती की शिकायत पर राज्य शासन ने डिप्टी कलेक्टर दिलीप उइके को निलंबित कर दिया है। अधिकारी पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने और लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2017 में दोनों की पहचान पढ़ाई के दौरान हुई थी। आरोप है कि दिलीप उइके ने शादी का वादा कर संबंध बनाए। युवती का कहना है कि उसने ⏭ शेष पेज 5 पर

बस और वैन की टक्कर में चार की मौत

भोपाल। मध्यप्रदेश के भिंड जिले में शुक्रवार देर रात को राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार बस के वैन से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। यह हादसा तड़के करीब ढाई बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-719 पर गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चिमका गांव के पास हुआ। यह स्थान जिला मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर दूर है। गोहद चौराहा के थाना प्रभारी (एसएचओ) मनीष धाकड़ ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि खाली बस ने वैन को टक्कर मार दी, जिससे उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

ट्रंप के शुल्क आदेश रद्द होने के बाद भारत पर ऐसा असर

भारत पर 18 नहीं, लगेगा 10 प्रतिशत ही टैरिफ!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नयी दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापक शुल्क आदेशों को उच्चतम न्यायालय की तरफ से रद्द कर दिए जाने के बाद अमेरिका में आयातित वस्तुओं पर नया वैश्विक शुल्क लगाने की घोषणा की है जिसके तहत भारत को अब पहले के 25 प्रतिशत के बजाय केवल 10 प्रतिशत के जवाबी सीमा शुल्क का ही सामना करना होगा।

ट्रंप की इस घोषणा के मुताबिक, यह अस्थायी आयात शुल्क 10 प्रतिशत का होगा और 24 फरवरी से 150 दिनों की अवधि के लिए लागू रहेगा।

भारत रहा सबसे बड़ा साझेदार

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हैं। 2021 से 2025 के दौरान अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। वित्त वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 186 अरब डॉलर तक पहुंचा, जिसमें भारत के पक्ष में 41 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष रहा। सेवाओं के क्षेत्र में भारत ने 28.7 अरब डॉलर का निर्यात किया और 25.5 अरब डॉलर का आयात किया, जिससे 3.2 अरब डॉलर का अतिरिक्त लाभ हुआ।

भारत ने तोड़ी चुप्पी, कहा-कर रहे अध्ययन

भारत सरकार ने हम अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के डेवलपमेंट और इसके असर पर बारीकी से अध्ययन कर रहे है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारतीय सरकार अमेरिकी टैरिफ और उनके प्रभावों से संबंधित घटनाक्रमों की स्टडी कर रही है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि केंद्र इस फैसले की जांच करेगा और वाणिज्य मंत्रालय या विदेश मंत्रालय में से कोई एक इस पर आधिकारिक प्रतिक्रिया देगा।

सुपर-8 : बारिश के कारण रद्द

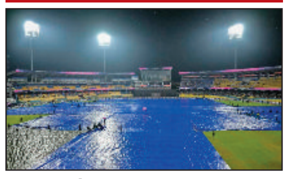

न्यूजीलैंड-पाकिस्तान का मुकाबला, बंटे 1-1 अंक

कोलंबो। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच प्रेमदासा स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप का पहला सुपर-8 मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया। शनिवार को इस मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी थी, लेकिन बारिश के चलते एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। इस मैच के रद्द होने के बाद दोनों टीमों के बीच 1-1 अंक बांटे गए हैं। अब पाकिस्तानी टीम इंग्लैंड के खिलाफ 24 फरवरी को मुकाबले में उतरेगी, जिसके बाद पाकिस्तान का सामना 28 फरवरी को श्रीलंका से होगा।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई

घर में 90 हजार घूस लेते पकड़ा गया फूड इंस्पेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने मस्तूरी के फूड इंस्पेक्टर को राशन दुकान आवंटन मामले में अपने घर में 90 हजार रुपए घूस लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीबी ने उक्त फूड इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर लिया है।

एंटी करप्शन ब्यूरो डीएसपी अजितेश सिंह ने बताया, मस्तूरी ब्लॉक के ग्राम विद्याडीह निवासी महेंद्र पटेल ने 3 फरवरी को कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। इसके अनुसार वर्तमान में गांव में उचित मूल्य की दुकान पंचायत के द्वारा संचालित की जा रही है, जिसे उसने तीन माह पहले शैल स्व सहायता समूह को आवंटित करने के लिए आवेदन एसडीएम कार्यालय मस्तूरी में दिया था। वहां फूड इंस्पेक्टर श्याम वस्त्रकार ने दुकान का आबंटन आदेश जारी करवाने के एवज में 1 लाख रुपए रिश्वत मांग की। बाद में उनके बीच 90 हजार रुपए में सौदा तय हो गया। श्री पटेल रिश्वत नहीं देना चाहते थे, बल्कि फूड इंस्पेक्टर को रंगे हाथों पकड़ाकर सबक सिखाना चाहता था। शिकायत का सत्यापन के बाद 21 फरवरी को ट्रैप की योजना बनाई गई। फूड इंस्पेक्टर वस्त्रकार ने श्री पटेल को रिश्वत की रकम 90 हजार रुपए लेकर अपने महावीर सिटी के घर में बुलाया था। एसीबी की टीम उसके घर के पास तैनात हो गई थी। श्री पटेल ने घर में जाकर फूड इंस्पेक्टर ⏭ शेष पेज 5 पर

दूसरी बार कराई थी पोस्टिंग

फूड इंस्पेक्टर वस्त्रकार पूर्व में मस्तूरी एसडीएम कार्यालय में पदस्थ थे। रिश्वत लेने की शिकायत पर उन्हें वहां से हटाकर खाद्य शाखा जिला मुख्यालय अटैच कर दिया गया था। कुछ दिनों बाद उन्होंने फिर से मस्तूरी में पोस्टिंग करा ली।

23 फरवरी से 20 मार्च तक चलेगा सदन, 15 बैठकें होंगी

विधानसभा बजट सत्र कल से, कवासी लखमा सदन में रहेंगे सशर्त उपस्थित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

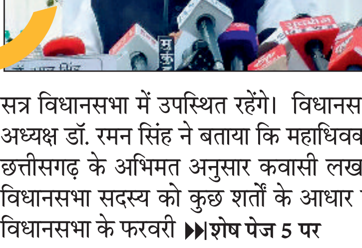

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होकर 20 मार्च तक चलेगा, इस दौरान 15 बैठक प्रस्तावित हैं। बजट सत्र को लेकर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि शराब घोटाला मामले में कांग्रेस के पूर्व मंत्री कवासी लखमा जमानत पर रिहा हो गए हैं, उन्होंने 6 फरवरी को व्यक्तिगत रूप से लिखित में बजट सत्र में शामिल होने के लिए अनुमति मांगी है। शर्तों के मुताबिक कवासी लखमा छत्तीसगढ़ के 23 फरवरी से 20 मार्च तक चलने वाले बजट सत्र विधानसभा में उपस्थित रहेंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बताया कि महाधिवक्ता छत्तीसगढ़ के अभिमत अनुसार कवासी लखमा विधानसभा सदस्य को कुछ शर्तों के आधार पर विधानसभा के फरवरी ⏭ शेष पेज 5 पर

24 को पेश होगा बजट

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि वित्तमंत्री ओपी चौधरी वर्ष 2026-2027 का बजट मंगलवार 24 फरवरी को दोपहर 12.30 बजे पेश करेंगे। वित्तमंत्री के बजट भाषण का दूरदर्शन, आकाशवाणी से सीधा प्रसारण किया जाएगा। 26 एवं 27 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर सामान्य चर्चा होगी। 9 से 17 मार्च तक सभा में विभागवार अनुदान मांगों पर चर्चा होगी। 17 मार्च को बजट की मांगों से संबंधित विनियोग विधेयक का पुनर्स्थापन होगा। बजट की मांगों से संबंधित विनियोग विधेयक पर चर्चा कर 18 मार्च को पारित करने की तिथि निर्धारित की गई है।

कहीं से भी काम करने की आजादी

वर्क फ्रॉम एनीवेयर

कुछ साल पहले तक वर्क फ्रॉम होम के बारे में कम ही लोग जानते थे। लेकिन आज कंडीशन इससे भी एक कदम आगे बढ़कर वर्क फ्रॉम एनीवेयर तक पहुंच चुकी है। कई सर्विस सेक्टर्स ऐसे हैं, जिसमें यह वर्क मोड खूब पॉपुलर हो चुका है। इस मोड के अनेक फायदे हैं तो कुछ कमियां भी हैं। इन सबके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

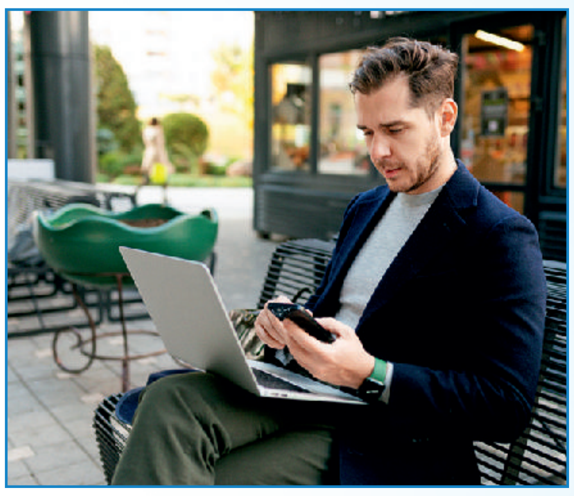

कवर स्टोरी / कीर्तिशेखर

करीब पांच वर्ष पहले कोरोना महामारी ने कार्यशैली में जिस बदलाव को मजबूरी में शुरू कराया था, वह अब स्थायी जीवनशैली का विकल्प बनता जा रहा हैं। पहले सवाल था- क्या घर से काम करना संभव है? अब सवाल बदल चुका है- क्यों न कहीं से भी काम किया जाए? इसी सवाल से जन्म होता है, वर्क फ्रॉम एनीवेयर की अवधारणा का यानी, ऐसा काम जिसे करने के लिए न तो ऑफिस की दीवारें जरूरी हैं, न किसी तय शहर की सीमा, बस आपका अपना लैपटॉप हो, इंटरनेट कनेक्शन हो और थोड़ी-सी मानसिक एकाग्रता, इसके बाद कहीं पर भी आप अपना ऑफिस वर्क शुरू कर सकते हैं।

ऐसे बदलती गई कार्यशैली: वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को यह सिखाया कि जरूरी नहीं कि हर काम मीटिंग रूम या ऑफिस डेस्क पर ही बैठकर किया जाए। इस अवधारणा ने यह भी बताया कि प्रोडक्टिविटी का मतलब केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। आउटपुट ज्यादा मायने रखता है। इसके बाद लोगों ने महसूस किया कि अगर घर से काम करना संभव है, तो फिर इंटरनेट की बदौलत कहीं से भी काम करना संभव है। कोरोना और उसके बाद से ही लोगों ने घूमने गए हिल स्टेशनों, समुद्र किनारे या शहर से अपने गांव जाकर घर के एक कोने में बैठकर देश-विदेश की मल्टीनेशनल कंपनियों का काम करने लगे। यहीं से वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट व्यवहार में उतरा।

इसलिए चुन रहे यह तरीका: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट पॉपुलर होने की कई वजहें हैं। महानगरों में भीड़ बहुत बढ़ती जा रही है। भारी-भरकम किराए के बाद ही किराए का मकान मिलता है, बल्कि वहां जिंदगी भी बहुत मुश्किल भरी हो जाती है। ऑफिस आने-जाने में रोज ट्रैफिक जाम से पाला पड़ता है। परिवार साथ न होने की वजह से खाने की समस्या होती है। घर और परिवार से दूर रहने के कारण हर समय मानसिक अशांति रहती है। इस तरह काम तो होता है, पर जीवन बेचैन रहता है। इसलिए युवाओं का कहना है कि अब वो जीवन के लिए काम करना चाहते हैं, काम के लिए जीवन की हायतौबा नहीं झेलना चाहते। नतीजा यह है कि नई पीढ़ी के बहुत से लोग वर्क फ्रॉम एनीवेयर का विकल्प बड़ी सहजता से चुन रहे हैं, क्योंकि यह विकल्प उन्हें भरपूर आजादी का एहसास कराता है।

इस कॉन्सेप्ट का मेन टार्गेट: वर्क फ्रॉम एनीवेयर के बारे में इस बात को समझना जरूरी है कि इसका मतलब डिजिटल घुमक्कड़ी नहीं है, न ही इसका मतलब है कि कहीं भी घूमते-फिरते रहें और जब मौका मिले या मन करे तो काम कर लें। अगर इस धारणा का मतलब यह हो जाएगा, तब तो काम करना प्राथमिकता नहीं रह जाएगी। प्रोफेशनल्स के लिए उनका वर्क बहुत मायने रखता है। ऐसे में इंटरनेट ने बौद्धिक काम करने वाले लोगों को यह सुविधा तो दी ही है कि अगर हिल स्टेशन पर घूमने जाएं, तो समय निकालकर वहां से भी अपना काम कर सकें। मां-बाप के पास गांव जाएं तो वहां भी साथ अपना काम लेकर जाएं और कहीं किसी जरूरी यात्रा पर निकल रहे हों तो भी अपना काम अपने साथ रख सकते हैं।

इन फील्ड्स में है सफल यह मॉडल: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट सर्विस सेक्टर में ही संभव है कि आप कहीं से भी अपनी विशेषज्ञता संबंधी सेवाएं अपने नियोक्ता को दे सकें। हर काम वर्क फ्रॉम एनीवेयर के ढांचे में फिट नहीं होता है। बहरहाल, जो काम इस मोड में सही से किए जा सकते हैं, वो क्षेत्र हैं- आईटी और सॉफ्टवेयर, डिजिटल मार्केटिंग, एडिटिंग, कंटेंट राइटिंग, डिजाइनिंग, ऑनलाइन टीचिंग, कस्टमर सपोर्ट-कंसल्टेंसी, एचआर असिस्टेंस और फाइनेंस एनालिसिस भी इस वर्क पैटर्न से संभव है। दूसरे शब्दों में जिन कामों में फिजिकल उपस्थिति या मशीनरी की मौजूदगी की जरूरत नहीं होती, उन क्षेत्रों में यह मॉडल तेजी से अपनाया जा रहा है।

एंप्लॉई-एंप्लॉयर दोनों खुश: कंपनियां इसलिए इस मॉडल को स्वीकार कर रही हैं, क्योंकि इससे उनको भी फायदा है। इससे उन्हें ऑफिस स्पेस पर खर्च नहीं करना पड़ता। ऑफिस चलाने के लिए जो एस्टेब्लिशमेंट खर्च होते हैं, उनसे भी बचाव हो जाता है और सबसे बड़ी बात तो यह है कि लोगों को भर्ती करने के लिए पूरी दुनिया का दायरा मिल जाता है। कर्मचारी भी इससे संतुष्ट रहते हैं, क्योंकि हर रोज घर से काम करने के लिए नहीं निकलना पड़ता और न ही यात्रा करने की जो परेशानियां और तनाव होती हैं, उनसे निपटना पड़ता है।

कंपनियां भी अब इस बात को समझ चुकी हैं कि अगर सहूलियतों के बीच कर्मचारी को काम करने का मौका मिलता है तो उसका परफॉर्मेंस बेहतर होता है। इसलिए वे ऐसे कर्मचारियों को रखना पसंद करती हैं। इससे कर्मचारियों को सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि उनके रहने और दूसरी जगह पर जाकर खाने-पीने की जो भारी भरकम लागत आती है, उससे छुटकारा मिल जाता है। घर से ऑफिस तक जाने में जो समय लगता है, उससे भी मुक्ति मिल जाती है। यह बचा हुआ समय व्यक्तिगत रुचियों का आनंद लेने और आराम करने के लिए इस्तेमाल होता है। कह सकते हैं इस अवधारणा से काम कराने वाला भी खुश होता है और काम करने वाला भी खुश और दोनों को फायदा होता है।

प्रोफेशनल्स का बचता है टाइम: काम की इस अवधारणा का एक फायदा यह है कि लोग दिन में ऑफिस का काम करते हैं और फिर जो उनका दफ्तर तक जाने और आने का समय बचता है। उस समय का उपयोग बागवानी करने, संगीत सीखने, लेखन करने या अपने किसी शौक को पूरा करने के लिए लगाते हैं।

मौजूद हैं कुछ चुनौतियां: इस वर्क मोड में सबसे पहली चुनौती तो यह है कि ये काम वहीं हो सकता है, जहां इंटरनेट की सुविधा अच्छी हो, बिजली की आपूर्ति चौबीसों घंटे हो और काम करने के लिए एक सुरक्षित और एकांत जगह हो। साथ ही वहां दफ्तर जैसा माहौल बनाने की सुविधा हो। इसके अलावा सेल्फ डिसिप्लीन भी जरूरी होता है। कुछ लोग जब खुद निर्णय लेना होता है, तो कंसंट्रेट होकर काम नहीं करते। ऐसे काम करने के तरीके से कई प्रोफेशनल्स का निजी जीवन डिस्टर्ब हो जाता है। वे ऑफिस वर्क में बहुत समय देने लगते हैं। इसलिए बहुत सारे लोग शुरू-शुरू में यह फॉर्मूला अपनाते हैं, लेकिन जल्द ही ऊब कर ऑफिस आने लगते हैं। क्योंकि घर में काम करते हुए उनके वर्किंग ऑवर बहुत बढ़ जाते हैं। वर्क फ्रॉम एनीवेयर करते समय भले तनाव कम होता हो, आजादी खूब महसूस होती हो, लेकिन सामाजिक संपर्क से कट जाते हैं और अकेलेपन की आशंका से घिर जाते हैं। इसलिए कई बार कहीं से भी काम करने की सुविधा का नुकसान मानसिक रूप से बीमार होने के रूप में सामने आता है। इसलिए लोग अब हाइब्रिड मॉडल को बेहतर मान रहे हैं यानी चार दिन घर में और दो दिन दफ्तर में काम करना, सही संतुलन है। हां, महिलाओं को जरूर काम करने की इस शैली का फायदा मिलता है, क्योंकि इसके चलते उन्हें होम मेकिंग और करियर में संतुलन बनाने में मदद मिलती है। *

वर्क फ्रॉम एनीवेयर के लिए जरूरी सुविधाएं

- घर में तेज रफ्तार इंटरनेट कनेक्शन होना जरूरी है।
- घर में लैपटॉप के साथ बैकअप पावर की सुविधा होना जरूरी है।
- घर में काम करने के लिए ऑफिस जैसे स्थान का होना जरूरी है।
- रोज सुबह अनुशासित ढंग से तैयार होकर दफ्तर की तरह काम करना जरूरी है।
- घर से काम करते समय कंप्यूटर और साइबर सिक्योरिटी का ज्ञान भी जरूरी है। अगर कंप्यूटर की बेसिक समझ नहीं है तो कभी-भी अगर लैपटॉप या वर्क स्टेशन में कोई समस्या आ गई, तो तब तक काम नहीं कर पाएंगे, जब तक घर कोई मैकेनिक आकर समस्या हल न करे।
- घर से काम करने के लिए लगातार तकनीक में भी माहिर होते रहना जरूरी है।
- घर से काम करते समय लगातार उत्साह बनाए रखना भी जरूरी है ताकि अपना नियमित रूटीन सही से पूरा कर सकें।

आज के दौर में जीवन को सुविधाजनक बनाने वाला मोबाइल बेशुमार लोगों को अपना लती भी बना रहा है। इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए अब लोग तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनके बारे में आप भी जानिए।

मोबाइल एडिक्शन से बचने के लिए

आजमाए जा रहे तरह-तरह के उपाय

टेक्नोलाइफ
लोकमित्र गौतम

हर सुबह आंख खुलते ही मोबाइल। रात में सोते समय आखिरी नजर तक मोबाइल। दिन में बीच-बीच में सैकड़ों बार स्क्रीन चेक करना। अब ये किसी व्यक्ति विशेष की आदत नहीं बल्कि ज्यादातर लोगों की लाइफस्टाइल बन गई है। अब मोबाइल में नोटिफिकेशन देखना याद नहीं रखना पड़ता। लोगों की यह स्वतः आदत बन गई है। लेकिन इसी दौर में कुछ और भी दिलचस्प और विरोधाभासी बातें भी हो रही हैं। एक ट्रेंड बहुत तेजी से उभर रहा है और यह है मोबाइल से दूरी बनाने का। नहीं, लोग तकनीक छोड़ नहीं रहे बल्कि उसके साथ नई-नई शर्तों के तहत रिश्ता तय कर रहे हैं। कोई नोटिफिकेशन बंद कर रहा है, कोई फोन ग्रे स्केल पर डाल रहा है, कोई डंब फोन खरीद रहा है, तो कोई रविवार को मोबाइल अलमारी में बंद करके उसमें ताला लगा देता है। मोबाइल को लेकर उसके पक्ष और उसके विरोध में एक से बढ़कर एक आदतें दुनिया का ध्यान खींच रही हैं।

क्यों छोड़ना चाहते हैं फोन: हाल के कुछ सालों में ऐसे कई अनुभव सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि मोबाइल लोगों का ध्यान बहुत जल्दी भटका देता है। यह भी महसूस किया गया है कि लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करने से अधूरेपन का एहसास बढ़ जाता है। मोबाइल की लत लग जाए, तो कब देखते ही देखते टाइम फुर्र हो जाता है, पता ही नहीं चलता। इन सबके अलावा हाल के सालों में बिना कुछ किए लोगों को एक ऐसी थकान जकड़ रही है, जो जानकारों के मुताबिक मोबाइल की देन है। ऐसे ही और भी अनेक कारण हैं, जिसके चलते अब लोग मोबाइल से अगर पूरी तरह से नहीं, तो बीच-बीच में कुछ समय तक के लिए पिंड छुड़ाना चाहते हैं। इसलिए इन दिनों लोग मोबाइल से दूर रहने के लिए तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनमें से कुछ के बारे में बता रहे हैं।

नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म: बहुत से लोग अब सिर्फ कॉल और जरूरी एप्स के नोटिफिकेशन ही चालू रखते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप, सोशल मीडिया लाइक और ई-मेल अलर्ट, सब कुछ लोग बंद कर रहे हैं। इस कारण फोन हाथ में लेने की अपने आप जरूरत कम रह जाती है। ऐसे उपाय अपनाने वाले लोग बताते हैं- जहां वह पहले 125 से 150 बार तक स्क्रीन अनलॉक करते थे, वहीं ऊपर बताए गए उपाय यानी नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म के बाद अब ये संख्या घटकर 40 से 50 बार रह गई है।

ग्रे स्केल मोड: इसका मतलब है फोन की रंगीन स्क्रीन को ब्लैक एंड व्हाइट में बदल देना। फोन की दुनिया काली-सफेद होते ही लोगों का रील्स में आकर्षण घट जाता है और स्क्रॉल करने का मन ही नहीं रह जाता। यह एक छोटा-सा उपाय है, लेकिन इसके बेहद असरदार मनोवैज्ञानिक नतीजे हासिल होते हैं। इसके साथ ही कुछ लोग अपने फोन में डाउनलोड किए गए हर मीडिया एप के लिए दिन में 20 से 30 मिनट की लिमिट तय कर देते हैं और लिमिट खत्म होते ही यह एप अपने आप ही लॉक हो जाते हैं, जिससे इनसे मुक्ति मिल जाती है। ये उपाय शुरू में तो झुंझुलाहट पैदा करता है, मगर 3-4 दिन के बाद इसकी आदत बन जाती है।

फोन मुक्त दिन की शुरुआत: कुछ लोग इन दिनों सुबह जगने के बाद एक से दो घंटा तक बिल्कुल मोबाइल के पास नहीं जाते, इस दौरान उनका मोबाइल स्विच ऑफ रहता है। जब तक मोबाइल स्विच ऑफ रहता है, वे फ्रेश होते हैं, चाय पीते हैं, अखबार पढ़ते हैं, एक्सरसाइज का अपना रुटीन खत्म करते हैं या ऐसा कुछ नहीं भी करते हैं तो इस दौरान सिर्फ खिड़की या बालकनी से बाहर झांकते हैं। जो लोग ये उपाय आजमा रहे हैं, उनका अनुभव बताता है कि इससे पूरा दिन शांति महसूस होती है।

सोशल मीडिया फास्टिंग: कुछ लोग सोशल मीडिया फास्टिंग का उपाय भी आजमा रहे हैं। फोन से दूर रहने का यह एक और उपाय है। इसके चलते जैसे कुछ लोग धार्मिक रूप से हफ्ते में किसी एक या दो दिन उपवास रखते हैं। लगभग उसी तरह इस प्रयोग के तहत लोग हफ्ते में एक दिन या 15 दिन में एक दिन फोन से पूरी तरह से दूर रहने का उपाय आजमाते हैं।

बेडरूम से बाहर फोन: कुछ लोग अपने फोन को बेडरूम से बाहर रखकर सोते हैं। इस तरह फोन को बेडरूम से बाहर रखने के बहुत फायदे मिलते हैं। इससे नींद बेहतर आने लगती है। रात की स्क्रॉलिंग खत्म हो जाती है। *

मानसिक स्वास्थ्य के लिए है जरूरी

लोग इस बात को भली-भांति समझने लगे हैं कि फोन के बहुत ज्यादा इस्तेमाल के कारण उनकी आंखों पर ही नहीं, ध्यान लगाने की क्षमता पर, भावनात्मक स्थिरता पर और यहां तक कि आत्मसंतोष की अनुभूति पर भी जबर्दस्त असर पड़ने लगा है। मोबाइल से दूर रहना एक तरह से खुद के पास होने जैसा है। क्योंकि जो लोग बहुत ज्यादा फोन इस्तेमाल करते हैं, उन लोगों के अनुभव बताते हैं कि वो जितना ही ज्यादा फोन में रहते हैं, उतना ही ज्यादा अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में इससे दूरी बनाने की आदत मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाती है।

गजल
हबीब कैफी

मोहब्बत में जो लिखता है
अंधेरे में भी दिखता है

वहां कुछ फूल खिलते हैं
जहां वो पांव टिकता है

जिसे सब इश्क कहते हैं
सर-ए-बाजार बिकता है

फकत रोटी नहीं सिकती
तवे पर दिल भी सिकता है

महकता फूल लिखना था
उसी को खार लिखता है

व्यंग्य
महेश कुमार केशरी

मेरे घर आ धमकने का पड़ोसी महोदय को बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। गोया मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो।

प्रभु बचाए ऐसे पड़ोसी से

कहते हैं, सांप चंदन के पेड़ से हमेशा लिपटे रहते हैं। हालांकि मैं चंदन जैसा तो बिल्कुल नहीं हूं, फिर भी न जाने क्यों आस-पड़ोस के लोग मुझसे लिपटने को आतुर रहते हैं। कुछ ऐसे ही बगल के घर में रहने वाले मेरे एक पड़ोसी भी हैं। मेरे घर आ धमकने का उनको बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। उन पड़ोसी महाशय को जब-जब कोई जरूरत होती है, वे भुजंग की तरह मुझसे आकर चिपट जाते हैं। गोया कि मैं आदमी नहीं बल्कि चंदन का पेड़ होऊं। उनका मेरे घर आना-जाना ऐसे होता है, जैसे मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो। ऐसे पड़ोसी मुझे मिले हैं, जिनको दिन भर में मुझसे दसियों बार काम पड़ता है। 'भाई साहब! भाई साहब!' कह-कह कर वे मुझे चूना लगाते रहते हैं। कभी-कभी तो मुझे लगता है, जैसे मैंने इन पड़ोसी महाशय को गोद लिया हुआ है। और वे मेरे बच्चे सरीखे हैं। वाह रे भाई! मान-न-मान मैं तेरा मेहमान। कभी 'हम बाहर जा रहे हैं, जरा घर देखिएगा।' कभी 'जरा बाइक की चाबी दीजिएगा बच्चे को स्कूल छोड़ने जाना है।' तो कभी 'बाजार जा रहे हैं, जरा मेरा फलना-ढिमकाना सामान भी लेते आइएगा।' अगर कभी थोड़ी नाराजगी मैं जताता तो दांत निपोरते हुए बोलते, 'अब एक पड़ोसी ही तो दूसरे पड़ोसी के काम आता है!' किसी दिन आकर पूछते हैं, 'भाई आपके पास कैंची होगी?' तो किसी रोज कहते, 'भाई साहब आपके पास रस्सी तो होगी?' मन आता है कि कह दूं, 'जिस भी चीज की जरूरत पड़े, वो आपको मुझसे ही चाहिए होती है। भला मैं आपूर्ति मंत्रालय में काम तो नहीं करता कि हर चीज का जुगाड़ करके आपके लिए रखा होऊं। भाई मैंने आपका ठेका थोड़ी न लेकर रखा है।' अभी बीते दिनों उन्हीं पड़ोसी का खल चोरी हो गया। वे मुझ पर झल्लाने लगे, 'आप के भरोसे घर छोड़कर गया था, देखिए मेरा खल चोरी हो गया।' मन में आया उसी खल में उन्हें कूट दूं। कह दूं कि आपने मुझे अपना खरीदा हुआ नौकर समझ लिया है क्या, जो मैं आपकी चाकरी करूंगा।

पता नहीं कब मेरा पिंड छूटेगा इन महाशय से! भगवान बचाए ऐसे पड़ोसी से। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दो दिलों की खत-ओ-किताबत

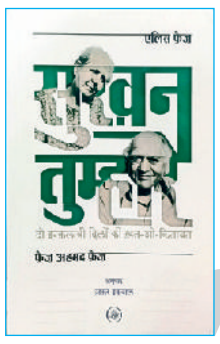

पुस्तक: सुखन तुम्हारे, **लेखक:** फैज अहमद फैज-एलिस फैज, **अनुवाद:** जफर इकबाल, **मूल्य:** 550 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

गजलों-नज्मों का शायद ही कोई ऐसा कद्रदान होगा, जो फैज अहमद फैज के नाम से नावाकिफ हो। अपनी शायरी में इंकलाबी तेवर और हुकूमत की बंदिशों को चुनौती देने वाले फैज के भीतर एक नाजुक दिल पति और बेहद जज्बाती पिता भी मौजूद था, इसकी बानगी उनके द्वारा लिखे उन खतों में दिखती है, जिनको उन्होंने कैद के दौरान अपनी पत्नी और बच्चों को लिखे थे। हाल में छपकर आई किताब 'सुखन तुम्हारे' में फैज के द्वारा लिखे गए 135 खत और उनकी पत्नी एलिस के द्वारा लिखे गए 178 खतों को संकलित किया गया है। वर्ष 1951 में पाक सरकार द्वारा गैर कानूनी तौर पर गिरफ्तार किए गए फैज, करीब चार वर्ष तक जेल में रहे। इस दौरान फैज और एलिस के बीच हुई खत-ओ-किताबत का महत्व किसी ऐतिहासिक दस्तावेज से कम नहीं है। यहां गौर करने वाली बात है कि फैज की गिरफ्तारी ने उन्हें बेबस नहीं और मजबूत बना दिया था। 17 जुलाई 1952 को लिखे खत में वह कहते हैं, 'यह जख्म बहुत अचानक, बहुत बेसबब लगा है लेकिन इसे सहने का बल मुझमें है। और इसके सामने भी मेरा सिर नहीं झुकेगा।' 24 अगस्त 1954 को एलिस, फैज को लिखे खत में भीगे जज्बातों से उनकी गैरमौजूदगी को महसूस करती हैं, 'जब मीजू ने केक काटा, उसने अपना मुंह बना लिया। आंखें बंद कीं और उस चीज की दुआ मांगी, जिसके लिए हम सब मांग रहे थे- खुदा तुम्हें हमारे पास घर भेज दें।' कह सकते हैं इस किताब में एक इंकलाबी शायर और उनकी पत्नी के व्यक्तित्व का बिल्कुल नया पहलू हमारे सामने उजागर होता है। *

लघुकथा / डॉ. रंजना जायसवाल

डुबकी

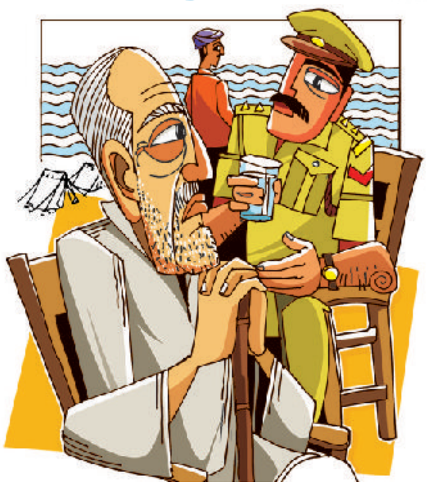

खोया-पाया कैंप में उस बूढ़े बाबा को बैठे छह घंटे हो गए थे। रात गहराती जा रही थी। अभी तक उन्हें कोई ढूंढने भी नहीं आया था। बाबा की आंखें एक आशा के साथ हर आहट के साथ दरवाजे तक जातीं, लेकिन वह निराश होते। कैंप के कर्मचारी की ड्यूटी बदलने का समय हो गया था। नए कर्मचारी ने पानी का गिलास पकड़ाते हुए बाबा से पूछा, 'आप कहां से आए हैं?'

'बेटा काफी दूर से आए हैं।'

'कुछ नाम तो होगा।'

'नाम...' बाबा ने याद करने की कोशिश की।

'किसके साथ आए हैं?'

'कलुवा, हमारा इकलौता बेटा'

'कुंभ नहाए आए थे?'

'हमार बेटवा ब्याह के दस बरस के बाद पैदा हुआ था। उसकी अम्मा मन्नत की रही, गंगा मैया को साड़ी चढ़ाएगी पर परमात्मा को कुछ और ही मंजूर था। अब जइबे तब जइबे करते-करते बख्त निकल गया। उसकी अम्मा ने मरते बख्त कसम ली थी। बचुवा के साथ मन्नत उतारे आए रहे। कुंभ नहाए लेब और मन्नत भी उतार देब।'

'बेटा कहां है बाबा?'

'हमसे बोला कुछ खाए का सामान लेने जाए रहे। इहां बैठे रहो हम अबही आत है।'

'फिर?'

'हमको बैठाकर पता नहीं कहां चला गवा? पुलिस वाले हमको इहां पहुंचा गए। बेचारा कितना परेशान हो रहा होगा।' बाबा की आंखों में अपने बेटे कलुवा के लिए चिंता उभर आई। कर्मचारी समझ चुका था, बीते कुछ दिनों में बाबा जैसे न जाने कितने लोग अपनों की तलाश और इंतजार में भटक रहे थे। 'बाबा, दस बार माइक पर कलुवा का नाम पुकारा जा चुका है। फोन नंबर याद है उसका?'

'फोन?'

'वापसी कब थी?'

'छः बजे की टरेन थी।'

'पर बाबा अब तो नौ बज रहे हैं।'

'नौ!' बाबा की आंखों के जुगनू धप्प पड़ गए।

'कलुवा आता ही होगा। हमें लिए बिना कैसे जाएगा?'

बाबा ने धीरे से बुदबुदाया। सामने गंगा मैया मंद-मंथर गति से बह रही थी। वह एक और पाप की साक्षी थी। जिसे कोई डुबकी धुल नहीं सकती थी। *

तरकश

संजय के दीक्षित

छत्तीसगढ़ में उपचुनाव-1

चुनाव आयोग ने राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव का ऐलान किया है, उनमें छत्तीसगढ़ की दो सीटें भी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ के कांग्रेस कोटे से राज्यसभा में गए केटीएस तुलसी और फूलोदेवी नेताम की सीटें अप्रैल में खाली हो रही हैं। चूंकि विधानसभा में बीजेपी के अब 54 विधायक हैं, इसलिए इस बार पार्टी को एक सीट मिलना निश्चित है। बची एक सीट कांग्रेस की झोली में जाएगी। कांग्रेस से अबकी नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत की दावेदारी की बड़ी चर्चा है। महंत विधानसभा से लेकर लोकसभा के लिए कई-कई बार चुने जा चुके हैं। कई मौकों पर उन्होंने राज्यसभा में जाने की इच्छा प्रगट भी की है। वैसे भी महंत जी किस्मत के बड़े धनी हैं...पद उनके पास खुद से चलकर आते हैं। इसलिए, इसमें कोई अचरज की बात नहीं कि पार्टी कहीं उनकी अधूरी इच्छा इस बार पूरी न कर दें। महंतजी अभी 73 के हैं, राज्यसभा में जाने के बाद लगभग 80 साल तक दिल्ली में रहने का सम्मानजनक इंतजाम हो जाएगा। वैसे हर बड़े राजनीतिज्ञों की तरह महंतजी का भी अपना एक सपना है...उनके ठीकठाक रहते सियासत में उनके सूरज का उदय हो जाए। और इसके लिए राज्यसभा चुनाव से बढ़ियां मौका क्या हो सकता है...जांजगीर, सक्ती में इस समय सारे विधायक कांग्रेस के हैं...फिर बात बेटे की, तो महंतजी की पकड़ सभी पार्टियों में है...बेटे की नैया पार करा ही लेंगे। अगर ऐसा हुआ तो आजादी के बाद देश की सियासत में एक नया रिकार्ड बनेगा। एक परिवार के पति राज्यसभा, पत्नी लोकसभा और बेटा विधानसभा में।

छत्तीसगढ़ में उपचुनाव-2

राज्यसभा के लिए टीएस सिंहदेव भी कांग्रेस से स्वाभाविक दावेदार होंगे। गांधी परिवार से नजदीकियों के बाद भी उनकी किस्मत बार-बार दगा दे जा रही। न वे मुख्यमंत्री बन पाए और न ही उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनने दिया जा रहा। दूसरा, अगर पीसीसी चीफ बदलना होगा तो राज्यसभा के लिए दीपक बैज की दावेदारी प्रबल हो जाएगी। तीसरा नाम भूपेश बघेल का है। वैसे, भूपेश का चांस कम प्रतीत होता है। भूपेश जननेता हैं...कांग्रेस पंजाब से लेकर असम तक उनका उपयोग कर रही है। मगर राजनीत में कब, क्या हो जाए कौन जानता है। भूपेश अगर राज्यसभा गए तो फिर पाटन से उनके बेटे चैतन्य की विधायकी तय हो जाएगी। याने पाटन में उपचुनाव होगा।

बीजेपी और सरप्राइज

राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस से चरणदास महंत की दावेदारी हो या फिर फूलोदेवी नेताम को रिपीट करने की...कम-से-कम अटकलें तो लगाने की गुजाइश है। सत्ताधारी पार्टी की बात जुदा है। बीजेपी में आजकल इस कदर चौंकाने वाले फैसले हो रहे कि बड़े-से-बड़े लीडरों को कुछ पता नहीं होता। पिछली बार का राज्यसभा का वाकया याद ही होगा। बीजेपी के लोगों को नहीं पता था कि देवेंद्र प्रताप सिंह हैं कौन? उनका नाम इतना अनजान था कि सोशल मीडिया में यूपी के देवेंद्रप्रताप की फोटो लगाकर लोग भाजपा का लगे टारगेट करने...कांग्रेस की तरह बीजेपी ने भी आयातित नेता को राज्यसभा भेज दिया। बीजेपी की लिस्ट आने के करीब आधे घंटे बाद जाकर क्लियर हो पाया कि देवेंद्र प्रताप सिंह रायगढ़ के रहने वाले हैं। इस बार भी राज्यसभा चुनाव में कुछ वैसा ही होगा। हां, इतना जरूर है कि प्रदेश की सियासत में ओबीसी और आदिवासी का कोटा फुल है। आदिवासी मुख्यमंत्री हैं, तो ओबीसी से डिप्टी सीएम समेत सात मिनिस्टर। लिहाजा, अनुसूचित जाति या सामान्य वर्ग से गुंजाइश बन सकती है।

बाहरी प्रत्याशी

छत्तीसगढ़ बनने के बाद अप्रैल 2002 में राज्यसभा की दो सीटों के लिए पहला चुनाव हुआ था। उसमें कांग्रेस से मोतीलाल वोरा और रामाधार कश्यप चुने गए थे। उसके बाद अभी तक 22 राज्यसभा सदस्यों के चुनाव हुए हैं। इसमें बीजेपी ने हमेशा लोकल को मौका दिया, कांग्रेस ने पांच बार बाहरी प्रत्याशियों को राज्यसभा में भेजा। सबसे पहले जून 2004 में मोहसिना किदवई छत्तीसगढ़ से निर्वाचित हुई। जून 2020 में उन्हें फिर रिपीट किया गया। उसके बाद 2018 से 2023 के बीच सबसे अधिक तीन बाहरी उम्मीदवारों को कांग्रेस ने राज्यसभा में भेजा। केटीएस तुलसी, राजीव शुक्ला और रंजीता रंजन। मोतीलाल वोरा चूकि कद्दावर नेता रहे इसलिए वे 18 साल तक एक कोटा अपने पास रखा। वरना, और दो-एक बाहरी प्रत्याशी कांग्रेस से राज्यसभा में पहुंच गए होते। हालांकि, लोकल बॉडी की अनिच्छा के बाद भी एक सरकार में तीन-तीन बाहरी लोगों को राज्यसभा में भेजकर कांग्रेस अंजाम भुगत चुकी है, इसलिए इस बार कांग्रेस के लोगां को डरने की जरूरत नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष चेंज?

कांग्रेस पार्टी ने चरणदास महंत के राजनीतिक कद और संसदीय अनुभवों को देखते भले ही नेता प्रतिपक्ष बना दिया मगर उनका स्वभाव नेता प्रतिपक्ष वाला नहीं है। यही वजह है कि पार्टी सदन में जैसी आक्रमकता चाहती है, वैसा कुछ हो नहीं रहा। अलबत्ता, एकाधिक बार नेता प्रतिपक्ष सरकार की भी सराहना कर चुके हैं। महंतजी राज्यसभा में जाएं या नहीं, कांग्रेस पार्टी नेता प्रतिपक्ष को लेकर संवेदनशील है। अगर नया नेता चुनने का अवसर आया तो जाहिर तौर पर दो नाम केंद्र में होंगे। उमेश पटेल और देवेंद्र यादव। भूपेश बघेल का नाम बड़ा जरूर है मगर पार्टी उनका उपयोग दूसरों प्रदेशों में कर रही है। देवेंद्र तेज-तर्रार विधायक होने के साथ सतनामी समुदाय के मसले पर जेल जाकर अपना कद बढ़ा चुके हैं तो उमेश पटेल के साथ नंदकुमार पटेल का नाम जुड़ा है। विधानसभा में इस समय उमेश बढ़ियां परफार्म कर रहे हैं। भविष्य में अगर नेता प्रतिपक्ष चुनने का समय आया तो बहुत संभावना है कि उसके लिए ये दो नेता ही तगड़े दावेदार होंगे।

पूत के पांव पालने में

छत्तीसगढ़ का दुर्भाग्य कहें या एसडीएम का? शायद ही किसी स्टेट में ऐसा हुआ होगा, जब कोई सब डिवीजन मजिस्ट्रेट दो बार जेल गया हो। मगर छत्तीसगढ़ में ऐसा हुआ, जब सात साल की सर्विस में अफसर को दो बार जेल जाना पड़ा और दो बार सस्पेंड। राप्रसे अधिकारी करुण डहरिया को गरियाबंद में 20 हजार रिश्वत लेते एसीबी ने ट्रेप किया था। वे तीन महीने जेल में रहकर छूटे और फिर जैसा कि देश के सिस्टम में होता है, निलंबन से बहाल होकर फिर से एसडीएम बन गए। पूत के पांव जब पालने में दिख गया था, तब तो बलरामपुर कलेक्टर रिमजिएस एक्का को उन्हें एसडीएम नहीं बनाना था। मगर पिछले दो साल से वे कुसमी सब डिवीजन के प्रमुख बने बैठे थे। और ग्रामीणों से मारपीट और मौत केस में उन्हें जेल जाना पड़ गया।

कमाऊ पूत

कलेक्टर पहले काबिल डिप्टी कलेक्टरों को एसडीएम बनाते थे। मगर अब एसडीएम बनाने के पैरामीटर बदल गए हैं। मैदानी इलाकों में 25 परसेंट तक काबिलियत चल जाता है, बस्तर, सरगुजा में हंड्रेड परसेंट कमाऊ पूत चाहिए। जो एसडीएम ज्यादा पैसा लाकर देगा, कलेक्टर के वे उतने ही करीबी और चेहेते होते हैं। कलेक्टरों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह डिप्टी कलेक्टर किन-किन धतकरमों में लिप्त है या लिप्त रहा है। कलेक्टर हों या नेता-मंत्री सभी को आखिर कमाऊ पूत ही तो चाहिए।

बड़ा सवाल

बलरामपुर के एसडीएम कांड से सवाल उठता है, क्या रिश्वत लेते पकड़े गए अधिकारियों, कर्मचारियों को फिर से महत्वपूर्ण पोस्टिंग दी जानी चाहिए? छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में सरकारी मुलाजिम ऐसे हैं, जो रिश्वत लेते जेल की हवा खाकर लौटने के बाद फिर से मलाईदार कुर्सी पर बैठे हैं। जीरो टॉलरेंस पर काम कर रही सरकार को ऐसे मुलाजिमों की एक लिस्ट बनानी चाहिए, ताकि उन्हें अहम पदस्थापनाओं से अलग रखा जा सकें। क्योंकि, ऐसे अफसरों के साथ ऑन बिल्ट प्राब्लम रहता है...आगे चलकर फिर सरकार की साख को डेंट करते हैं।

बस्तर हनीमून डेस्टिनेशन

80 की दशक में जैसा बस्तर था...अफसरों के लिए वैसा ही...हनीमून डेस्टिनेशन जैसा बनता जा रहा है। माओवादियों के चलते पहले तो जान सांसत में पड़ी होती थी, न जाने किस पल क्या हो जाएगा? अधिकारी बस्तर से मीटिंग में रायपुर आने से डरते थे। बहुत आवश्यक हुआ तो देर रात प्रायवेट गाड़ी में बिना गनमैन के, हनुमान चालीसा पढ़ते हुए निकलते थे। कोशिश रहती थी, सुबह के पहले-पहले कम-से-कम कांकेर क्रॉस कर जाएं। मगर अमित शाह ने बस्तर की रौनक फिर से लौटा दी है। सरकार भी युवा अधिकारियों पर इनायत बरत रही है। न्यू कपल को अगल-बगल के जिलों में पोस्टिंग दी जा रही। इससे हो ये रहा कि वीकेंड में कई-कई जिला मुख्यालय खाली हो जा रहे। न्यू कपल हैं तो दोनों करना चाहिए। काम भी खूब और इंजॉय भी।

चना-मूर्रा जैसे आईएएस

एक तो दिग्विजय सिंह ने छंटे हुए अफसरों को छत्तीसगढ़ भेज दिया। उपर से रही-सही कसर पीएससी ने पूरी कर दी। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने पीएससी परीक्षा निरस्त कर दी थी मगर सरकार ने उदारता बरतने में कोई कमी नहीं की...सबके सब आईएएस बन गए। पिछले साल भी दर्जन भर अधिकारियों में से एकाध ही आईएएस बनने लायक रहे होंगे, और इस बार सात में भी कमोवेश वही हाल रहा। छत्तीसगढ़ में अब हालात ऐसे बनते जा रहे कि लोग दिग्विजय सिंह को कोसना बंद कर देंगे। इस समय मुआवजा घोटालों से लेकर अनेक कर्मकांडों में डिप्टी कलेक्टर दागदार हो रहे...जेल जा रहे, देखिएगा कुछ सालों बाद ये सबके सब भारतीय प्रशासनिक सेवा का तमगा लगाकर घूमेंगे। क्योंकि, 50 खोखा कमा लिया तो उसमें से पांच-सात खोखा फेंकने में उनके घर से क्या जाएगा? फंडा यह है कि जमकर कमाओ, जमकर खर्च करो और फिर आईएएस बन जाओ। बाकी आम पब्लिक छत्तीसगढ़ियां, सबले बढ़ियां...पर ताली बजाता रहे।

संगठन मंत्री का प्रमोशन!

छत्तीसगढ़ के संगठन मंत्री पवन साय के प्रमोशन की इन दिनों बड़ी चर्चा है। वैसे भी पिछले तीन महीने से छत्तीसगढ़ से लगभग वे बाहर ही हैं। बीजेपी ने उन्हें पश्चिम बंगाल के मोर्चे पर लगा रखा है। जाहिर है, पवन साय ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान काफी काम किया था। पार्टी अब उन्हें इसका ईनाम देना चाहती है। पवन साय को क्षेत्रीय संगठन मंत्री बनाया जा सकता है। क्षेत्रीय संगठन मंत्री बनने का मतलब होगा, वे एकाधिक राज्यों के प्रभारी होंगे। पवन साय के प्रमोशन से उनके समर्थक क्या सोच रहे हैं, ये तो नहीं मालूम। मगर ये जरूर पता है कि पार्टी में जल्द कुछ अहम बदलाव होंगे। जाहिर है, प्रमोशन होने पर पवन की जगह कोई नया आदमी संगठन प्रभारी बनकर आएगा। फिर नितिन नबीन की जगह प्रदेश प्रभारी की भी नियुक्ति होगी।

ओपी के पिटारे से क्या?

जिस राज्य में बजट का 40 परसेंट हिस्सा कर्मचारियों, अधिकारियों के वेतन और 35 परसेंट फ्रीब्रीज में निकल जा रहा हो, वहां के बजट से कोई चमत्कारित उम्मीद कैसे रखी जा सकती है। छत्तीसगढ़ के खजाने की यह स्थिति है कि कोई महीना ऐसा नहीं जाता, जब 15 तारीख क्रॉस करते ही वित्त विभाग के अधिकारियों की पेशानी पर बल नहीं पड़ते हों। हर महीने 2500 करोड़ वेतन और करीब 800 करोड़ महतारी वंदन याने 3200 करोड़ चाहिए-ही-चाहिए। फिर भी, ओपी पढ़े-लिखे मिनिस्टर हैं, किल्लतों के बावजूद कुछ हटके करने का प्रयास करेंगे ही। अंदेशा है कि इस बार बजट में शहरी क्षेत्रों के डेवलपमेंट के लिए ठीकठाक राशि का प्रावधान किया जाएगा। खासकर, बिलासपुर और रायपुर को संवारने पर। युवाओं और रोजगार से जुड़ी कुछ अहम घोषणाओं की भी उम्मीदें हैं।

नेताओं की आंखों में धूल

छत्तीसगढ़ के ह्यूमन रिसोर्स को मजबूत करने सरकार कई मोर्चो पर काम कर रही है। एजुकेशन में नित नए प्रयोग और नवाचार किए जा रहे हैं। मगर यह भी सनद रहे कि रिजल्ट को लेकर अफसरशाही नेताओं की आंखों में धूल झोंकने का भी काम करती है। खासकर, स्कूल शिक्षा में। नकल के नाम पर यूपी-बिहार बदनाम थे। वहां अब स्थिति बदल गई है। और छत्तीसगढ़ में? स्कूल शिक्षा में छत्तीसगढ़ पिछले 25 सालों से देश में नीचे से तीसरे स्थान से उपर नहीं आ पाया। बता दें, कुछ बरसों पहले दो कलेक्टरों के बारे में पुख्ता जानकारी मिली थी कि अपने जिले का नंबर बढ़ाने स्कूल वालों को कुछ भी करने के लिए कह डाला था। जाहिर है, छत्तीसगढ़ के कलेक्टरों में अभी भी श्रेय लेने की होड़ है कि उनके जिले से इतने लोग मेरिट में आए। चिंतन पर इस पर भी होनी चाहिए कि रिमोट एरिया के स्कूलों में रिजल्ट इतने बढ़ियां कैसे आ जाते हैं। और, अगर ऐसा ही रहा तो सवाल उठता है...छत्तीसगढ़ के ह्यूमन रिसोर्स का क्या होगा? इस पर मनन करना चाहिए।

बजट सत्र में ट्रांसफर

ब्यूरोक्रेसी में ऐसा परसेप्शन चला आ रहा, बजट सत्र में ट्रांसफर नहीं होते। मगर छत्तीसगढ़ में ऐसा कई बार हो चुका है। इसी सरकार ने मानसून सत्र के दौरान ट्रांसफर किया था। बहरहाल, 23 फरवरी से बजट सत्र प्रारंभ हो रहा है। और 24-25 फरवरी के आसपास बलौदा बाजार कलेक्टर दीपक सोनी सेंट्रल डेपुटेशन के लिए रिलीव होंगे। 24-25 इसलिए क्योंकि 24 को गिरौदापुरी मेला समाप्त हो जाएगा। इसके बाद सरकार उन्हें कार्यमुक्त कर देगी। सवाल उठता है, बलौदा बाजार का अगला कलेक्टर कौन होगा? कलेक्ट्रेट को जलाने जैसी घटना के बाद तो सरकार कोई रिस्क नहीं लेना चाहेगा। लिहाजा, बतौर कलेक्टर दो-एक जिला करने वाले अनुभवी आईएएस अफसर को ही बलौदा बाजार भेजा जाएगा। हो सकता है, इस चक्कर में एक छोटा चेन बन जाए।

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या छत्तीसगढ़ के इस बजट में रायपुर-भिलाई में मेट्रो रेल की घोषणा हो सकती है?
2. एक मंत्री का नाम बताएं, जो कुर्सी की स्थिरता के लिए कामख्या के एक पंडित से यज्ञ करवाएं हैं?

सुरक्षित निवेश के कई मजबूत विकल्प, मिलेगा बढ़िया रिटर्न

- पीपीएफ, एनएससी, एससीएसएस और सुकन्या जैसी योजनाएं दे रही हैं आकर्षक ब्याज और टैक्स लाभ
- कम जोखिम में स्थिर आय और लंबी अवधि में मजबूत फंड बनाने के विकल्प
- बैंक एफडी से आगे बढ़कर सोचें, सरकारी योजनाओं में छिपा है बेहतर रिटर्न

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में निवेशकों की सबसे बड़ी प्राथमिकता है पूंजी की सुरक्षा और स्थिर रिटर्न। शेयर बाजार की अस्थिरता से घबराने वाले या जोखिम कम लेना चाहने वाले लोग आमतौर पर बैंक एफडी का सहारा लेते हैं। लेकिन क्या एफडी ही एकमात्र सुरक्षित विकल्प है? असल में, सरकार समर्थित कई ऐसी योजनाएं हैं जो न केवल सुरक्षित हैं, बल्कि कई मामलों में एफडी से बेहतर ब्याज भी देती हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही भरोसेमंद निवेश विकल्पों के बारे में, जहां सुरक्षा के साथ अच्छा रिटर्न भी मिल सकता है।

कंपाउंडिंग के लिए सबसे बेहतर

1. पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) अगर आपका लक्ष्य लंबी अवधि में सुरक्षित तरीके से बड़ा फंड बनाना है, तो पीपीएफ एक बेहतरीन विकल्प है।

- निवेश अवधि: 15 वर्ष
- वर्तमान ब्याज दर : 7.1% (सरकार द्वारा तिमाही आधार पर तय)
- अधिकतम निवेश : 1.5 लाख रुपये प्रति वर्ष
- टैक्स लाभ : धारा 80सी के तहत छूट
- पीपीएफ की सबसे बड़ी खासियत है इसका ईईई स्टेटस निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी राशि तीनों टैक्स-फ्री होती हैं। यह योजना खासकर उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो रिटायरमेंट या बच्चों की उच्च शिक्षा जैसे दीर्घकालिक लक्ष्य के लिए सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं।

2. नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी)

- यदि आप 5 साल की अवधि के लिए सुरक्षित निवेश चाहते हैं, तो एनएससी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- निवेश अवधि : 5 वर्ष
- ब्याज दर : लगभग 7.7%
- टैक्स लाभ : 80सी के तहत छूट
- एनएससी में निवेश की गई राशि सुरक्षित रहती है और तय ब्याज दर के अनुसार परिपक्वता पर रिटर्न मिलता है। यह योजना उन लोगों के लिए बेहतर है जो मध्यम अवधि के लक्ष्य के लिए निवेश करना चाहते हैं और जोखिम नहीं लेना चाहते।

3. सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम (एससीएसएस)

- यह योजना विशेष रूप से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए है।
- निवेश अवधि : 5 वर्ष (आवश्यकतानुसार बढ़ाई जा सकती है)
- ब्याज दर : लगभग 8% से अधिक (तिमाही समीक्षा के अधीन)

नियमित ब्याज भुगतान

- एससीएसएस उन सेवानिवृत्त लोगों के लिए बेहद उपयोगी है जो अपने रिटायरमेंट फंड से नियमित आय चाहते हैं। ब्याज तिमाही आधार पर मिलता है, जिससे नकदी प्रवाह बना रहता है।

4. पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस)

- अगर आप सुरक्षित निवेश के साथ हर महीने नियमित आय चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम एक बेहतर विकल्प है।
- निवेश अवधि: 5 वर्ष
- ब्याज दर: लगभग 7.4%
- मासिक ब्याज भुगतान

5. सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई)

- बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए यह योजना विशेष रूप से बनाई गई है।
- पात्रता: 10 वर्ष या उससे कम आयु की बेटी
- निवेश अवधि: 15 वर्ष
- मैच्योरिटी: 21 वर्ष
- अधिकतम निवेश: 1.5 लाख रुपये प्रति वर्ष
- ब्याज दर: लगभग 8.2%
- एसएसवाई वर्तमान में सबसे अधिक ब्याज देती है।

एसआईपी संपत्ति निर्माण का एक आसान और व्यवस्थित तरीका बिना योजनाबद्ध निकासी निवेश को कर देता है बर्बाद

सिर्फ एसआईपी नहीं एसडब्लूपी भी जरूरी

बिजनेस डेस्क

जनवरी 2026 में निवेशकों ने सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड में 31,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। एसआईपी अब आदत जैसी बन गई है। यह संपत्ति निर्माण का एक आसान और व्यवस्थित तरीका बन गया है। लेकिन असली परीक्षा तब शुरू होती है जब आप इसका उपयोग करना शुरू करते हैं। बिना योजनाबद्ध निकासी रणनीति के वर्षों का अनुशासित निवेश जल्दी ही बिखर सकता है। इसलिए हर एसआईपी के साथ एक सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्लूपी) होना भी जरूरी है। एसआईपी संपत्ति संचय का एक प्रभावी साधन है, लेकिन यह सुचारु परिणाम की गारंटी नहीं देता। इसलिए एसआईपी से बाहर निकलने का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आपका एसआईपी कितने समय तक चला या आपने इसे किस बाजार परिस्थिति में शुरू किया। अंतिम चरण में बाजार में गिरावट आपकी योजनाओं को पटरी से उतार सकती है। मान लीजिए एक निवेशक ने जनवरी 2005 में एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड में 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू की। लक्ष्य था 2020 के मध्य तक घर की डाउन पेमेंट के लिए 40 लाख रुपये जुटाना। 31 जनवरी 2020 तक 18 लाख रुपये का निवेश बढ़कर 40.73 लाख रुपये हो गया। लक्ष्य आसानी से हासिल होता दिख रहा था। फिर महामारी के कारण बाजार में गिरावट आई। 23 मार्च 2020 तक यह कॉर्पस घटकर 26 लाख रुपये रह गया यानी अचानक 14 लाख रुपये की कमी। पोर्टफोलियो को दोबारा संभलने में लगभग आठ महीने लग गए। यदि निवेशक ने लक्ष्य तिथि से 12-18 महीने पहले एसडब्लूपी के माध्यम से चरणबद्ध निकासी शुरू कर दी होती तो कुछ मुनाफा सुरक्षित किया जा सकता था। एसडब्लूपी मूलतः एसआईपी का उल्टा है। नियमित अंतराल पर निश्चित रकम निवेश करने के बजाय आप तय समयावधि में नियमित रूप से निश्चित राशि निकालते हैं। जैसे-जैसे लक्ष्य नजदीक आता है, एसडब्लूपी एक संतुलित और क्रमिक निकासी का मार्ग तैयार करता है।

बकेट रणनीति भी बनाएं

रिटायरमेंट में हर फंड एसडब्लूपी के लिए उपयुक्त नहीं होता। विशेषज्ञ तीन-बकेट रणनीति सुझाते हैं। तीन साल के खर्च लिक्विड फंड में, चौथे से सातवें वर्ष के खर्च कंजरवेटिव हाइब्रिड फंड में और दीर्घकालिक निवेश इक्विटी में ताकि मुद्रास्फीति को मात दी जा सके। निकासी पहले बकेट से शुरू होती है। जैसे-जैसे वह कम होता है, दूसरे बकेट से उसे भरा जाता है और बाद में तीसरे बकेट से। यह स्तरीय संरचना निकट अवधि के खर्चों को इक्विटी की अस्थिरता से बचाती है और दीर्घकालिक वृद्धि को बनाए रखती है।

चक्र को पूरा करना जरूरी

हर वित्तीय यात्रा व्यक्तिगत लक्ष्यों, आय पैटर्न और जोखिम सहनशीलता से प्रभावित होती है। लेकिन सिद्धांत सार्वभौमिक है। वितरण योजना के बिना संचय अधूरा है। एसआईपी से एसडब्लूपी तक सुचारु संक्रमण आवश्यक है। सही तरीके से किया जाए तो यह साझेदारी चक्रवृद्धि की शक्ति को जारी रखते हुए आपको नियमित आय भी देती रहती है।

एसडब्लूपी है वितरण की संरचना

इस संरचना के दो प्रमुख लाभ हैं। पहला यह अंतिम समय की बाजार अस्थिरता से अर्जित लाभ के एक हिस्से की सुरक्षा करता है। दूसरा जो राशि नहीं निकाली जाती, वह निवेशित बनी रहती है और अंतिम चरण में संभावित बढ़त का लाभ उठाती है। उद्योग के विशेषज्ञ अब एसआईपी और एसडब्लूपी को एक संयुक्त रणनीति के दो हिस्सों के रूप में देखते हैं। वे इस संयोजन को जीवन भर का एसआईपी बताते हैं। कमाई के वर्षों में व्यवस्थित बचत और आय कम होने पर व्यवस्थित निकासी, बिना चक्रवृद्धि की ताकत को तोड़े। असल में एसआईपी संचय का इंजन है, जबकि एसडब्लूपी वितरण की संरचना। यह दोनों मिलकर संपत्ति निर्माण, संरक्षण और वितरण का निरंतर चक्र बनाते हैं।

सेवानिवृत्ति से आगे की भी सोचें

परंपरागत रूप से एसडब्लूपी को रिटायरमेंट आय के साधन के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन यह धारणा बदल रही है। एसडब्लूपी जीवन के विभिन्न चरणों में एक लचीला और कर-कुशल नकदी प्रवाह समाधान बनकर उभर रहा है। यह लोन की ईएमआई, बच्चों की फीस या अनियमित आय से जुड़े जीवनशैली खर्च जैसे नियमित खर्चों में मदद कर सकता है। एसडब्लूपी फ्रीलांसर, कंसल्टेंट या चक्रीय आय वाले व्यवसायियों के लिए भी उपयोगी है। अधिक आय वाले महीनों में अतिरिक्त कमाई निवेश की जा सकती है, जबकि एक छोटा एसडब्लूपी निश्चित मासिक खर्चों के लिए स्थिर आय प्रदान कर सकता है। यहां तक कि एकमुश्त लक्ष्यों जैसे शादी या घर की मरम्मत के लिए भी एसडब्लूपी चरणबद्ध निकासी की सुविधा देता है, जिससे टाइमिंग जोखिम कम होता है और शेष पूंजी निवेशित बनी रहती है।

संक्रमण की योजना भी हो

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेश के तुरंत बाद एसडब्लूपी शुरू नहीं करना चाहिए। निकासी शुरू होने से पहले पोर्टफोलियो को बढ़ने का समय चाहिए। बहुत जल्दी शुरुआत करने से यदि बाजार अस्थिर हो जाए, तो मूलधन पर असर पड़ सकता है। कर दक्षता भी इसका एक बड़ा लाभ है। प्रत्येक एसडब्लूपी किस्त में मूलधन और पूंजीगत लाभ दोनों शामिल होते हैं, लेकिन कर केवल लाभ वाले हिस्से पर लगता है। कम से कम एक वर्ष तक निकासी टालने से इक्विटी निवेश दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर के दायरे में आ जाता है, जिसमें सालाना 1.25 लाख रुपये तक के लाभ पर छूट मिलती है। अनिवार्य लक्ष्यों के लिए आदर्श रूप से लक्ष्य तिथि से 2-3 वर्ष पहले एसडब्लूपी शुरू कर देना चाहिए। भले ही कॉर्पस थोड़ा कम हो। अंतिम वर्ष तक इंतजार करने से जोखिम बढ़ जाता है। चरणबद्ध निकासी परिणामों को संतुलित बनाती है।

कितनी निकासी सुरक्षित है?

दीर्घकालिक स्थितियों जैसे सेवानिवृत्ति में निकासी दर यह तय करती है कि बचत 20-30 वर्षों तक चलेगी या समय से पहले खत्म हो जाएगी। जोखिम केवल बाजार की अस्थिरता नहीं, बल्कि सीक्वेंस-ऑफ-रिटर्न्स का भी होता है। यदि शुरुआती वर्षों में खराब रिटर्न के दौरान निकासी होती है तो कॉर्पस तेजी से घट सकता है। एसआईपी के विपरीत, जहां गिरते बाजार में अधिक यूनिट जमा होती हैं, एसडब्लूपी में गिरावट के दौरान समान नकदी प्रवाह के लिए अधिक यूनिट बेचनी पड़ती हैं। इसलिए निकासी दर संतुलित और सावधानीपूर्ण होनी चाहिए। आदर्श रूप से निकासी दर पोर्टफोलियो के दीर्घकालिक संभावित रिटर्न से कम होनी चाहिए। एक सामान्य नियम यह है कि निकासी वास्तविक रिटर्न यानी मुद्रास्फीति समायोजित रिटर्न के आधार पर तय हो। यदि अपेक्षित रिटर्न 10% और मुद्रास्फीति 5% है, तो निकासी 5% से अधिक नहीं होनी चाहिए। स्थिरता बनाए रखने के लिए निकासी दर अपेक्षित रिटर्न से 2-3 प्रतिशत अंक कम रखनी चाहिए। वैश्विक शोध अक्सर 3.5-4% को एक टिकाऊ दर मानता है, लेकिन इसकी उपयुक्तता एसेट आवंटन, जीवन प्रत्याशा और जीवनशैली की जरूरतों पर निर्भर करती है। प्रदर्शन के आधार पर समायोजित होने वाली डायनेमिक निकासी रणनीतियां भी मजबूती बढ़ा सकती हैं।

फंड तैयार करने की जल्दबाजी छोड़िए, एसआईपी को समय दें

बिजनेस डेस्क। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) आज म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका बन चुका है। छोटे-छोटे मासिक निवेश के जरिए बड़ा फंड तैयार करने का यह अनुशासित माध्यम है। लेकिन एक सवाल लगभग हर निवेशक के मन में आता है। एसआईपी में रिटर्न असली रफ्तार कब पकड़ता है? कई निवेशक 1-2 साल में शानदार मुनाफे की उम्मीद करते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो वे एसआईपी बंद भी कर देते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि एसआईपी का असली फायदा समय के साथ खुलकर सामने आता है।

शॉर्ट टर्म में क्यों निराश कर सकता है एसआईपी?

अगर आप 1 से 3 साल की अवधि में एसआईपी का प्रदर्शन देखें, तो तस्वीर उतनी आकर्षक नहीं दिखती। ऐतिहासिक आंकड़ों के आधार पर निफ्टी 50 पर आधारित एसआईपी के रिटर्न का विश्लेषण बताता है कि छोटे समय में रिटर्न कई बार फ्लैट या निगेटिव भी रहा है।

कुछ अवधियों में

1. साल का एक्सआईआरआर रिटर्न -60% से ज्यादा तक गिरा
2. साल में -40% के आसपास
3. साल में -20% से ज्यादा गिरावट

शुरुआती रिटर्न कमजोर

यह सुनकर घबराहट होना स्वाभाविक है। लेकिन इसका कारण समझना जरूरी है। शेयर बाजार साइकिल में चलता है कभी तेजी, कभी गिरावट। यदि आपने एसआईपी की शुरुआत बाजार के ऊपरी स्तर पर की और उसके बाद गिरावट आई, तो शुरुआती रिटर्न कमजोर दिख सकते हैं। इसे ही टाइमिंग रिस्क कहते हैं। शॉर्ट टर्म में बाजार की दिशा आपके निवेश अनुभव को प्रभावित करती है।

5 साल के बाद बदलती है तस्वीर

- जैसे-जैसे निवेश की अवधि 5 साल के आसपास पहुंचती है, उतार-चढ़ाव का असर कम होने लगता है।
- 5 साल के अधिकांश रोलिंग पीरियड में एसआईपी का रिटर्न 5% से 10% के बीच रहा है। लंबी अवधि में रिकवरी का मौका मिलता है।

दो चीजें काम करती हैं

- रुपया लागत औसत : बाजार गिरने पर आपकी तय राशि से ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं।
- कंपाउंडिंग : शुरुआती निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे रिटर्न कमाता है।
- शुरुआती सालों की कमजोरी संतुलित होने लगती है और निवेश स्थिरता दिखाने लगता है।

7 साल के बाद बढ़ती है रफ्तार

- इतिहास बताता है कि 7 साल या उससे अधिक की अवधि में एसआईपी पर निगेटिव रिटर्न की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। डबल डिजिट रिटर्न सामान्य हो जाते हैं। यहां सबसे बड़ा बदलाव बाजार में नहीं, बल्कि निवेशक के अनुभव में आता है। बाजार गिरता है, तो आपके पास रिकवरी का पर्याप्त समय होता है। तेजी आने पर आप उस पूरी रैली का हिस्सा बनते हैं। कंपाउंडिंग का प्रभाव स्पष्ट दिखने लगता है।

ऐसे समझें

उदाहरण के तौर पर, अगर कोई निवेशक हर महीने 10,000 रुपये एसआईपी करता है और औसतन 12% रिटर्न मिलता है, तो 3 साल में कुल निवेश 3.6 लाख पर फंड लगभग 4–4.5 लाख के आसपास हो सकता है। 10 साल में कुल निवेश 12 लाख पर फंड 23–24 लाख से ज्यादा हो सकता है। यही है कंपाउंडिंग की असली ताकत।

कब शुरू करें और कितना समय दें

- जितनी जल्दी शुरू करेंगे, उतना बेहतर।
- कम से कम 7–10 साल का नजरिया रखें।
- बाजार गिरने पर बंद न करें, जारी रखें।
- लक्ष्य आधारित निवेश करें।

असली रफ्तार कहां से

- पहले 2–3 साल: उतार-चढ़ाव
- 5 साल: स्थिरता
- 7 साल+: कंपाउंडिंग का प्रभाव
- 10 साल+: वास्तविक वेल्थ क्रिएशन

धैर्य ही असली रणनीति

एसआईपी कोई जादुई फार्मूला नहीं, बल्कि अनुशासित निवेश की प्रक्रिया है। छोटे समय में परिणाम आकर्षक न दिखें, लेकिन लंबी अवधि में यह प्रभावशाली बन जाता है। अगर आप बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन करने का धैर्य रखते हैं और निवेश को 7–10 साल का समय देते हैं, तो एसआईपी मजबूत संपत्ति निर्माण करेगी।

क्या एसआईपी सच में बना सकती है अमीर?

नौकरीपेशा लोगों के लिए छोटी बचत को निवेश में बदलना व्यावहारिक तरीका

अनुशासन लंबे समय में संपत्ति निर्माण की रखता है नींव

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में हर कमाने वाला व्यक्ति चाहता है कि उसकी आय सिर्फ खर्च तक सीमित न रहे, बल्कि भविष्य में बड़ी पूंजी में बदले। नौकरीपेशा लोगों के लिए हर महीने छोटी-छोटी बचत को निवेश में बदलना सबसे व्यावहारिक तरीका है। इसी संदर्भ में एसआईपी सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है। लेकिन सवाल यह है क्या एसआईपी वास्तव में आपको अमीर बना सकती है? सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि एसआईपी कोई निवेश उत्पाद (प्रोडक्ट) नहीं, बल्कि निवेश करने का तरीका है। असल निवेश म्यूचुअल फंड में होता है और एसआईपी उस फंड में नियमित अंतराल पर तय रकम लगाने की प्रणाली है। यानी आप हर महीने एक निश्चित राशि निवेश करते हैं, चाहे बाजार ऊपर हो या नीचे। यही अनुशासन लंबे समय में संपत्ति निर्माण की नींव रखता है। अमीर बनने की संभावना इस बात पर निर्भर करती है कि आप कितने समय तक निवेश करते हैं और कितनी निरंतरता बनाए रखते हैं। शेयर बाजार से जुड़े फंड्स में ऐतिहासिक रूप से लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देखने को मिले हैं, लेकिन अल्पकाल में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। जो निवेशक 8–10 साल या उससे अधिक का धैर्य रखते हैं, उन्हें चक्रवृद्धि का वास्तविक लाभ मिलता है। छोटी रकम भी समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल सकती है। बशर्ते निवेश नियमित और दीर्घकालिक हो।

जल्दी अमीर बनने का शॉर्टकट नहीं

हालांकि, यह समझना भी जरूरी है कि एसआईपी "जल्दी अमीर बनने" का शॉर्टकट नहीं है। बाजार में गिरावट आएगी, रिटर्न कभी ज्यादा तो कभी कम होंगे। जो लोग कुछ महीनों में चमत्कार की उम्मीद करते हैं, वे अक्सर निराश होते हैं। असली ताकत अनुशासन और समय में छिपी है, न कि तात्कालिक मुनाफे में। जोखिम, रणनीति और समझदारी का संतुलन एसआईपी बाजार से जुड़ा निवेश है, इसलिए इसमें जोखिम भी शामिल है। यह फिक्स्ड डिपॉजिट या पीपीएफ की तरह पूरी तरह सुरक्षित विकल्प नहीं है। सही फंड का चयन, अपने जोखिम स्तर की पहचान और निवेश लक्ष्य की स्पष्टता बेहद जरूरी है। यदि आपका लक्ष्य 10-15 साल दूर है जैसे रिटायरमेंट या बच्चों की पढ़ाई तो इक्विटी आधारित फंड उपयुक्त हो सकते हैं, लेकिन कम अवधि के लक्ष्य के लिए संतुलित या डेट फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

बाजार गिरने पर घबराएं नहीं

बाजार गिरने पर घबराहट में एसआईपी रोक देना सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। दरअसल, गिरावट के समय कम कीमत पर अधिक यूनिट मिलती हैं, जो बाजार सुधरने पर बेहतर रिटर्न दे सकती हैं। यही "रूपीकॉस्ट एवरेजिंग" का फायदा है। इसलिए समझदारी यही है कि उतार-चढ़ाव को निवेश यात्रा का हिस्सा मानें। एक और आम गलती है बहुत सारे फंड में निवेश कर देना। अलग-अलग सलाह के चक्कर में पोर्टफोलियो इतना जटिल हो जाता है कि निगरानी मुश्किल हो जाती है। बेहतर है कि अपने लक्ष्य के अनुसार सीमित और संतुलित फंड चुनें। गुणवत्ता पर ध्यान दें, संख्या पर नहीं। एसआईपी की एक बड़ी खूबी लचीलापन भी है। आपकी आय बढ़े तो निवेश राशि बढ़ा सकते हैं, जरूरत पड़े तो घटा या रोक भी सकते हैं। यह कोई कठोर अनुबंध नहीं है। लेकिन बार-बार बदलाव से बचना चाहिए; रणनीति सोच-समझकर तय करें।

यह जानना जरूरी

एसआईपी आपको रातोंरात अमीर नहीं बनाएगी, लेकिन समय, अनुशासन और सही रणनीति के साथ यह मजबूत संपत्ति निर्माण का प्रभावी साधन बन सकती है। समझदारी से किया गया निवेश, धैर्य और लक्ष्य-आधारित योजना यही वह सूत्र है जो सामान्य आय वाले व्यक्ति को भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना सकता है। अमीरी केवल बड़ी कमाई से नहीं, बल्कि सही निवेश आदतों से भी आती है।

ऑनलाइन शॉपिंग के दौर में यह सबसे लुभावना मौका

सस्ती किस्तों का जाल : क्या सच में 'नो कॉस्ट' है ईएमआई ईएमआई में नहीं दिखता ब्याज, लेकिन कीमत बदल जाती है

जानकारी

बिजनेस डेस्क

ऑनलाइन शॉपिंग के दौर में एक लाइन सबसे ज्यादा लुभाती है वो है 'नो कॉस्ट' ईएमआई। छोटी-छोटी किस्तें देखकर खरीदारी का फैसला आसान लगने लगता है। दिमाग कहता है "इतनी सी ईएमआई है, अभी ले लेते हैं।" लेकिन निवेश और व्यक्तिगत वित्त के नजरिए से देखें तो 'नो कॉस्ट' ईएमआई उतनी सरल नहीं, जितनी दिखाई देती है। अब सवाल यह है कि क्या वाकई इसमें कोई लागत नहीं होती? या फिर लागत सिर्फ नजर नहीं आती?

'नो कॉस्ट' ईएमआई होती क्या है?

सरल शब्दों में, 'नो कॉस्ट' ईएमआई का मतलब है कि आप किसी प्रोडक्ट की कीमत किस्तों में चुकाते हैं और आपको अलग से ब्याज नहीं देना पड़ता। यानी कुल ईएमआई जोड़ने पर रकम उतनी ही होगी जितनी प्रोडक्ट की कीमत। लेकिन बैंक या फाइनेंस कंपनी बिना कमाई के पैसा उधार नहीं देती। तो फिर ब्याज कौन दे रहा है? यहीं से असली खेल शुरू होता है।

बैंक की कमाई कैसे होती है?

जब आप ईएमआई चुनते हैं, तो आमतौर पर प्रोडक्ट पर मिलने वाला सीधा डिस्काउंट कम कर दिया जाता है। उसी घटे हुए डिस्काउंट से बैंक का ब्याज एडजस्ट कर दिया जाता है। मतलब ये कि कागजों में आपको "ब्याज नहीं" दिखता है। लेकिन आपको मिलने वाला फायदा पहले ही कम कर दिया जाता है। बैंक को उसका हिस्सा मिल जाता है, और ग्राहक को लगता है कि वह बिना अतिरिक्त खर्च के सुविधा ले रहा है।

एक उदाहरण से समझिए

- मान लीजिए आप 60,000 रुपये का स्मार्टफोन खरीदना चाहते हैं।
- फुल पेमेंट पर ऑफर: 5,000 रुपये का सीधा डिस्काउंट
- अंतिम कीमत: 55,000 रुपये
- अब आप नो कॉस्ट ईएमआई चुनते हैं डिस्काउंट घटकर 2,500 रुपये रह जाता है
- नई कीमत: 57,500 रुपये
- आपने शुरुआत में ही 2,500 रुपये ज्यादा दे दिए।
- अगर इसमें 499 प्रोसेसिंग फीस और उस पर 18% जीएसटी जोड़ दें, तो कुल खर्च लगभग 58,000 रुपये से ऊपर पहुंच सकता है।
- दिखने में ईएमआई आसान थी, लेकिन कुल भुगतान बढ़ चुका है।

सबसे बड़ा भ्रम है: ईएमआई

- सुविधा=सस्ता सौदा
- असल में ईएमआई सिर्फ भुगतान को छोटे हिस्सों में बांटती है। खर्च कम नहीं करती।
- छोटी ईएमआई दिमाग पर दबाव कम डालती है। एकमुश्त 55,000 देने से ज्यादा आसान लगता है 4,800 रुपये की मासिक किस्त देना। लेकिन कुल रकम का हिसाब अक्सर नजरअंदाज हो जाता है।
- यह मनोवैज्ञानिक प्रभाव है—छोटे नंबर कम डराते हैं।
- छिपे हुए चार्ज जिन पर कम ध्यान जाता है

ये अतिरिक्त खर्च संभव

- प्रोसेसिंग फीस : 199 से 999 रुपये या उससे अधिक
- जीएसटी : प्रोसेसिंग फीस या ब्याज वाले हिस्से पर 18%
- ईएमआई कन्वर्जन चार्ज

- लेट पेमेंट पेनल्टी (यदि किस्त समय पर न भरी जाए)
- ये सभी बातें अक्सर शर्तों में छिपी होती हैं, प्रोडक्ट पेज पर बड़े अक्षरों में नहीं लिखी होतीं।
- तुलनाः फुल पेमेंट बनाम नो कॉस्ट ईएमआई

भुगतान तरीका	दिखने वाली कीमत	संभावित असली खर्च
फुल पेमेंट	55,000	55,000
नो कॉस्ट ईएमआई	57,500	58,000+

यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन महंगे इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर या एसी जैसे उत्पादों में यह हजारों रुपये तक पहुंच सकता है।

कब नो कॉस्ट ईएमआई सही विकल्प

- हर बार नो कॉस्ट ईएमआई गलत नहीं होती। कुछ परिस्थितियों में यह उपयोगी हो सकती है। आपके पास पूरी रकम उपलब्ध नहीं है। ईएमआई लेने से डिस्काउंट कम नहीं हो रहा। प्रोसेसिंग फीस शून्य है। आप कैश फ्लो मैनेजमेंट के लिए भुगतान फैलाना चाहते हैं। अगर इन शर्तों में से अधिकतर पूरी होती हैं, तो ईएमआई एक व्यावहारिक विकल्प हो सकता है।

निवेश के नजरिए से

व्यक्तिगत वित्त का एक मूल सिद्धांत है खर्च से पहले गणित करें। यदि आपके पास पर्याप्त बचत है और आप फुल पेमेंट कर सकते हैं, तो अक्सर वह सस्ता विकल्प होता है। ईएमआई चुनने से पहले यह सोचें।

सोचें क्या यह जरूरत है

- क्या ईएमआई के कारण मैं अतिरिक्त खर्च कर रहा हूं?
- क्या मैं कई ईएमआई का बोझ एक साथ उठा रहा हूं?
- कई बार लोग एक साथ 3-4 ईएमआई ले लेते हैं। छोटी-छोटी किस्तें मिलकर बड़ी मासिक देनदारी बन जाती हैं।

मार्केटिंग बनाम समझदारी

आज का ई-कॉमर्स माहौल भावनात्मक फैसले लेने को प्रेरित करता है। अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें। लेकिन समझदार खरीदार पहले कैलकुलेशन करता है, फिर निर्णय लेता है। नो कॉस्ट ईएमआई धोखा नहीं है, लेकिन अधूरी जानकारी नुकसान में बदल सकती है। नो कॉस्ट ईएमआई सुविधा देती है, लेकिन हर सुविधा की एक कीमत होती है चाहे वह सीधी दिखे या छिपी हुई हो। इसलिए पहले पूरा गणित समझें, कुल भुगतान जोड़ें, और फिर फैसला लें। क्योंकि समझदारी से किया गया खर्च ही असली बचत है।

इस युद्धाभ्यास में 277 अत्याधुनिक हथियारों का किया जाएगा प्रदर्शन

150 किलो का रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट पहली बार नजर आएगा सार्वजनिक रूप से

80 फाइटर जेट और 45 हेलीकॉप्टर दिखाएंगे अपनी ताकत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आने वाले 27 फरवरी को पाकिस्तान की धड़कने कई गुना बढ़ने वाली है, क्योंकि पोखरण में वायु वीर मरुस्थल में गिराने वाले हैं बम, गोला और बारूद।

आपको बता दें कि एयर चीफ ने साफ तौर पर कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है और इसी को देखते हुए वायुसेना वायु शक्ति नाम के कार्यक्रम का आयोजन करके भारी बमबारी करेगी। जिस तरह से पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया था ठीक उसी तरह से पाकिस्तान के बॉर्डर के समीप दुश्मन के ठिकानों को चुन-चुनकर नेस्तनाबूद करने की प्रैक्टिस होगी। 24 फरवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल और 27 फरवरी को मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इस युद्धाभ्यास में 80 फाइटर जेट्स और 45 हेलिकॉप्टर तैनात रहेंगेष करीब 12 हजार किलो गोला-बारूद का इस्तेमाल किया जाएगा। एयर सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस युद्धाभ्यास में 277 अत्याधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया जाएगा।

यह है आरपीए की खासियत

पहली बार 150 किलो का रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट यानी आरपीए सार्वजनिक रूप से दिखेगा। यह आरपीए बाज की तरह घंटों मंडराकर टारगेट मिलते ही हमला करता है। शॉर्ट रेंज लोइटरिंग म्यूनिशन और कामिकेज ड्रोन भी दिखाए जाएंगे। काउंटर अनमैन्ड एरियल सिस्टम यानी सी-यूएएस की क्षमता का प्रदर्शन होगा। पोखरण में यह पहला मौका होगा जब फाइटर जेट, हेलिकॉप्टर, ड्रोन और मेक इन इंडिया से बने आर्म्स की साझा ताकत देखने को मिलेगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक बॉर्डर के पास इंडियन एयरफोर्स 27 को करेगी युद्धाभ्यास

यह है ऑपरेशन सिंदूर

6-7 मई 2025 की रात भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों के खिलाफ किया गया एक सटीक हवाई हमला था। यह कार्यवाही अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ एक त्वरित और रणनीतिक प्रतिक्रिया थी, जिसमें 9 मुख्य आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया था।

दिल्ली में 'लश्कर' के हमले की चेतावनी निशाने पर धार्मिक-ऐतिहासिक जगह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में एक बार फिर आतंकी हमले के इनपुट मिले हैं। सुरक्षा एजेंसियों की ओर से दिल्ली को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खबर है कि लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी लाल किले के आसपास एक बार फिर धमाके की साजिश रच सकते हैं। इसके अलावा चांदनी चौक के एक प्रमुख मंदिर को भी निशाना बनाए जाने की आशंका जताई गई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, लश्कर के आतंकी 6 फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद की एक मस्जिद में हुए धमाके के बाद भारत में भी खौफनाक साजिश को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। खुफिया एजेंसियों को जैसे ही यह इनपुट मिला, दिल्ली पुलिस ने तुरंत लाल किला, चांदनी चौक और आसपास के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी। भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

आतंकी हमले के इनपुट के बीच हाई अलर्ट पर पुलिस

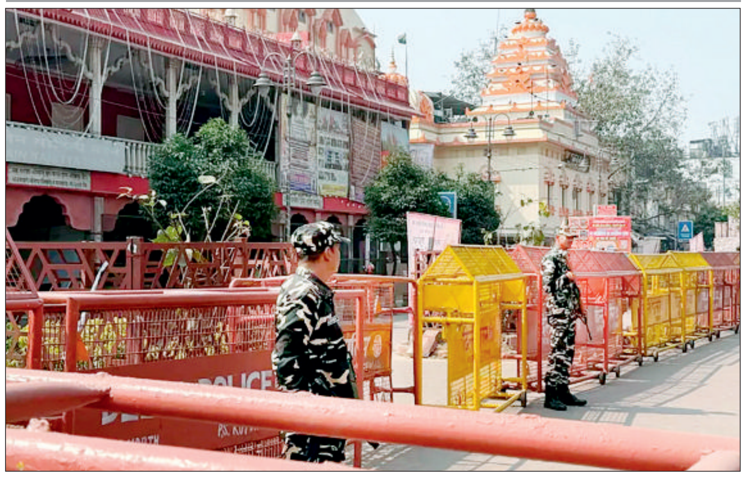

इधर, पंजाब और कश्मीर में दो एलईडी बरामद

पंजाब और कश्मीर में दो अलग-अलग स्थानों पर आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। यह बरामदगी ऐसे समय हुई है जब दिल्ली में पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की ओर से हमले की चेतावनी मिली है। पंजाब के अमृतसर में शुक्रवार को रेया पुलिस पोस्ट के पास एक संदिग्ध बैग मिला। पुलिस ने मौके पर बम निरोधक दस्ता बुलाकर जांच की। अमृतसर के एसएसपी सोहेल कासिम मीर ने बताया कि बैग के अंदर आईईडी पाया गया, जिसे बाद में सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। वहीं, कश्मीर के गांदरबल जिले के सफापोरा इलाके में भी इसी दिन एक आईईडी बरामद हुआ। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीम ने इसे भी कुछ ही घंटों में निरस्त कर दिया. यह उत्तर कश्मीर में इस सप्ताह तीसरी आईईडी गिरफ्तारी है, क्योंकि गुरुवार को तंगमार्ग रोड और बारामूला में भी आईईडी मिला था।

यूनेस्को विश्व धरोहर को लेकर एएसआई ने लिया फैसला

हर रोज खुलेगा अब लाल किला, जारी हुआ आदेश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में स्थित ऐतिहासिक लाल किला अब सप्ताह के सभी दिन आगंतुकों के लिए खुला रहेगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। पहले यह मुगलकालीन स्मारक प्रत्येक सोमवार को बंद रहता था। लाल किला एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भी है। एएसआई ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है।

नए आदेश का प्रभाव

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने लाल किले को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव किया है। इस नए आदेश से पर्यटकों को काफी सुविधा मिलेगी। अब वे सप्ताह के किसी भी दिन लाल किले का भ्रमण कर सकेंगे। पहले सोमवार को लाल किला बंद होने के कारण कई पर्यटक निराश होते थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

पीडब्ल्यूडी ने अब...

उल्लेखनीय है कि हर साल बजट में एक साल(वित्तीय वर्ष) के लिए राशि का प्रावधान किया जाता है। साथ ही पूंजीगत व्यय के लिए प्रत्येक तिमाही के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। लोक निर्माण विभाग ने राज्य की व्यय एवं अनुदान रिपोर्ट में ब्योरा दिया है, उसे मुताबिक अब तक कुल 27.81 प्रतिशत व्यय हुआ है।

कागजों में अरबों...

विशेष मरम्मत और नवीनीकरण जैसे सीधे जनता से जुड़े कार्य भी खर्च के मामले में 'शून्य' पर टिके हैं।

जिन मदों में...

रखरखाव (लघु निर्माण कार्य, अस्पताल और औषधालय भवनों का निर्माण जैसे बहुत से काम हैं जिन पर आंकड़ों के मुताबिक शून्य राशि खर्च की गई है।

डिजिटल दावा, सिस्टम...

इसकी पड़ताल की। शिकायत सही पाई गई। मुख्य समस्या धीमे डेटा सिंक्रोनाइजेशन, स्थानीय सर्वर और केंद्रीय ऑनलाइन सर्वर के बीच कनेक्टिविटी की कमी, तथा डेटा प्रविष्टि में त्रुटियों की है। एफआईआर दर्ज कराने में लगभग हर जिलों के पोर्टल में एरर ही बता रहा है। अधिकारियों के मुताबिक सीसीटीएनएस पोर्टल और सॉफ्टवेयर में मुख्य रूप से धीमा सिंक्रोनाइज़ेशन, डेटा प्रविष्टि में त्रुटियां, और स्थानीय सर्वर व केंद्रीय ऑनलाइन सर्वर के बीच कनेक्टिविटी की समस्या है।

गौरतलब है कि डिजिटल इंडिया और ई गवर्नेंस क्राइम के तहत सभी विभागों के कामकाज को ऑनलाइन किया जा रहा है, ताकि काम में पारदर्शिता बनी रहे। इसी के तहत केंद्र सरकार ने क्राइम एंड क्रिमनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) की शुरुआत की है। देश के सभी थानों को एक सर्वर से जोड़ा गया है। राज्य पुलिस ने इसे सभी जिलों में एक साथ लांच करने की तैयारी की थी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। रायपुर के बाद बलौदाबाजार जिले में इसे जरूर पहले लागू किया गया था। बिलासपुर में शनिवार से सुविधा लांच की गई लेकिन नेटवर्क की समस्या बनी ही रही।

जीआरपी और आरटीओ की भी रहेगी रिपोर्ट-

अधिकारियों का दावा है कि पोर्टल में रेलवे पुलिस के भी संभाग या थाने की शिकायतों को देखा जा सकता है। इन्हें भी लिंक से जोड़ दिया गया है। जीआरपी में थानों में रोजाना दर्ज होने वाली शिकायतों को ऑनलाइन किया जा रहा है। इसमें एफआईआर की कॉपी भी अपलोड की जा रही है। दावा है कि अभी रेलवे पुलिस के रायपुर, बिलासपुर, भिलाई, दुर्ग, रायगढ़ के थानों की एफआईआर ऑनलाइन की गई है। इसके साथ ही परिवहन विभाग का लिंक भी उसमें जोड़ा गया है।

समाधान एप में यह है सुविधा-

पुलिस के समाधान एप में जो सुविधाएं दी गई हैं, वह इस प्रकार से हैं

- ऑनलाइन शिकायत करने की सुविधा
- एप से कोई भी एफआईआर देख सकता है
- गिरफ्तारी के बारे में जानकारी मिलती है
- डीजीपी, आईजी, एसपी, टीआई किसी को भी सीधे शिकायत करने की सुविधा
- गूगल लोकेशन के जरिए संबंधित थानों की पूरी जानकारी
- पुलिसकर्मियों को अपराध और अपराधियों की पूरी जानकारी मिलती है
- इस एप के जरिए पुलिस को बदमाशों की ट्रैकिंग करने में भी मदद मिलती है

नए और पुराने...

व्यावहारिक ज्ञान की कमी के कारण कार्यप्रणाली में समस्या आ रही है। इसके साथ ही आरोपी/शिकायतकर्ता की कई आईडी बनना और घटनाओं के दर्ज होने का तार्किक क्रम सही नहीं होने से परेशानी बढ़ रही है। इसके अलावा राज्य के सभी पुलिस स्टेशनों में इंटरनेट कनेक्टिविटी समान रूप से उपलब्ध नहीं होना भी एक समस्या है। इसके अलावा पुराने (आईपीसी, सीआरपीसी) और नए कानूनों (बीएनएसएस) के अनुसार डेटा को अपडेट करने में सॉफ्टवेयर में चुनौतियां आ रही हैं।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद...

ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बीएनएस की धारा 69, 74, 75, 76, 79 और 109 के साथ ही पॉक्सो अधिनियम की धारा 3/5/9 और 17 के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने का आग्रह करते हुए यह आवेदन दाखिल किया था। अदालत ने याचिका स्वीकार करते हुए झूंसी के थाना प्रभारी को तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करने और कानून के मुताबिक मामले की जांच करने का आदेश दिया। यह जांच पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन करते हुए की जाएगी।

आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा, न्यायपालिका ने बच्चों के साथ हुए गलत कृत्यों के मामले की सुनवाई करते हुए झूंसी थाने को प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। अब हमें न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, आज से हम यहां से विद्या मठ (वाराणसी) के लिए सनातन यात्रा निकाल कर रहे हैं। हम दिखाएंगे कि विद्या मठ के पंचम तल पर किस तरह से बच्चों का यौन शोषण किया जाता है। बच्चों के साथ दुष्कर्म के बहुत सारे साक्ष्य वहां मौजूद हैं।

ब्रह्मचारी ने कहा कि उन्होंने सभी साक्ष्य अदालत में पेश किए हैं। पुलिस को भी वह साक्ष्य उपलब्ध कराएंगे। उल्लेखनीय है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद प्रयागराज के माघ मेला 2026 में मेला प्रशासन से टकराव को लेकर सुर्खियों में बने रहे। उन्होंने मेला प्रशासन पर मौनी अमावस्या का स्नान नहीं करने देने का आरोप लगाया था।

एडीजे पॉक्सो कोर्ट का आदेश-

एडीजे पॉक्सो एक्ट विनोद कुमार चौरसिया ने अपने आदेश में कहा कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिवत जांच की जाए। कोर्ट के निर्देश के बाद अब झूंसी थाने में एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। माना जा रहा है कि इस आदेश से स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले-...

लोगों ने झूठा केस लगाया है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, हम सामना करेंगे, हम योगी आदित्यनाथ थोड़ी हैं कि अपने ऊपर आरोप हटवा लें।

मां का आशीर्वाद...

हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनस्नेह ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने अपने जन्मदिवस को विशेष और यादगार बनाने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस विशेष अवसर पर बगिया स्थित श्री राम सदन में सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उनकी माताजी श्रीमती जसमनी देवी, धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ व्रत कथा का श्रवण किया तथा ईश्वर से प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

छात्राओं को मुख्यमंत्री ने प्रदान की क्रिकेट किट-

क्रिकेट की दुनिया में जिले का नाम रोशन करने वाली शासकीय प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास, इचकेला की प्रतिभाशाली छात्राओं को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रोत्साहित करते हुए 15 क्रिकेट किट प्रदान किया। छात्रावास की इन छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर भी जिले को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप इसी लगन, अनुशासन और मेहनत के साथ निरंतर आगे बढ़ती रहें तथा अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राज्य और देश का नाम रोशन करें।

कार पोल से...

घटना देर रात 12.30 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि कार की रफ्तार काफी तेज थी। संतुलन बिगड़ने से कार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर रेलिंग को तोड़ते हुए सड़क किनारे लगे पोल से टकराकर पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मिथिलेश की हालत नाजुक बताई जा रही है। घायल तथा मृतक आरंग के रहने वाले हैं।

रिश्तेदार को छोड़कर आ रहे थे -

कार सवार जिन लड़कों की मौत हुई है, उनमें से किसी एक के रिश्तेदार को युवक महासमुंद छोड़ने के लिए गए थे। वापसी के दौरान युवकों की कार की गति 120 से ज्यादा थी। एक्सीडेंट के समय कार की गति 110 की थी। महानदी पुल पार करने के बाद टर्न था। टर्न के पास कार चला रहा युवक कार की गति को कंट्रोल नहीं कर पाया और कार सीधे जाकर डिवाइडर से टकराने के बाद रेलिंग को तोड़ते हुए पोल से टकरा कर पलट गई।

सुकमा में उखड़...

के नक्सली शामिल हैं। फोर्स ने कहा है कि सरेंडर करके मुख्यधारा में शामिल हो जाएं नहीं तो खात्मा किया जाएगा।

देवजी व पापाराव भी सक्रिय-

मोस्ट वाटेंड नक्सली पोलित ब्यूरो मेंबर व प्रभारी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन थिप्परी तिरूपति उर्फ देवजी, डीकेएसजेडसीएम, प्रभारी व सचिव पश्चिम बस्तर डिविजन कमेटी पापाराव कुड़ाम उर्फमंगू तथा सोढ़ी केसा की भी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। निर्धारित तिथि तक समर्पण नहीं करने पर इन तीन टॉप मोस्ट नक्सलियों के अलावा अन्य सक्रिय नक्सलियों को जल्द ही टारगेट किया जाएगा। एसपी का कहना है कि यदि नक्सली सरेंडर करने आगे आते हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा, लेकिन यदि वो नहीं मानते है तो फोर्स अपने हिसाब से काम करेगी। 31 मार्च 2026 में अब केवल 38 दिन शेष है और हमारा पूरा प्रयास है कि वे समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो जाएं, नहीं तो आने वाले कुछ दिन में नक्सलवाद का खात्मा पूर्ण रूप से हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ की प्रशंसा...

अप्रैल-मई 2025 में 31 नक्सली मारे गए थे 46 डिग्री सेल्सियस के तापमान में काम करते हुए, जब पसीने में प्रतिदिन 15 लीटर पानी बह जाता था, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने झुलसा देने वाली गर्मियों का सामना करते हुए पहाड़ को नक्सलियों के चंगुल से मुक्त कराया और उनके गढ़ को ध्वस्त कर दिया। शाह ने कहा कि 10-11 साल पहले देश में 'जख्मों को कुरेदने वाले' तीन बड़े 'हॉटस्पॉट' थे, जम्मू कश्मीर में आतंकवाद, पूर्वोत्तर में नक्सलवाद और उग्रवाद-जो अब शांति और प्रगति के केंद्र बन गए हैं।

भारतीय बेटियों का...

मुकाबले में भारत के लिए श्री चरणी और श्रेयंका पाटिल ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि अरुंधति रेड्डी ने दो सफलताएं अपने नाम कीं। वहीं, रेणुका सिंह ने एक विकेट झटका।

आरोपी डिप्टी कलेक्टर...

आरोपी की पढ़ाई व कोचिंग के लिए प्रतिमाह 4–5 हजार रुपए भेजे तथा बैंक से ऋण लेकर करीब 3.30 लाख रुपए उसके खाते में ट्रांसफर किए। शिकायत के अनुसार 2020 में पीएससी पास कर बीजापुर में पदस्थापना के बाद भी आरोपी शादी टालता रहा। युवती ने 2025 तक शारीरिक शोषण जारी रहने का आरोप लगाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन ने तत्काल निलंबन की कार्रवाई की है।

घर में 90 हजार...

को पैसा देकर टीम को इशारा कर दिया। उसके बाद टीम ने घर में प्रवेश कर 90 हजार रुपए रिश्वत की रकम के साथ फूड इंस्पेक्टर वस्त्रकार को रंगे हाथों पकड़ लिया। टीम ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत फूड इंस्पेक्टर वस्त्रकार को गिरफ्तार कर मकान का सर्च कार्रवाई की जा रही है।

इस साल की चौथी कार्रवाई-

डीएसपी श्री सिंह ने बताया, इस साल की यह चौथी कार्रवाई है। इसके पहले रिश्वतखोर तहसीलदार, पटवारी, एसडीएम के बाबू व सीएसपीडीसीएल के अधिकारी और कर्मचारी पर कार्रवाई की गई थी।

विधानसभा बजट सत्र...

मार्च 2026 की बजट सत्र में भाग लेने की अनुमति दी गई है। इस दौरान कवासी लखमा को आगमन और प्रस्थान की सटीक समय की जानकारी विधानसभा सचिवालय को देनी होगी। अपना एक्टिव मोबाइल नंबर कार्यालय में जमा करना होगा। वे अपने निवास या विधानसभा क्षेत्र का दौरा नहीं करेंगे, इसके साथ ही प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित नहीं करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के नो स्पीच भाषण ना देने की शर्त का कड़ाई से पालन करेंगे। विधानसभा के अंदर और बाहर चल रहे गुण दोष पर चर्चा नहीं करेंगे। कवासी लखमा की उपस्थिति केवल बजट सत्र चलने तक रहेगी। इन शर्तों का कड़ाई से पालन करने के आधार पर विधानसभा में उपस्थित होने की अनुमति दी जा रही है। यदि इन शर्तों का उल्लंघन होता है, तो सदन की गरिमा को देखते हुए तत्काल अनुमति को रद्द किया जा सकता है।

खुद पर चल रहे मामले में नहीं दे सकते स्पीच- डॉ रमन सिंह ने बताया कि नो स्पीच का मतलब है कि कवासी लखमा पर जो मामले चल रहे हैं, गुण दोष के आधार पर विधानसभा में वक्तव्य नहीं दे सकते। विधानसभा में बजट सत्र के अन्य विषय में बजट की चर्चा में भाग ले सकते हैं।

अभिभाषण से होगी सत्र की शुरुआत-

छत्तीसगढ़ की षष्ठम विधानसभा के अष्टम सत्र की शुरुआत सोमवार 23 फरवरी को सुबह 11.05 बजे राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। राज्यपाल के अभिभाषण का दूरदर्शन एवं आकाशवाणी से सीधा प्रसारण किया जाएगा। राज्यपाल के अभिभाषण के कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर सभा में चर्चा 25 फरवरी को होगी। दीनदयाल सिंह पोर्ते, अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व सदस्य के निधन उल्लेख किया गया है।

इन विधेयकों की मिली सूचना- उन्होंने बताया कि अभी तक शासकीय विधि-विषयक कार्यों के अंतर्गत छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026, छत्तीसगढ़ लोक सुरक्षा (उपाय) प्रवर्तन विधेयक, 2026 पेश किए जाने की सूचना अब तक मिली है। **प्रश्न, स्थगन एवं ध्यानकर्षण सूचनाएं-**

उन्होंने बताया कि इस सत्र के लिए सदस्यों से अभी तक प्राप्त प्रश्नों की कुल 2813 सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, जिनमें तारांकित प्रश्नों की कुल संख्या 1437 एवं अतारांकित प्रश्नों की कुल संख्या 1376 है। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की 61 सूचनाएं, नियम 139 के अधीन अविलंबनीय लोक महत्व के विषय पर चर्चा के लिए 1 सूचनाएं, अशासकीय संकल्प की कुल 13 सूचनाएं, शून्यकाल की 9 सूचनाएं और याचिका की 112 सूचनाएं प्राप्त हुई हैं।

राशिफल

मेष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन — शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्द पहेली - 6146

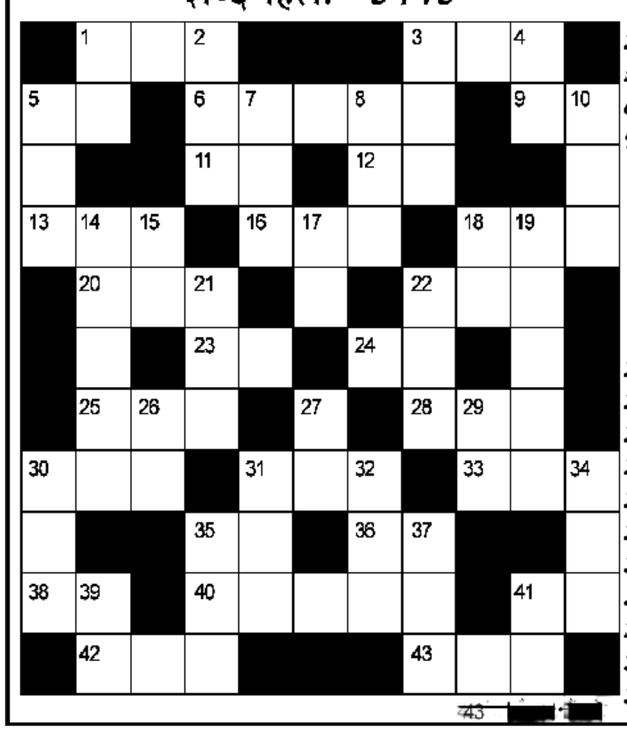

बाएँ से दाएं-
1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे
1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली - 6145 का हल

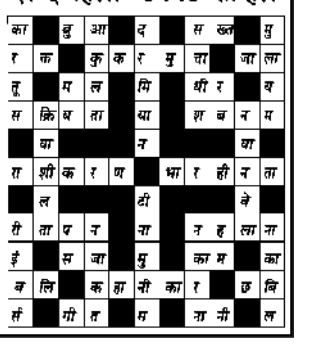

सूडोकु नवताल- 6156

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6155 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

‘कैदी की आत्महत्या राज्य पूरी तरह जिम्मेदार’

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। हाई कोर्ट ने कहा कि अगर किसी कैदी की हिरासत में अप्राकृतिक तरीके से मौत होती है, तो उसके लिए पूरी तरह से राज्य सरकार जिम्मेदार होगी, भले ही वह मृत्यु आत्महत्या ही क्यों न हो। हाई कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत जीवन और मानवीय गरिमा का अधिकार एक आंतरिक और सर्वव्यापी अधिकार है। जस्टिस शेखर बी सराफ और जस्टिस मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने 20 फरवरी को प्रेमा देवी द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया। प्रेमा देवी ने पीलीभीत जिला जेल में अपने नाबालिग बेटे की मौत के लिए मुआवजे की मांग की थी।

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छाती, एलर्जी एवं सांस से जुड़ी सभी बीमारियों का आधुनिक एवं विशेषज्ञ उपचार एक ही स्थान पर
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साँई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

हैदराबाद हाउस में दोनों देशों के राष्ट्रप्रमुखों के बीच हुआ समझौता

भारत और ब्राजील के बीच 20 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य, दोनों देशों ने साइन किए कई एमओयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका के बाद भारत और ब्राजील के बीच भारत और ब्राजील के बीच क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ एलिमेंट्स को लेकर कई व्यापार समझौता हुआ, दोनों देशों ने कई एमओयू साइन किए। शनिवार को दिल्ली में दोनों देशों के बीच बैठक हुई है। इस दौरान साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। पिछले साल यानी 2025 में भारत और ब्राजील के बीच 15.21 अरब डॉलर तक व्यापार हुआ था। इसमें 25% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। भारत का एक्सपोर्ट 8.35 अरब डॉलर और ब्राजील से इंपोर्ट 6.85 अरब डॉलर तक रहा। इसके अलावा ब्राजील में भारतीय निवेश 15 अरब डॉलर से ज्यादा रहा। बता दें कि इन दिनों ब्राजील के राष्ट्रपति लूला और उनका प्रतिनिधिमंडल भारत दौरे पर हैं। शनिवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की उपस्थिति में भारत और ब्राजील के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ।

यह कहा मोदी ने

इस दौरान, पीएम मोदी ने कहा कि यह समझौता मजबूत सप्लाई चेन बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ब्राजील लैटिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। हम अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर से अधिक तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा व्यापार सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है। यह भरोसे का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि हम ब्राजील में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के लिए एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने पर काम कर रहे हैं। हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सुपरकंप्यूटर, सेमीकंडक्टर और ब्लॉकचेन जैसे क्षेत्रों में भी अपने सहयोग को प्राथमिकता दे रहे हैं। दोनों देशों का मानना है कि प्रौद्योगिकी समावेशी होनी चाहिए और साझा प्रगति के लिए एक सेतु का काम करना चाहिए।

पीएम मोदी बोले- साझा प्रगति के लिए एक सेतु जैसा काम करना चाहिए

भारत दौरे पर हैं ब्राजील के राष्ट्रपति लूला और उनका प्रतिनिधिमंडल

ब्राजील में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर सेंटर खोलेगा भारत

बताया गया कि भारत, ब्राजील में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्टक्चर के लिए एक सेंटर खोलने पर काम कर रहा है। ‘एआई, सुपरकंप्यूटर, सेमीकंडक्टर और ब्लॉकचेन जैसे क्षेत्रों में भी अपने सहयोग को प्राथमिकता भारत प्राथमिकता दे रहा है। दोनों देशों का मानना है कि टेक्नॉलाजी समावेशी होनी चाहिए। इसे दोनों देशों के लिए ब्रिज की तरह काम करना चाहिए।

चीन की निर्भरता कम करने की तैयारी में भारत-ब्राजील

क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ एलिमेंट्स से जुड़ा समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी का एक प्रमुख हिस्सा है, जो ग्लोबल सप्लाई चेन में चीन की निर्भरता कम करने, ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन को सपोर्ट करने और विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह समझौता दोनों देशों को कच्चे माल के निर्यातक से आगे बढ़ाकर प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और रिसाइक्लिंग में भागीदार बनाने पर जोर देता है।

यह नवीकरणीय ऊर्जा शक्ति की मुलाकात
ब्राजील के राष्ट्रपति

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने कहा, ‘मेरे प्रिय मित्र मोदी, इस देश में छठी बार आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। भारत और ब्राजील की यह मुलाकात बेहद खास है। हम सिर्फ ग्लोबल साउथ की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकतें ही नहीं हैं, बल्कि यह एक डिजिटल शक्ति और एक नवीकरणीय ऊर्जा शक्ति की मुलाकात है।’ उन्होंने कहा कि भारत और ब्राजील दोनों ही विविधताओं से भरे बड़े देश हैं, सांस्कृतिक उद्योग के बड़े केंद्र हैं और हम दोनों शांति का समर्थन करते हैं। भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ दा नोब्रेगा ने बताया कि राष्ट्रपति लूला भारत की राजकीय यात्रा पर 11 कैबिनेट मंत्रियों, 300 से अधिक कारोबारियों और 50 सीईओ के बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ आए हैं।

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- फर्निशिंग दुकान में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- वीआर फर्निशिंग विशाल मेगा मार्ट KFC के बाजू में, अशोक नगर चौक के पास, सीपत रोड बिलासपुर 98931 27584 (40029)

आवश्यकता है- घरेलू साफ सफाई हेतु महिला एवं पुरुष। सुबह 9 से 5बजे, रहकर काम करने वाले को कमरा फ्री। वेतन 8000/- महीना। सम्पर्क- रामा वर्ल्ड, सिरगिट्टी मोड़, रायपुर रोड, बिलासपुर, 93406 00776 (40035)

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में इलेक्ट्रीशियन, ड्राइवर (ईऑटो, कार हेतु), सुपरवाइजर एवं लेबर कार्य फ्लैक्स माउंटिंग, एलईडी लेटर हेतु लड़के एवं लड़कियां चाहिए पता- C15, ग्राउंड फ्लोर नारायण प्लाजा, बिलासपुर 6264550163, 9644004113 (40028)

आवश्यकता है- मेडिकल दुकान में कार्य करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जियाजी मेडिकल पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7489874508, 8319774327 (40030)

आवश्यकता है- सुरक्षा कार्य हेतु पुराना बस स्टैण्ड मंगला चौक, नया बस स्टैण्ड एवं City में लम्बे तगड़े लड़के लड़कियों की आवश्यकता है रिसेप्शनिष्ट सुपरवाईजर वेल्डर कार्य हेतु संपर्क करें 88393 26096, 9165159463 (40027)

आवश्यकता है- रेडीमेड शॉप हेतु फील्ड में काम करने के लिए अनुभवी लड़का की आवश्यकता है बातचीत में निपुण हो एवं वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 7000387616 (40022)

आवश्यकता है- टैली एवं माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल में काम करने के लिए अनुभवी एवं ग्रेजुएट युवकों की आवश्यकता है। टैली में कार्य का पूर्व अनुभव अनिवार्य है। उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए अपने बायोडाटा के साथ आना है। सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क- 9009658882 पता- जाजोदिया टाइल्स, होटल ग्रैंड अम्बा के सामने, पुराना बस स्टैण्ड के पास, बिलासपुर (40021)

REQUIRED
QUALIFIED TEACHERS REQUIRED FOR LOYOLA SCHOOL, RAJIV VIHAR SECL-POST, BILASPUR
HUMANITIES
(GEOGRAPHY / HISTORY / POLITICAL SCIENCE)
QUALIFICATION: M.A., B.Ed.
FOR CLASSES: VI TO X
CONTACT: PRINCIPAL
07752-291587, 7400704767
loyolabsp@yahoo.in

आवश्यकता है- Free Recruitment Luxembourg और Germany के लिए भर्ती जारी। भर्ती प्रक्रिया फ्री है किसी भी प्रकार की एडवांस फीस नहीं। वीजा, टिकट, डॉक्यूमेंटेशन आदि सभी खर्च जॉइनिंग के बाद सैलरी से कटेगा सम्पर्क करें 90812 81990 (40033)

आवश्यकता है-बिलासपुर राजकिशोर नगर में ओला एवं ट्रेवल्स में कार चलाने हेतु तीन ड्राइवरों की आवश्यकता है। सैलरी 10000/- से 12000/- तक संपर्क करें 9243958051, 810940 0008 (40032)

आवश्यकता है- मेट्रो स्टूडियो में फोटोग्राफी का कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन 7000 से 10000 सम्पर्क करें- मेट्रो स्टूडियो, प्रताप चौक राम सेतु पुल के पास बिलासपुर 7566666725, 98932 58605 (40034)

आवश्यकता है- डेन्टल क्लीनिक में कार्य करने हेतु युवतियां चाहिए। समय सुबह 10बजे से रात 9बजे तक आसपास रहने वाली युवतियां सम्पर्क करें- शांति डेन्टल केयर, दयालबन्द गुरुद्वारा के पास, बिलासपुर 81095 18000 (40031)

आवश्यकता है- फैक्ट्री में फुल टाइम माल लोडिंग, अनलोडिंग हेतु शारीरिक रूप से स्वस्थ 18 से 40वर्ष के लड़के चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीशारदा इंडस्ट्रीज इंडस्ट्रीयल एरिया तिफरा बिलासपुर 786991 9759 (40024)

आवश्यकता है- बीएससी नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं नर्सिंग स्टॉफ की आवश्यकता है संपर्क अंकुर ट्रामा केयर एण्ड नर्सिंग होम उसलापुर रोड बिलासपुर छ.ग. 98271 62325, 74007 30011 (39996)

आवश्यकता हैं
आया बाई (हॉस्पिटल एवं घरेलु कार्य हेतु)
नर्सिंग स्टॉफ
काउन्टर स्टॉफ
अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल
मगरपारा रोड, बिलासपुर
संपर्क करें:- सुबह 11 से 01 बजे तक 07752-226296, 402543

आवश्यकता है-प्लाईवुड शोरूम में सेल्स एंड मार्केटिंग पर्सन, ऑफिस कार्य हेतु टेलीकॉलर शिक्षित, लड़के, लड़कियां चाहिए। वेतन 10000 से 50000+ बोनस+ कमीशन +पेट्रोल, बाइक अनिवार्य। रिज्यूम व्हाट्स एप्प करें- 9608777772, अनुभवी उम्मीदवार ही सम्पर्क करें-एस.एस. प्लाईवुड महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर (561)

आवश्यकता है- एक मेहनती, ईमानदार सेल्समैन चाहिए। ग्राहकों से अच्छी बातचीत करने, हिसाब किताब का अनुभव हो वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क- श्रीशारदा एंटरप्राइजेस, कोतवाली चौक के पास, मेन रोड तेलीपारा, बिलासपुर 7869919759 (40023)

आवश्यकता है- GK Group (builders and developers) में 1 Female आफिस असिस्टेंट मैनेजर एवं टेलीकॉलिंग के लिए अनुभवी candidate with tally basic computer knowledge. सम्पर्क करें- 9827072000, 9770770000 (40013)

आवश्यकता है- फिटर, गैस कटर वेल्डर, हेल्पर, टर्नर, ट्रैक्टर ट्राली बनाने वाला मिस्त्री, ट्रैक्टर माजदा चलाने हेतु ड्राइवर, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- एस.एस. इंडस्ट्रीज, अमसेना बिलासपुर 8224099994, 82238 99994 (40019)

आवश्यकता है- बिलासपुर की प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कम्पनी में आफिस एक्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। योग्यता किसी भी विषय में स्नातक, रीयल एस्टेट में अनुभवी को प्राथमिकता, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, वेतन योग्य उम्मीदवार हेतु कोई सीमा नहीं सम्पर्क- 96300 23355 (40012)

आवश्यकता है- मिठाई एवं नाश्ता बनाने के लिए हलवाई मिस्त्री की आवश्यकता है (मिस्त्री का वेतन 18000 से 30000) एवं काम करने हेतु लड़का/ लड़की चाहिए पता- यदुनन्दन नगर तिफरा बिलासपुर 93005 21234 (39997)

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़ा शोरूम में पुरुष सेल्समैन चाहिए। मेन्स, लेडिस वियर में 3 से 4वर्ष का अनुभव आवश्यक। वेतन 12000 से अधिक योग्यता अनुसार। पता- नेशनल होयजरी NX, सदर बाजार, बिलासपुर (40015)

आवश्यकता है- घरेलू कार के लिये कुशल ड्राइवर आवश्यकता है ड्राइविंग लाइसेन्स सहित सम्पर्क करें- 9244122393 (40004)

आवश्यकता है- घरेलू+ आफिस के ऊपरी कार्य हेतु लड़का (12वीं पास) एवं फील्ड कार्य हेतु एक कम्प्यूटर जानकार ऑपरेटर लड़का चाहिए पता- शॉप नं.-2, अरपा कॉम्प्लेक्स, पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7067124226, 9893081826 (40009)

आवश्यकता है- कार ड्राइवर, JCB आपरेटर, ट्रेक्टर ड्राइवर (अनुभवी) की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अपने लाईसेन्स एवं आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- श्रीबालाजी कंस्ट्रक्शंस बिलासपुर 79740 86925, 9907925045 (40025)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट ऑफिस में टैली कॉलिंग एवं मार्केटिंग के लिए लड़कियों एवं लड़कों की आवश्यकता है। सैलरी एवं कमीशन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री बालाजी कंस्ट्रक्शन मोपका बिलासपुर 9827994675, 7747817375 (40017)

आवश्यकता है- सी.एस.डी कैंटीन, नया रायपुर हेतु बिलिंग क्लर्क /बिलिंग चेक /एमटीएस के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते है। वेतन 15,000/- प्रति माह निर्धारित है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन दिनांक 10 मार्च 2026 तक ईमेल आईडी- sdpithoragarh350@gmail.com पर भेजे। अधिक जानकारी हेतु मोबाइल नंबर 7051008675 पर संपर्क करें। (541)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- जया ऑटोमोबाइल्स मन्दिर चौक जरहाभाठा बिलासपुर 87701 91423, 9827133335 (40000)

आवश्यकता है- साड़ी, रेडीमेड दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता आनुसार सम्पर्क करें- शिव क्लॉथ स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 9827916580 9827887934 (40016)

आवश्यकता है- बिलासपुर में रहकर या आना जाना करने सफाई कर्मी/ एक परिवार चौकीदार/ अकेली महिला अधेड़ उम्र की एक ड्राइवर अनुभवी नशामुक्त उचित वेतन आवास सुविधा सम्पर्क करें- 9479258223 (40011)

आवश्यकता है- स्टील/ टीन शीट मशीन ऑपरेटर की आवश्यकता है स्टील/ टीन शीट मशीन का 2+ वर्ष का अनुभव आवश्यक। आकर्षक वेतन। बाहरी उम्मीदवार हेतु रहने खाने की सुविधा उपलब्ध। सम्पर्क- 78286 77986 (39970)

आवश्यकता है- निजी नर्सिंग होम/ प्रसूति गृह में महिला सफाई कर्मी की आवश्यकता है केवल नाइट ड्यूटी हेतु सम्पर्क करें- 7693807006, 98261 34710 (39999)

आवश्यकता है- श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य व अन्य कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है, वेतन योग्यतानुसार (समय 10 Am से 7 Pm) सम्पर्कः- साइंस कॉलेज सरकंडा 9074741377 (544)

आवश्यकता है- ए.सी. दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़के चाहिए सुबह 10:30 से शाम 8.30 तक सम्पर्क करें- रानी सती इलेक्ट्रॉनिक्स होटल मिड टाऊन के सामने, टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 7974927009 (39998)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता। कार्य दवाई निकालना, पैकिंग, माल भेजना। सम्पर्क करें– मेलाराम हेमंत कुमार, शॉप नम्बर 54, मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर 79999 34599 (40003)

हमारा आशियाना
META PROPERTIES
3BHK VILLA & PLOTS AVAILABLE
VIP CITY, Saddu, Vidhan Sabha, Raipur, C.G.
812 000 8290
Khanna Advt.

आवश्यकता है-बिजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर युवती एवं माल जमाने, दिखाने तथा पैकिंग कार्य के लिए मेहनती लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- आर.के. बूट हाउस तेलीपारा बिलासपुर (39881)

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु 2-लड़कियां, 2-लड़के, 2-ड्राइवर एवं होटल साईड के लिए 1-चौकीदार की आवश्यकता है, (वेतन योग्यतानुसार/ अनुभवी को प्राथमिकता), संपर्क- राजेश गुप्ता, अरमान ट्रेवल्स, मंगला रोड 7697041000, 98935 90132 (539)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु गर्ल्स एवं महिलाओं की आवश्यकता सैलरी + कमीशन + बोनस, जॉब टाइम 10 से 5:30 पता श्री मंगल हॉस्पिटल के पास नर्मदा नगर बिलासपुर कॉल 73893 61667 (543)

आवश्यकता है- चायपत्ती के पैंकिग कार्य लडकी व महिला और पुरुष, लडको की जरूरत है संपर्क - ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह रायपुर मो. 74699-8000, 0771-4075490 (6682)

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000+ कमीशन+बोनस के साथ 20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया +कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क,9981121036, 8269109014 (1326)

आवश्यकता है- कुशल लेथ मिस्त्री, वेल्डर जिसे गैस कटिंग आती हो एवं हेल्पर की आवश्यकता है, संपर्क करें:- जोत इंजीनियरिंग कृष्ण जे. सी. बी. के पीछे, बिलासपुर 78280 70065 (538)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 35 वर्ष, वेतन 5000+ कमीशन+ बोनस सम्पर्क करें- मंगला चौक, बिलासपुर 7805932585, 7803948440 (533)

बेचना है

बेचना है- वृन्दावन प्लाजा नेहरू चौक के पास भूतल स्थित शाप A-14 (163 वर्गफुट) एवं ओम स्पेस कालोनी सकरी स्थित सर्वसुविधायुक्त आवासीय प्लाट बेचना है खरीददार ही सम्पर्क करें- राकेश श्रीवास्तव 9827195028 (40018)

बेचना है- रामा वर्ल्ड कालोनी फेस-1 में 32.8'×65.6' (2153 वर्गफुट) प्राइम लोकेशन, कार्नर प्लाट। वास्तु वैभव, रहंगी 38'×45.50' (1727 वर्गफीट) डायवर्टेड प्लाट, 36'09₹×46'05₹ (1707 वर्गफीट) डायवर्टड कार्नर प्लाट। कोरमी रायपुर- रायगढ़ राजमार्ग से 1km 3564 वर्गफीट प्लाट सम्पर्क- 9131211433 (40005)

बेचना है- शहर के मध्य सुमंगल अपार्टमेंट सेकंड फ्लोर लिंक रोड में 3बीएचके एवं सुमंगल अपार्टमेंट के नीचे तीन दुकानें बेचना है सम्पर्क करें- केवल खरीददार ही राजेश छुगानी 8982330000 (40014)

dicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिलें
शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

बेचना है- जमीन एवं 6 से 7 कमरों का मकान नया सरकंडा बंगालीपारा बिलासपुर में 7600 वर्गफुट डबल रोड पर स्थित बेचना है सम्पर्क करें- 99816 36739 (40007)

सर्विसेस

सर्विसेस- अगर आप मेडिकल फ्रेंचाइजी (दुकान) लेना चाहते हैं या मेडिकल में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, तो हाउस वाइफ, एंटरप्रेन्योर, स्टूडेंट, नौकरी पेशा, रिटायर्ड लोग इसमें हिस्सा ले सकते हैं। छत्तीसगढ़ के सभी गाँव, तहसील व जिलों में फ्रेंचाइजी देना शुरु है सम्पर्क करें- 8010400205, 74997 91047, 8806547252, 9119407880, 80104 00205, 7020307855, 8806547252 (6683)

वाहन बेचना है

वाहन बेचना है- न्यू मॉडल टाटा सफारी XZ, 2.0 डीजल BSVI टॉप मॉडल (2021-2022) (बिना सनरूफ) व्हाइट कलर बेचना है। 49500 KM चली हुई शोरूम सर्विस रिकॉर्ड एड आन इंश्योरेंस जनवरी 2027 तक CG-10 पासिंग नंबर कीमत मात्र 14,00000/- रुपये संपर्क करें- 11:00 से 3: 9098118228 (6682)

फायनेंस

फायनेंस- विनायिका फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज) (30% छूट) संपर्कः- 7587708423 (542)

किराया

किराया- बिलासपुर नेहरू नगर में सर्व सुविधायुक्त 2BHK फर्स्ट फ्लोर में किराए से देना है गाड़ी रखने के लिये पोर्च उपलब्ध है। शासकीय कर्मचारी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9827153281 (40008)

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए
बिलासपुर निवासी बिजनेस एवं प्राइवेट जॉब कर रहे 28 वर्षीय सरयूपारी ब्राह्मण युवक हेतु सुयोग्य वधु चाहिए सर्व ब्राह्मण स्वीकार्य
सम्पर्क करें- 6263215412 9229991967

वधु चाहिए- अग्रवाल वधु चाहिए उम्र 26 वर्ष रंग गोरा अकेला 12वीं पास ऊंचाई 5'5" अविवाहित स्वंय की व्यवसाय, स्वयं का घर उच्च वर्ग हेतु वधु चाहिए मो.- 7049784336, 8815859240, पता- बी. अग्रवाल, राधाकृष्ण मंदिर डोंगरगांव छत्तीसगढ़ (6681)

वर चाहिए

वर चाहिए- 50-वर्ष/ 5'4''/ गवर्नमेंट रेलवे टिकट कलेक्टर (BRS) कार्यरत मासिक - 62400/ नि :संतान हेतु वर चाहिए! अविवाहित, तलाक शुदा,विधुर, नौकरीपेशा, घर जमाई, रिटायर्ड मान्य -78983 82130, 9893951705 (1324)

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

टी20 क्रिकेट : भारत ने दी ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से शिकस्त

10 साल बाद भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया में जीती सीरीज, स्मृति रहीं प्लेयर ऑफ द मैच

एजेंसी ▶▶| एडीलेड

भारत ने उप कप्तान स्मृति मंधाना (82 रन) और करिश्माई बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स (59 रन) के बीच शतकीय साझेदारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शनिवार को निर्णायक तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 17 रन से शिकस्त देकर इस मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक दशक में पहली द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला अपने नाम की। स्मृति को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मंधाना (55 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के) और रोड्रिग्स (46 गेंद में चार चौके) ने मिलकर 121 रन की साझेदारी निभाकर भारत को 6 विकेट पर 176 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की, जिसमें युवा स्पिनर श्रेयंका पाटिल (22 रन देकर तीन विकेट) और तेज गेंदबाजी की अगुआई करने वाली रेणुका सिंह (29 रन देकर एक विकेट) ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए स्कोर तीन विकेट पर 32 रन कर दिया। इन शुरुआती झटकों ने भारत के दबदबे भरे प्रदर्शन की शुरुआत की और अंत में उसने मेजबान टीम को 20 आवेर में 9 विकेट पर 159 रन पर रोककर टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 2-1 से यादगार जीत दर्ज की। इस तरह भारत ने 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीती। बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी (32 रन देकर 3 विकेट) ने भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन विकेट प्राप्त किए।

स्मृति और जेमिमा के बीच शतकीय साझेदारी

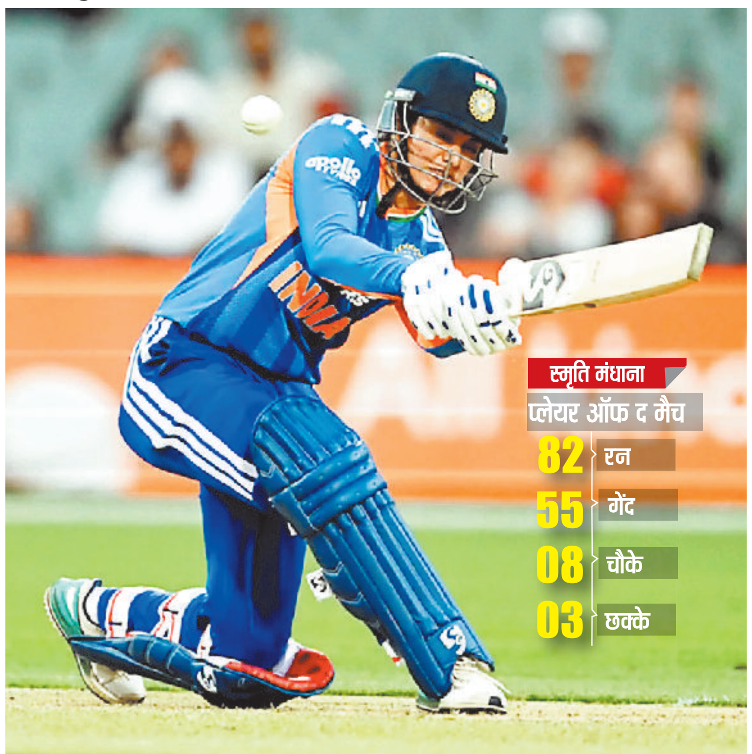

मंधाना ने खेली शानदार पारी

मंधाना 55 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 82 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जेमिमा रोड्रिगेज ने 46 गेंदों में 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। ऋचा घोष ने 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले। किम गार्थ और सोफी मोलिन्यूक्स ने 1-1 विकेट हासिल किया। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया अपना ही छह साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले उन्होंने 2020 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 37 गेंदों में 66 रन बनाए थे। अब 82 रन बनाकर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी भारतीय महिला बल्लेबाज़ का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर दर्ज किया।

टी20 में जेमिमा के 2500 रन पूरे

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध एडिलेड ओवल में खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में अर्धशतकीय पारी के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,500 रन पूरे कर लिए हैं। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज के अंतिम मुकाबले में 46 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। अपना 118वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलते हुए जेमिमा ने भारत की पारी के पांचवें ओवर में किम गार्थ की गेंद पर चौका लगाकर इस आंकड़े को पार किया। इसी के साथ रोड्रिगेज कप्तान कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के बाद महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली चौथी भारतीय महिला बनीं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 159 रन पर सिमटी

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 9 विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। मेजबान टीम को 19 के स्कोर पर जॉर्जिया वोल (10) के रूप में झटका लगा, जिसके बाद इस टीम ने 63 के स्कोर तक 4 विकेट खो दिए। यहां से फोएबे लिचफील्ड (26) ने एशले गार्डनर के साथ चौथे विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 98 के स्कोर तक पहुंचाया, जिसके बाद गार्डनर ने जॉर्जिया वेयरहम (12) के साथ 35 रन, जबकि एनाबेल सदरलैंड (14) के साथ 30 रन जुटाते हुए टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन ये प्रयास नाकाफी रहे। एशले गार्डनर 45 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 57 रन बनाकर आउट हुईं।

एलिस पेरी ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज खिलाड़ी एलिस पेरी ने इतिहास रच दिया है। भारत के खिलाफ तीसरे टी20 में उतरने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के लिए 350 मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। 2007 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का हिस्सा, पेरी से ज्यादा मैच सिर्फ दो महिला क्रिकेटरों ने खेले हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 357 और सूजी बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। पेरी ने कहा, मेरे सामने कोई खास लैंडमार्क नहीं हैं। मैं बस यह अनुभव करना चाहती हूं कि यह टीम क्या कर रही है और जब तक मैं इसमें योगदान दे रही हूं और इसमें संतुष्टि पाती हूं, तब तक मैं यहां रहना पसंद करूंगी।

यह जीत काफी मायने रखती है : हरमनप्रीत

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा,' यह जीत काफी मायने रखती है । यह टीम प्रयास का नतीजा है । यह देखकर अच्छा लगा कि हर कोई योगदान दे रहा है। हर साझेदारी अहम है। गेंदबाजों को भी अपना काम बखूबी पता था कि विकेट लेने पर ही मैच जीतेंगे और उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया।'

गलत समय पर गंवाए अहम विकेट: सोफी

आस्ट्रेलिया की कप्तानी सोफी मोलिनू ने कहा,' यह अच्छी विकेट थी लेकिन हमने गलत समय पर अहम विकेट गंवा दिए। हम एलिसे पैरी को उसके 350वें मैच में जीत का तोहफा नहीं दे सके, जिसका दुख है।'

जेमिमा से लय हासिल करने में मिली मदद

एडीलेड। भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि जेमिमा रौड्रिग्स के साहसी रवैये से उन्हें धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल करने में मदद मिली। मंधाना ने कहा,' जब वह आई तब मैं 16 गेंद पर 15 रन बनाकर खेल रही थी। उसने आकर तीन चार चौके लगाए और मुझे लय हासिल करने के लिए समय मिल गया।' उन्होंने कहा,' ये छोटी छोटी चीजें हैं जिन पर ध्यान नहीं जाता लेकिन मुझे लगता कि उसके आकर दो तीन चौके लगाने से मुझे लय हासिल करने में मदद मिली। लिहाजा इसका श्रेय उसे जाता है।' उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को हराना बड़ी उपलब्ध है लेकिन टीम की नजरें अब ब्रिसबेन में मंगलवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला पर है। मंधाना ने कहा,'श्रृंखला जीतने में योगदान देना अच्छा रहा। आस्ट्रेलिया को आस्ट्रेलिया में हराना खास है।

खबर संक्षेप

संन्यास के 9 साल बाद रिंग में उतरेंगे दिग्गज मेवेदर

लॉस एंजिल्स। दिग्गज मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर ने कहा है कि वह नौ साल के अपने संन्यास को समाप्त करके इस साल गर्मियों में प्रतिस्पर्धी मुक्केबाजी में वापसी करेंगे। मेवेदर ने 2017 के बाद से कोई पेशेवर मुक्केबाजी मुकाबला नहीं लड़ा है। तब उन्होंने कॉनर मैकग्रेगर को हराया था। इस मुकाबले के बाद मेवेदर (50-0, 27 नॉकआउट) ने अपने करियर में तीसरी बार संन्यास की घोषणा की थी। पांच बार के पूर्व विश्व चैंपियन मेवेदर का रिंग में कोई सानी नहीं है। उन्होंने अब तक हर पेशेवर मुकाबला जीता है। संन्यास लेने के बाद भी वह प्रदर्शनी मुकाबलों में हिस्सा लेते रहे हैं। मेवेदर ने पहले ही इस साल 59 वर्षीय माइक टायसन के खिलाफ एक प्रदर्शनी मुकाबले की घोषणा कर दी थी।

हॉकी : भारत की वापसी की उम्मीदें टूटी, स्पेन से हारा

होबार्ट। भारतीय टीम की एफआईएच पुरुष प्रो लीग में वापसी की उम्मीदें शनिवार को स्पेन से मिली 0-2 की हार से टूट गईं। भारत अब रविवार को प्रो लीग के होबार्ट चरण के अपने दूसरे मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। भारतीय टीम की खराब फॉर्म जारी रही।

जेनेसिस इनविटेशनल

भारतीय मूल के तीन गोल्फरों ने कट में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| लॉस एंजिल्स

भारतीय मूल के तीन गोल्फर आरोन राय, अक्षय भाटिया और साहित थीगाला पीजीए टूर के सत्र के दूसरे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट जेनेसिस इनविटेशनल में कट हासिल करने में सफल रहे।

पहले दौर में 66 का स्कोर बनाकर शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले राय ने दूसरे दौर में 70 का स्कोर किया और वह संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर हैं। भाटिया (68-71) संयुक्त 21वें और थीगला (70-71) संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर हैं। राय ने दूसरे दौर में चार बोगी की और पांच बर्डी लगाई।

भाटिया ने तीन बर्डी और तीन बोगी जबकि थीगला ने दो बोगी और तीन बर्डी की। मार्को पेंज और जैकब ब्रिजमैन ने रिवेरा कंट्री क्लब में सात अंडर 64 का स्कोर बनाया, जिससे वे रॉरी मैकलॉराय के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

कट में जगह बनाने में सफल रहे अहलावत और शर्मा

नैरोबी। भारत के वीर अहलावत ने तीन अंडर 67 और शुभंकर शर्मा ने पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया, जिससे वे मैजिकल कीनिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने में सफल रहे। अहलावत ने पहले दो दौर में 67-67 का स्कोर बनाया और वह छह अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 28वें स्थान पर हैं। शर्मा ने दूसरे दौर में शानदार प्रदर्शन किया तथा छह बर्डी और एक बोगी करके पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया। दो दिनों के बाद उनका कुल स्कोर चार अंडर पर है और वह संयुक्त 55वें स्थान पर हैं। भारत के एक अन्य गोल्फर युवराज संधू 69-71 के स्कोर के साथ कट से चूक गए।

सुपर-8 : रणनीति में बदलाव के बाद सूर्या और तिलक पर दारोमदार

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया की भिड़ंत आज शाम 7 बजे से

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

ग्रुप चरण में अपने चारों मैच जीतकर खिताब बचाने की अपनी दावेदारी को मजबूत करने वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के सुपर आठ में रविवार को दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की बड़े शॉट खेलने के बजाय स्थिर बल्लेबाजी करने की बदली हुई रणनीति की परीक्षा होगी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, केशव महाराज और एडन मार्क्रम के रूप में मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है, जो मौजूदा चैंपियन भारत की कड़ी परीक्षा लेने के लिए तैयार है। दोनों टीमें पिछले दो महीनों में छठी बार एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी और यह देखना बाकी है कि रविवार को कौन सी टीम परिस्थितियों का बेहतर फायदा उठाएगी।

भारत को बल्लेबाजी में सुधार की जरुरत

भारतीय टीम को ग्रुप चरण में खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा लेकिन वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उसकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (दो अर्धशतक और 202 का स्ट्राइक रेट) को छोड़कर शीर्ष चार में शामिल अन्य तीन बल्लेबाजों ने अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। अभिषेक शर्मा लगातार तीन मैच में शून्य पर आउट हो चुके हैं और उन्हें टूर्नामेंट में अपने पहले रन का इंतजार है। सूर्यकुमार और तिलक ने हालांकि सूत्रधार की भूमिका निभाई है लेकिन इन दोनों ने ऐसी पिचों पर सहज प्रदर्शन नहीं किया है, जहां गेंद रुककर आ रही हो। भारत रन बनाने के लिए हार्दिक पंड्या (स्ट्राइक रेट 155) और शिवम दुबे (स्ट्राइक रेट 178) पर भी काफी हद तक निर्भर रहा है।

यानसन, एनगिडी और महाराज करेंगे वापसी

जहां तक टीम में बदलाव की बात है तो भारत अर्शदीप सिंह की जगह कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर की जगह अक्षर पटेल को वापस अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है। जहां तक दक्षिण अफ्रीका की बात है यानसन, एनगिडी और महाराज वापसी करेंगे। उन्हें यूएई के खिलाफ मैच में आराम दिया गया था।

टीमें इस प्रकार

भारत : सुयकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्रम सं (1): ई-निविदा संख्याः डीआरएम इंजी. बीएसपी टी-199-25-26, दिनांक 13-02-2026

कार्य: 02 वर्षों की अवधि के लिए सहायक मंडल अभियंता / मध्य / बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एलएचएस के एप्रोच रोड सम्प, एलएचएस 15 nos. (बी.के. 06, 09, 10, 11, 12, 13, 15, 17. 18. 21. 24 एलएचएस-356, 359, 366 और 365) का निर्जलिकरण एवं गाद निकालना।

निविदा मूल्य (रु) : 2,37,92,230.00 **अमानत राशि (रु) :** 2,69,000.00/- **कार्य पूर्णता की अवधि :** 24 माह

क्रम सं (2): ई-निविदा संख्याः डीआरएम इंजी. बीएसपी-टी-200-25-26, दिनांक 13-02-2026

कार्य: 02 वर्षों की अवधि के लिए सहायक मंडल अभियंता/पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एलएचएस के एप्रोच रोड सम्प, एलएचएस 16 nos. (बी. के. 27, 29, 30, 31, 37, 39, 41, 43, 44, 46, 47, 52, 54, 55, 58, 60) का निर्जलिकरण एवं गाद निकालना।

निविदा मूल्य (रु) : 1,45,14,670.00 **अमानत राशि (रु):** 2,22,600.00/- **कार्य पूर्णता की अवधि :** 24 माह **निविदा जमा की आरंभ तिथिः** दिनांक 24-02-2026 के 11.00 बजे से । **निविदा जमा की अंतिम तिथिः** दिनांक 10-03-2026 के 11.00 बजे तक ।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी ।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/AM/700 द.पू.म.रेलवे बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

इंडियन ओपन रेस वॉक : बाबू और मंजू ने जीते स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

उत्तर प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय एथलीट राम बाबू और पंजाब की मंजू ने इंडियन ओपन रेस वॉक (पैदल चाल) प्रतियोगिता के पहले दिन क्रमशः पुरुष और महिला फुल मैराथन में स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) कर रहा है, जिसमें 26 वर्षीय बाबू ने 42 किलोमीटर की फुल मैराथन वॉक स्पर्धा में 3 घंटे, नौ मिनट और 17 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता बाबू ने हरियाणा के संदीप कुमार को पीछे छोड़ा। ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता संदीप ने तीन घंटे, 11 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। बाबू ने कहा कि वह यहां पहला स्थान हासिल करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार थे। उन्होंने कहा, 'तैयारी अच्छी थी और मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं। मेरा लक्ष्य जापान में होने वाले एशियाई खेलों में पदक जीतना है। मैं आगे अपने प्रदर्शन में और सुधार करने की कोशिश करूंगा।' मंजू ने पैदल चाल कि अनुभवी एथलीट उत्तर प्रदेश की ओलंपियन प्रियंका गोस्वामी सहित कुछ मजबूत प्रतियोगियों को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने तीन घंटे, 33 मिनट और 24 सेकंड का समय लिया जबकि प्रियंका तीन घंटे, 37 मिनट, 25 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रही।

1-15 मार्च तक होने वाले टूर्नामेंट में विलियम्स एकल और डबल्स में लेंगी हिस्सा

45 की वीनस फिर कोर्ट पर, इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी और 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को इस साल के इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री दिए जाने की पुष्टि की है। 1-15 मार्च तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले इस टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स एकल और डबल्स दोनों श्रेणियों में हिस्सा लेंगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी मिली थी वाइल्ड कार्ड एंट्री

45 साल की विलियम्स ने 2026 का कैंपेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से शुरू किया था। उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। हालांकि, वह पहले दौर से ही बाहर हो गई थीं, लेकिन ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड उन्होंने अपने नाम कर लिया। विलियम्स ने शुरुआती सेट में कड़ा मुकाबला जीता, लेकिन दूसरे सेट में डैनिलोविच ने बेसलाइन से वापसी की। सर्बियाई खिलाड़ी ने डिसाइडर में भी अपना नियंत्रण बनाए रखा।

कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा

वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने से उत्साहित वीनस विलियम्स ने कहा, "इंडियन वेल्स वापस जाना और कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा है। जबरदस्त फैंस के सामने खेलने जैसा कुछ नहीं है। मैंने इतने सालों में यहां बहुत सारी यादें बनाई हैं। मैं आयोजकों की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे वापस बुलाया।" पूर्व वर्ल्ड नंबर वन और चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट विलियम्स ने पहले भी इंडियन वेल्स में काफी सफलता हासिल की है। वह तीन बार सेमीफाइनल तक पहुंची हैं। आखिरी बार 2024 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के माध्यम से ही उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

हमने अपने ग्रुप की टीमों को कम करके आंकाः ब्रूक

पाल्लेकल। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने ग्रुप की कुछ टीमों को कम करके आंका और कहा कि उनकी टीम अब टी20 विश्व कप के सुपर आठ में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-टेंडर नोटिस नं. एनआईटी/14/26/7, तिथिः 17.02.2026

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	टेंडर बंद/खुलने की तिथि एवं समय	मात्रा
1	03261556	पैकिंग फॉर हाईट एडजस्टमेंट ऑफ कस्नब बोगी	12.03.2026 At 10:30 hrs	26903 नग
2	03262709	पैड फॉर सेकेंडरी ससपेंशन	12.03.2026 At 10:30 hrs	1754 नग
3	08251517	सेल गाइस एस5 व्ही42 पी2.5	09.03.2026 At 10:30 hrs	6582 के.जी.
4	07261509	फायर रिटार्डेट व्हीनाइल कोटेड फैबरिक (आर्टिफिशियल लेदर)	09.03.2026 At 10:30 hrs	56505 मीटर
5	02251784D	"21 टीथ शाफ्ट पीनियन फॉर डब्ल्यूएजी 9"	09.03.2026 At 10:30 hrs	631 नग
6	02253961A	"माइकोप्रोशेसर बेस्ड इनर्जी कम स्पीड मोनीटरिंग सिस्टम फॉर कोनभेंसनल टेप"	10.03.2026 At 10:30 hrs	29 सेट
7	04252411	ब्लाइंड सोकेट एसेंबली विथ लोकिंग	05.03.2026 At 10:30 hrs	242 नग
8	06260079	मेटल लाइनर टू आरडीएसओ डीआरजी. नं. टी-8748	11.03.2026 At 10:30 hrs	1827542 नग
9	06260080	मेनुफेक्चरिंग एंड सप्लाए ऑफ मेटल लाइनर टू आरडीएसओ डीआरजी.नं. टी-3740, एल्ट-7.	10.03.2026 At 10:30 hrs	1337470 नग

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरुरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं ।

सहायक सामग्री प्रबंधक-IV
द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
सीपीआर/10/711

किड्स अम्बिकन प्राइमरी स्कूल
KIDS AMBIKAN PRIMARY SCHOOL
Sainik School Campus, Mendrakalan, Dist - Surguja (C.G.)
PIN Code - 497001, Mobile - 7042206059

WALK-IN-INTERVIEW

Kids Ambikan Primary School is an English Medium Pre Primary & Primary School is hiring for the following posts purely on contractual basis :-

(a) Senior Teacher-01 (One) (b) Teacher- 06 (Six) Monthly Salary : Negotiable. Age : 22 Years to 45 Years	Essential Qualification : D.Ed / D.El.Ed
(c) Ayah (महिला सहायक) मासिक वेतन, योग्यतानुसार। आयु सीमा -22 वर्ष से 45 वर्ष ।	अनिवार्य योग्यता : कम से कम कक्षा 6 वीं उत्तीर्ण। वांछित योग्यता : हिन्दी पढ़ने लिखने में सक्षम एवं प्रायमरी स्कूल में कार्य करने का अनुभव

Eligible and interested candidates may apply with their bio-data (clearly mentioning contact details with email ID) with one recent passport size coloured photograph along with photocopies of the desired documents and Demand Draft of Rs. 100/- (non refundable) in the favour of Kids Ambikan Primary School by 14 March 2026. Date for interview will be informed later.

विद्यालय में कक्षा नर्सरी से पांचवी तक के बच्चों के लिए प्रवेश प्रारम्भ

Kids Ambikan Primary School में सत्र 2026-27 हेतु नर्सरी से कक्षा 5th (पांचवी) तक प्रवेश हेतु आवेदन फॉर्म मिलना प्रारंभ हैं। आवेदन पत्र रूपये 300/- (अप्रतिदेय) अदा करके प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन पत्र कार्यालयीन दिवसों पर सुबह 0900 बजे से 1300 बजे के मध्य Kids Ambikan Primary School, सैनिक स्कूल अम्बिकापुर परिसर, मैण्ड्राकलां, जिला सरगुजा से प्राप्त किया जा सकता है।

Officer - In - Charge, Kids Ambikan Primary School

उम्र में सबसे छोटा, लेकिन कद में काफी बड़ा, 29 साल का अरबपति युवक

नई दिल्ली। एआई इंपैक्ट सम्मिट 2026 के चौथे दिन बड़ी हलचल रही। दुनिया के बड़े टेक लीडर्स जुट चुके हैं। गूगल सीईओ सुंदर पिचाई, ओपन एआई सीईओ सैम ऑल्टमैन और एंथ्रॉपिक सीईओ डारियो एमोडेइ की चर्चा चारों तरफ है। लेकिन एलेक्जेंडर वैंग इस समिट में एक ऐसी शख्सियत हैं जिनके बारे में कम बात हो रही है। दिलचस्प ये है कि वांग उम्र में सबसे छोटे हैं, लेकिन कद में काफी बड़े हैं। एलेक्जेंडर वैंग उम्र में सबसे छोटे लीडर्स में से हैं जो इस समिट में पहुंचे. मंच पर पीएम नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मौजूदगी ने लोगों का ध्यान खींचा। एलेक्जेंडर वैंग आज मेटा की एआई स्ट्रैटिजी को लीड कर रहे हैं और वो 29 साल के हैं। ग़ौरतलब है कि एलेक्जेंडर वैंग टॉप एआई कंपनी स्केल एआई के फाउंडर रह चुके हैं।

अलेक्जेंडर वांग युवा अरबपति

एलेक्जेंडर वैंग सिर्फ एक सामान्य टेक लीडर नहीं हैं, वह एआई इंडस्ट्री के सबसे युवा और हाई-प्रोफाइल प्रोफेशनल्स में से एक हैं। एमआईटी छोड़कर उन्होंने 2016 में स्केल एआई नाम की कंपनी शुरू की, जो एआई डेटा-लेबलिंग और मॉडल ट्रेनिंग के लिए जानकारी तैयार करती है। दुनिया की बड़ी एआई कंपनियां जैसे एनविडिया, अमेजन और मेटा जैसी कंपनियां स्केल एआई के क्लाइंट रहे हैं। इसी काम की वजह से उनकी कंपनी जल्दी ही यूनिकाम बनी और फोर्ब्स के मुताबिक उनका नेट वर्थ लगभग $3.2–$3.6 बिलियन (करीब 28,000–31,000 करोड़) तक पहुंच गया। यानी वांग दुनिया के सबसे युवा अरबपतियों में शामिल हैं।

एआई इंपैक्ट सम्मिट में पीएम मोदी के साथ दिखे वांग

बीच में छोड़ दी थी पढ़ाई

एलेक्जेंडर वैंग की कहानी भी काफी दिलचस्प है। उन्होंने पढ़ाई बीच में छोड़ी. एआई डेटा पर काम शुरू किया। कुछ ही सालों में उनकी कंपनी अरबों डॉलर की वैल्यू तक पहुंच गई। आज वह दुनिया के सबसे युवा टेक अरबपतियों में गिने जाते हैं। एआई इंपैक्ट सम्मिट में उनकी मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि आने वाले समय में एआई की दिशा सिर्फ उम्रदराज सीईओ तय नहीं करेंगे। नए और युवा लीडर्स इस रेस में आगे निकल रहे हैं।

मेटा ने वांग को ऐसे किया हायर

मेटा ने एलेक्जेंडर वैंग को हायर करने के लिए बहुत बड़ा कदम उठाया। 2025 में मेटा ने स्केल एआई में लगभग $14.3 बिलियन (करीब 1,17,000 करोड़) का निवेश किया और कंपनी का लगभग 49% हिस्सा लिया। इसी दौरान वैंग को मेटा में सुपर इंटेलिजेंस लैब (एमएसएल) का प्रमुख बनाया गया। इस डील को एआई इतिहास के सबसे बड़े टेलेंट एक्यू हायर में से एक माना गया और मार्क जकरबर्ग ने खुद इसे मेटा की एआई स्ट्रैटिजी को मजबूत करने वाला एक बड़ा कदम बताया।

वांग का विजन

एआई इंपैक्ट सम्मिट के दौरान पीएम मोदी से उनकी मुलाकात को सिर्फ औपचारिक मुलाकात नहीं माना जा रहा. मेटा के लिए भारत अब सिर्फ बड़ा मार्केट नहीं है। भारत एआई का अगला बड़ा केंद्र बन रहा है। एलेक्जेंडर वैंग ने मंच से कहा कि भारत में एआई को अपनाने की रफ्तार बहुत तेज है। यहां के लोग नई टेक्नोलॉजी जल्दी अपनाते हैं। वांग टेक्नोलॉजी, खास तौर पर एआई और सुपर इंटेलिजेंस को लेकर काफी इंथुजियैस्ट हैं। उन्होंने खुद ही कई मॉडल्स पर काम किया है। वाट्सएप, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर एआई फीचर सबसे ज्यादा यूज इंडिया में होते हैं।

धरती के नीचे चमत्कार, 4000 करोड़ में बना इतना खूबसूरत वॉटर फॉल होटल, देखते ही रह जाएंगे दंग

बीजिंग। दुनिया में ऐसी कई इमारतें हैं, जो अपनी अनोखी आर्किटेक्चर के लिए जानी जाती हैं। इस लिस्ट में चीन के एक खास होटल का नाम भी शामिल है। यह होटल एक खदान के अंदर बना है और वॉटर फॉल होटल के नाम से जाना जाता है। आइए जानें क्यों इसे यह नाम मिला और इस होटल की खासियत क्या है। खाने-पीने के लिए होटल में पानी के नीचे बना सीफूड रेस्टोरेंट, कैंटोनीज फाइन डाइनिंग और क्वारी बार जैसे ऑप्शन मौजूद हैं। इसके अलावा, होटल में वॉटर स्पोटर्स एरिया, इंफिनिटी पूल और स्पा की सुविधा भी है। रोमांच पसंद करने वालों के लिए पास के थीम पार्क में जिपलाइन, बंजी जंप, रॉक क्लाइम्बिंग और ग्लास वॉकवे जैसी गतिविधियां मौजूद हैं।

खदान के अंदर बना है होटल

चीन के शंघाई शहर के सोंगजियांग जिले में स्थित इंटरकॉन्टिनेंटल शंघाई वंडरलैंड होटल आर्किटेक्चर और इंजीनियरिंग का एक शानदार उदाहरण है। यह अनोखा होटल एक पुरानी खदान के अंदर बना है, जिसकी वजह से इसे 'क्वारी होटल' या 'खदान होटल' के नाम से भी जाना जाता है।

क्यों कहा जाता है वॉटरफॉल होटल?

होटल की सबसे खास बात इसकी संरचना है, जो 88 मीटर गहरी खदान की दीवारों में बनाई गई है। इसमें कुल 18 मंजिलें हैं, जिनमें से 16 भूमिगत और दो मंजिलें पानी के नीचे स्थित हैं। इसके सामने 90 मीटर ऊंचा कृत्रिम झरना होटल की खूबसूरती में चार चांद लगाता है, जिसके कारण इसे 'वॉटरफॉल होटल' भी कहा जाता है।

इनवर्टेड ग्राउंडस्क्रेपर के नाम से भी जाना जाता है

इस होटल को डिजाइन करने के लिए कई मशहूर आर्किटेक्चर फर्म्स को चुना गया। होटल की डिजाइन में फेंगशुई के प्रिंसिपल्स को अपनाया गया है और इसे 'इनवर्टेड ग्राउंडस्क्रेपर' कहा जाता है, क्योंकि यह ऊपर की बजाय नीचे की ओर बना है। ऊपर से देखने पर इसका आकार 'एस' जैसा दिखता है। होटल को पर्यावरण के लिए जागरूक बनाते हुए एक सिंगल यूज प्लास्टिक-फ्री होटल के रूप में विकसित किया गया है। यह एक 'ब्राउनफील्ड रिवाइवल प्रोजेक्ट' है, जिसमें छोड़ी हुई जमीन का इस्तेमाल किया गया है।

4 हजार करोड़ में बनाया गया होटल

इस होटल का इतिहास काफी दिलचस्प है। इस खदान को 1950 के दशक में जापानियों ने युद्ध के दौरान बंकर बनाने के लिए खोदा था। बाद में इसे आंशिक रूप से पानी से भरकर एक आर्टिफिशियल झील में बदल दिया गया। साल 2006 में शंघाई के एक प्रॉपर्टी ग्रुप ने इस जगह में संभावना देखी और इसे एक लग्जरी होटल में तब्दील करने का फैसला किया। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत 2009 में हुई और इसे पूरा करने में करीब 4 हजार करोड़ रुपये की लागत आई।

आराम और रोमांच का अनुभव

इस होटल में ठहरना केवल आराम का नहीं, बल्कि रोमांच का भी अनुभव है। यहां क्लिफ के किनारे बने विला और पानी के नीचे बने सुइट्स हैं, जहां कांच की दीवारों से मेहमान सीधे झील के भीतर का नजारा देख सकते हैं। होटल में कुल 337 कमरे हैं, जिनमें से हर एक में वॉइस-कंट्रोल सिस्टम जैसी सुविधाएं मौजूद हैं।

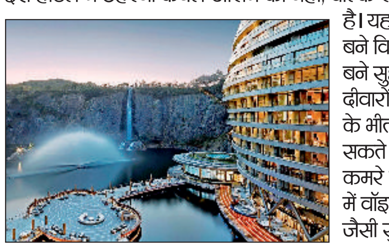

71 साल की बुजुर्ग महिला हैं फिटनेस की मिसाल

बॉडी बिल्डिंग स्पर्धा में लिया भाग

बुढ़ापे में लोग बिस्तर को दोस्त मान लेते हैं और कमजोरी के कारण काम-काज नहीं कर पाते हैं। हालांकि, कुछ बुजुर्गों का जज्बा उन्हें ऐतिहासिक चीजें करने के लिए प्रेरित करता है और वह साहस की मिसाल पेश करते हैं। ऐसा ही कुछ चीन में हुआ है, जहां 71 साल की बुजुर्ग महिला की फिटनेस ने लोगों को अचंभित कर दिया है। वह इतनी उम्रदराज होने के बावजूद भी इतनी मेहनती हैं कि उन्होंने बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में भाग लिया।

हफ्ते में 5 दिन करती हैं एक्सरसाइज : मिंगुई ने अपनी फिटनेस के बारे में बात करते हुए कहा कि बढ़ती उम्र के साथ उनकी मांसपेशियां ढलने के बजाय मजबूत होती गईं। उनका कहना है, इससे साबित होता है कि उम्र चाहे जो भी हो, आप शक्ति प्रशिक्षण या अन्य एक्सरसाइज कर सकते हैं। स्थिर रहने की तुलना में गतिशील रहना हमेशा बेहतर होता है। वह हफ्ते में कम से कम 5 दिन एक्सरसाइज करती हैं और उनके सभी सत्र एक घंटे से लंबे होते हैं।

प्रतियोगिता में हासिल किया तीसरा स्थान

महिला का नाम सुन मिंगुई है, जो मूल रूप से मध्य चीन के अनहुई प्रांत के मानशान की रहने वाली हैं। उन्होंने न केवल फिटनेस प्रतियोगिता में भाग लिया, बल्कि तीसरा स्थान हासिल करके इतिहास भी रच डाला। उन्होंने इस साल वुहान में हुई 'राष्ट्रीय फिटनेस नवागंतुक गुणवत्ता प्रतियोगिता' में मिश्रित लिंग वर्ग में कांस्य पदक जीता। इसका मतलब है कि उन्होंने न केवल अपने से आधी उम्र की महिलाओं को हराया, बल्कि पुरुषों को भी मात दी।

67 की उम्र में शुरू किया था व्यावसायिक प्रशिक्षण

मिंगुई रिटायर होने से पहले एक स्टील फैक्ट्री के कैफेटेरिया में काम करती थीं। व्यस्त रहते हुए भी वह रोजाना एक्सरसाइज करने का समय निकाल लेती थीं। हालांकि, रिटायर होने के बाद उन्होंने सेहतमंद बने रहने के लिए रस्सी कूदना, साइकिल चलाना और हाईकिंग करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने 67 साल की उम्र में फिटनेस प्रशिक्षण शुरू किया और कुछ ही समय में सिक्स-पैक और मजबूत बॉडी बना ली।

बढ़ जाएंगी एमबीबीएस की ढाई सौ सरकारी सीटें पर मेडिकल कालेजों में पढ़ाने वालों की व्यवस्था बड़ी चुनौती

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

आने वाले दिनों में राज्य में ढाई सौ सीटें बढ़ने से एमबीबीएस की शासकीय सीटों की संख्या बढ़कर 1680 हो जाएगी। खुलने वाले पांच नए मेडिकल कालेजों में पढ़ाने के लिए कम से कम 100 चिकित्सा शिक्षकों की आवश्यकता होगी, जिनकी व्यवस्था बड़ा चैलेंज है। राज्य में अभी संचालित दस शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 1123 शिक्षकों की कमी है। इन्हें दूर करने संविदा भर्ती का ट्रिक काम नहीं कर रहा है और सीधी भर्ती की प्रक्रिया अधूरी है।

स्वास्थ्य सुविधा को आसान बनाने के लिए हर जिले में चिकित्सा महाविद्यालय खोलने की योजना पर काम किया जा रहा है। अभी राज्य के दस जिलों में शासकीय मेडिकल कालेज संचालित हो रहे हैं। आने वाले दिनों में कबीरधाम, मनेंद्रगढ़, जांजगीर-चांपा, गीदम और जशपुर जिले में नया कालेज खोलने की योजना पर काम पूरा किया जा रहा है। पचास-पचास सीटों के साथ शुरू होने वाले इन चिकित्सा महाविद्यालयों के साथ राज्य में एमबीबीएस सीटों की संख्या 1430 से बढ़कर 1680 हो जाएगी। सीट बढ़ने से ज्यादा विद्यार्थियों को मौका मिलेगा मगर इन्हें पढ़ाने के लिए चिकित्सा शिक्षकों की व्यवस्था करना विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। राज्य में अभी संचालित होने वाले मेडिकल कालेजों में वैसे तो 10 शासकीय कॉलेजों में वैसे तो 2058 चिकित्सा शिक्षकों का सेटअप है मगर उस पर काम करने वालों की संख्या 935 है और 1123 पद खाली पड़े है। चिकित्सा शिक्षकों की कमी को लेकर अक्सर एनएमसी द्वारा आपत्ति की जाती है। चिकित्सा शिक्षा विभाग शिक्षकों की इन कमियों को दूर करने के लिए लगातार संविदा पदों पर भर्ती के लिए इंटरव्यू का आयोजन तो करता है, मगर भविष्य के लिए चिंतित डाक्टर इसके लिए ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाते। विभागीय स्तर पर चिकित्सा शिक्षा विभाग 125 असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती सीजीपीएससी के माध्यम से कर रहा है इसके लिए आवेदन तो बुलाए गए हैं।

ये है दुनिया की सबसे छोटी हवाई यात्रा टेक ऑफ के कुछ ही सेकेंड बाद लैंडिंग

हवाई यात्रा का नाम सुनते ही लोगों को सिर्फ लंबी दूरी या फिर कुछ घंटों की फ्लाइट दिमाग में आती होगी, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया की सबसे छोटी हवाई यात्रा कितनी लंबी हो सकती है? दो घंटे की या फिर इससे भी कम? लेकिन ये जवाब बिल्कुल गलत होगा। दरअसल दुनिया में एक ऐसा भी फ्लाइट टूर है जो टेकऑफ के बाद कुछ ही सेकेंड में लैंडिंग भी कर लेता है।

गिनीज बुक में दर्ज है रूट का नाम

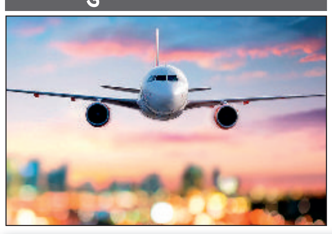

80 सेकेंड में आ जाती है मंजिल

अक्सर आपने सुना होगा कि फ्लाइट्स की यात्रा का समय घंटों का होता है लेकिन वेस्ट्रे और पापा वेस्ट्रे के बीच की यह उड़ान सिर्फ 80 सेकेंड में ही पूरी हो जाती है और कई बार तो यह यात्रा सिर्फ 53 सेकेंड में भी पूरी हो जाती है, जिसके कारण ही इसका रिकॉर्ड गिनीज बुक में भी दर्ज है।

दोनों द्वीप के बीच समुद्र में पुल नहीं

मात्र कुछ ही सेकेंड्स की फ्लाइट्स को सुनकर आपके मन में भी ये सवाल आ रहा होगा कि आखिर यहां के लोग इतनी छोटी सी यात्रा से फ्लाइट क्यों पकड़ते हैं। दरअसल, इन दोनों द्वीपों के बीच कोई सड़क या पुल नहीं बना है और समुद्र भी ऐसा है कि नाव से यात्रा करना भी मुश्किल है।

मात्र 2.7 किलोमीटर की फ्लाइट

दरअसल, आज हम बात कर रहे हैं स्कॉटलैंड के ऑर्किनी द्वीप समूह में स्थित वेस्ट्रे और पापा वेस्ट्रे द्वीपों के बीच की उड़ान की। यह उड़ान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया की सबसे छोटी कॉमर्शियल फ्लाइट में रूप में दर्ज है। आपको बता दें कि इस यात्रा की दूरी सिर्फ 2.7 किलोमीटर है। इसे पूरा करने में विमान को मात्र 80 सेकेंड लगते हैं। वहीं, अगर कभी हवा की दिशा अनुकूल हो तो इस फ्लाइट को अपनी डेस्टिनेशन पर पहुंचने में सिर्फ 53 सेकेंड ही लगते हैं।

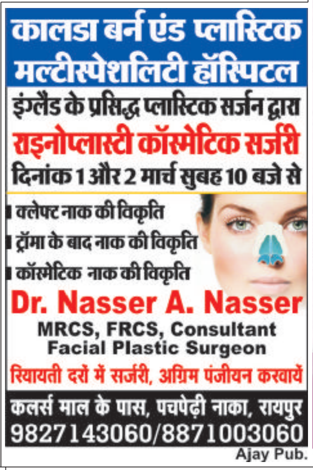

पुलिस कमिश्नरेट का रिपोर्ट कार्ड, अपडेटेड पुलिस सिस्टम में भी चोरी के रिकवरी रेट में कोई सुधार नहीं

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राजधानी में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू की गई है। पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के साथ आसामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई पहले की तुलना में सौ से डेढ़ सौ प्रतिशत ज्यादा हुई है, लेकिन प्रापर्टी आर्फेंस चोरी, नकबजनी में अब तक अंकुश नहीं लग पाया है। नियमित पांच चोरी, उठाईगिरी की घटनाएं हो रही हैं। चोरी, उठाईगिरी में रिकवरी रेट वाहन चोरी को मिलाकर 24 प्रतिशत के करीब है। पिछले वर्ष की तुलना की जाए, तब भी राजधानी के साथ ग्रामीण थाना क्षेत्र में प्रतिदिन पांच से ज्यादा चोरी की घटनाएं होती थीं।

राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू हुए एक माह हो गया। इस एक माह में पुलिस ने गुंडे-बदमाशों के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए एक

अफसरों की फौज होने के बावजूद रिकवरी रेट 25 प्रतिशत से कम

महीने के अंदर एक हजार से ज्यादा गुंडे बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेजने की कार्रवाई की है। एक ओर पुलिस जहां गुंडे बदमाशों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है, वहीं निगरानी बदमाशों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं होने से चोरी, उठाईगिरी का अपराध यथावत है। इस संबंध में पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला का कहना है कि जितने निगरानी बदमाश हैं, उनकी नए सिरे से लिस्टिंग की जा रही है। निगरानी बदमाशों की लिस्टिंग होने के बाद निगरानी बदमाशों की निगरानी बढ़ाई जाएगी। इससे चोरी की घटना पर आने वाले दिनों में अंकुश लगेगा। मारपीट, हत्या, लूट, डकैती से ज्यादा चोरी की घटना सुलझाना पुलिस के लिए चुनौती रहती है। हत्या, लूट, डकैती जैसे मामलों को सुलझाने का औसत सौ प्रतिशत तक पहुंच जाता है। चोरी, उठाईगिरी की घटना को सुलझाना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती रहती है। पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद 23 जनवरी से 22 फरवरी के बीच चोरी, उठाईगिरी के 146 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। दर्ज किए गए प्रकरण में से 35 प्रकरण को पुलिस सुलझा पाई है। इस लिहाज से पुलिस ने दर्ज प्रकरण में से महज 24 प्रतिशत प्रकरण को सुलझाने में कामयाबी हासिल की है। लूट की घटना का औसत भी पूर्व की तरह है। पिछले वर्ष औसतन हर महीने छह लूट की घटनाएं दर्ज की गई थीं। पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद एक महीने में छह लूट की घटनाएं हुई हैं। राहत की बात यह रही है कि लूट की घटना में से पुलिस ने पांच घटना को सुलझाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com